Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 241
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
सोमवार,30 मार्च 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

2 सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए टीकाकरण का

4 किताबों से संघर्ष, कैमरे से कमाल! क्या है

7 मदरहुड ने बदली कियारा आडवाणी की

पड़ोस में युद्ध और पेट्रोल-डीजल संकट, अफवाहों से बचें

पीएम मोदी ने मन की बात के एपिसोड 132 में देशवासियों से किया आान

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 132वें एपिसोड में देशवासियों से संवाद किया। यह वर्ष 2026 का तीसरा प्रसारण है। कार्यक्रम में पीएम मोदी ने पश्चिम एशिया में जारी युद्ध पर चिंता जताते हुए कहा, हमारे पड़ोस में भीषण युद्ध चल रहा है। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में लाखों भारतीय काम कर रहे हैं और खाड़ी देशों ने एक करोड़ से ज्यादा भारतीयों को हर संभव मदद प्रदान की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि इस समय पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण पूरी दुनिया में ईंधन का संकट पैदा हो गया है। इसलिए देशवासियों से आग्रह है कि वे संकट के इस दौर में एकजुट हों, स्वार्थी राजनीति न करें और किसी तरह की अफवाह न फैलाएं। पीएम मोदी ने आकाशवाणी से प्रसारित अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात की 132वीं कड़ी में देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिम एशिया के कारण उत्पन्न संकट से पूरी दुनिया की तरह भारत भी अछूता नहीं है। लेकिन इस संकट के दौर में सभी देशवासियों से अपील की कि जो लोग इस मुद्दे को राजनीतिक रंग दे रहे हैं, उन्हें स्वार्थी राजनीति नहीं करनी चाहिए। संकट के समय किसी को ऐसा नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा, यह 140 करोड़ नागरिकों के हितों से जुड़ा मुद्दा है। इसमें स्वार्थी राजनीति की कोई जगह नहीं है। जो लोग अफवाहें फैला रहे हैं, वे देश को बहुत नुकसान पहुंचा रहे हैं। मैं सभी से अपील करता हूं कि सतर्क रहें, अफवाहों से भ्रमित न हों। सरकार लगातार सही जानकारी दे रही है। उसी पर भरोसा करें और उसी के आधार पर कदम उठाएं। प्रधानमंत्री ने कहा कि मार्च का महीना वैश्विक स्तर पर बेहद घटनापूर्ण रहा है। हम सब याद करते हैं कि कोविड के कारण पूरी दुनिया को लंबे समय तक अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ा। हम सबकी उम्मीद थी कि कोविड संकट से उबरने के बाद दुनिया एक नयी शुरूआत के साथ प्रगति के पथ पर आगे बढ़ेगी, लेकिन उसके बाद दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में युद्ध और संघर्ष की स्थितियां लगातार उभरती रहीं। अब वहां बेहद नाजुक स्थिति बनी हुई है और भारत के करोड़ों परिवारों के सदस्य वहां रहते हैं और खासकर खाड़ी देशों में काम कर रहे हैं। पीएम मोदी ने भारतीयों की मदद करने के लिए खाड़ी देशों का आभार जताते हुए कहा, खाड़ी देशों का बहुत आभार। उन्होंने एक करोड़ से अधिक भारतीयों को हर प्रकार की सहायता दी। अब तक 3.75 लाख से ज्यादा भारतीय सुरक्षित भारत वापस लाए जा चुके हैं। ईरान से लगभग 1000 भारतीय, जिनमें 700 से ज्यादा मेडिकल छात्र शामिल हैं, सकुशल भारत पहुंच चुके हैं। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र हमारे ऊर्जा जरूरतों, कच्चा तेल, गैस आदि ईंधन का प्रमुख केंद्र है। इस क्षेत्र में चल रहे युद्ध के कारण दुनिया भर में पेट्रोल, डीजल और गैस का संकट बन रहा है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से जहाजों की आवाजाही मुश्किल हो गई है, जिससे व्यापार मार्ग प्रभावित हो रहे हैं। सरकार पेट्रोल, डीजल और गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी जा रही है। देश में स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व 5.3 मिलियन टन से ज्यादा है और इसे बढ़ाया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस संकट में राष्ट्र को एकजुट रहना चाहिए और अफवाहों से बचना चाहिए।

सीएम धामी ने सुना पीएम मोदी के मन की बात का 132वां एपिसोड

जनप्रतिनिधियों संग साझा किए विचार

देहरादून (एजेंसी)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज देहरादून के इन्द्रानगर स्थित होटल रॉयल इन पैलेस में आयोजित प्रधानमंत्री जी के 'मन की बात' कार्यक्रम के 132वें एपिसोड को सुना। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित जनप्रतिनिधियों व नागरिकों के साथ कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं पर विचार साझा किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किया गया एक अद्वितीय जनसंवाद मंच है, जो विश्व के किसी भी राष्ट्राध्यक्ष द्वारा संचालित सबसे लंबे समय तक चलने वाले प्रेरणादायी कार्यक्रमों में से एक है। यह कार्यक्रम समाज के विभिन्न वर्गों, विशेष रूप से दूरस्थ और कठिन परिस्थितियों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान और सम्मान प्रदान करता है। कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा देश के कोने-कोने में कार्य कर रहे उन लोगों का उल्लेख किया जाता है, जो सीमित संसाधनों में भी असाधारण कार्य कर समाज के लिए प्रेरणा बनते हैं। मन की बात के माध्यम से ऐसे व्यक्तित्वों की कहानियां देशभर के नागरिकों तक पहुंचती हैं, जिससे सकारात्मक ऊर्जा और प्रेरणा का संचार होता है। मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री अपने लगभग प्रत्येक कार्यक्रम में उत्तराखंड का विशेष रूप से स्मरण करते हैं। मन की बात के कई एपिसोड में राज्य की शीतकालीन यात्रा, प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख किया गया है।

मथुरा में यमुना एक्सप्रेसवे पर चलती बस में लगी आग, सभी यात्री सुरक्षित

मथुरा (एजेंसी)। मथुरा के नौझील थाना क्षेत्र में रविवार को यमुना एक्सप्रेसवे पर एक निजी बस में आग लग गई। हालांकि सभी यात्री बाल-बाल बच गए लेकिन पूरी बस जलकर खाक हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार आगरा से नोएडा जा रही एक निजी बस में एक्सप्रेसवे पर किलोमीटर 64 के पास अचानक आग लग गई। बस में करीब 48 यात्री सवार थे। अग्निशमन अधिकारी किशन लाल ने बताया, बस के चालक ने इंजन से धुआं निकलते देखा। बस रोककर जांच की तो इंजन में आग लग चुकी थी। उसने तुरंत यात्रियों को सतर्क किया और उन्हें सुरक्षित बाहर निकलने में मदद की। उन्होंने बताया कि आग लगने का कारण प्रथम दृष्टया शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। लाल ने बताया कि मौके पर दमकल की चार गाड़ियां भेजी गईं और करीब 45 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

मोरनी हिल्स में ब्रेक फेल होने से पहाड़ से टकराई बस

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंचकूला के पर्यटन स्थल मोरनी हिल्स में रविवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब स्कूली बच्चों से भरी बस ब्रेक फेल होने के कारण अनियंत्रित हो गई। हरियाणा के महेंद्रगढ़ और नारनौल से आए करीब 50 बच्चे एडवेंचर गतिविधियों के लिए मोरनी पहुंचे थे और सुबह पिंजौर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में बस के ब्रेक फेल हो गए। स्थिति को भांपते हुए ड्राइवर नरेंद्र पाल ने सूझबूझ दिखाते हुए बस को खाई की ओर जाने से बचाया और पहाड़ की तरफ मोड़ दिया, जिससे बस की रफ्तार कम हो गई और वह पहाड़ से टकराकर रुक गई। हादसे से पहले ही ड्राइवर ने बच्चों को सतर्क कर दिया था और उन्हें सीट या खिड़की को मजबूती से पकड़ने के लिए कहा। इस समझदारी के चलते बड़ा हादसा टल गया। इस घटना में करीब 20 बच्चों को मामूली चोटें आई हैं। सभी घायलों को तुरंत दूसरी बस से पंचकूला के सेक्टर-6 नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों के मुताबिक सभी बच्चे सुरक्षित हैं और उनकी हालत स्थिर है।

भाजपा आई तो मछली और अंडे खाने पर लगेगी रोक, बंगाल में रैली के दौरान ममता का दावा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव को लेकर सरगर्मी बढ़ी हुई है। इसी क्रम मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दावा किया है कि अगर राज्य में भारतीय जनता पार्टी सत्ता में आती है, तो लोगों को मछली और मांसाहार खाने से रोका जाएगा। बता दें कि बंगाल बड़ी मात्रा में लोग मछली और मांसाहार खाते हैं। सीएम ममता ने भाजपा पर आरोप लगाया कि केंद्र में बैठी पार्टी दंगा भड़काकर सत्ता हासिल करती है। चुनावी जनसभा में कार्यकताओं में जोश भरते हुए ममता बनर्जी ने भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि भाजपा शासित राज्यों में लोगों को मांस, मछली और अंडे खाने से रोका जाता है। उन्होंने कहा, भारतीय जनता पार्टी जिन राज्यों में शासन करती है, उनमें मछली नहीं खाई जाती है। ऐसे में अगर बंगाल में भाजपा की सरकार आती है, तो आप मांस या अंडे नहीं खा पाएंगे। भाजपा एकतरफा है, वह किसी भी धर्म में विश्वास नहीं करती है। इन राज्यों में बंगाली भाषी लोगों के ऊपर भी

हमले होते हैं। भाजपा पर दंगे भड़काकर सत्ता हासिल करने का आरोप लगाते हुए ममता ने जमकर खरी-खोटी सुनाई। उन्होंने कहा, यह लोग (भाजपा) दंगा भड़काते हैं। दंगे भड़काकर सत्ता में आते हैं, मतलब लोगों को मारकर सत्ता में आते हैं। भाजपा जिन राज्यों में शासन करती है, उन राज्यों में आदिवासियों और महिलाओं पर सबसे ज्यादा अत्याचार होता है। हमारे बंगाली भाषी लोगों पर अन्य राज्यों में हमले होते हैं। लेकिन हम ऐसा नहीं करते। हमारे राज्य में किसी पर भी अत्याचार नहीं होता है। देश में कहीं पर भी किसी को खाने-पीने की मनाही नहीं है। हां, कुछ जगहों पर, कुछ मंदिरों के आसपास राज्य सरकार द्वारा मांसाहार पर प्रतिबंध लगाया जाता है। लेकिन यह कभी भी बड़े स्तर पर नहीं हुआ। दूसरी तरफ जहां तक बंगाल की बात है, तो वहां पर मांसाहार का प्रचलन ज्यादा है। मछली खाना वहां पर एक पूरी पवित्र प्रणाली का हिस्सा है। ऐसे में भाजपा को एक हिंदूवादी पार्टी बताकर ममता बनर्जी वोटर्स को अपनी तरफ खींचने का प्रयास कर रही हैं। चुनावी रैलियों के दौरान लगभग सभी पार्टियां ऐसे बयान देती हुई नजर आती हैं।भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित किए गए चुनाव शेड्यूल के मुताबिक बंगाल में दो चरणों में प्रक्रिया संपन्न होगी।

गुजरात में नफरत का माहौल, दलितों और आदिवासियों पर अत्याचार लगातार बढ़े हैं: राहुल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को आरोप लगाया कि गुजरात में बीजेपी सरकार

के राज में दलित और आदिवासी समुदायों के खिलाफ नफरत, भेदभाव और अत्याचार का माहौल लगातार बढ़ता जा रहा है। लोकसभा में विपक्ष के नेता (एनओपी) ने 2016 के ऊना पिटाई कांड के पीड़ितों के साथ भी एकजुटता जाहिर की और कसम खाई कि जब तक उन्हें इंसाफ नहीं मिल जाता, तब तक वे उनकी आवाज उठाते रहेंगे। गांधी ने सोशल मीडिया पर ये बातें तब कहीं, जब उन्होंने गुजरात के दलित और आदिवासी समुदायों के प्रतिनिधियों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ अपनी हाल की बातचीत का एक वीडियो शेयर किया। इस प्रतिनिधिमंडल में ऊना घटना से प्रभावित लोग भी शामिल थे, जिसमें खुद को गौ-रक्षक कहने वालों ने चार युवकों को बेरहमी से पीटा था। वीडियो के साथ अपने पोस्ट में उन्होंने कहा, यह मुलाकात बहुत ही तकलीफदेह थी और इसने मुझे काफी सोचने पर मजबूर कर दिया। पिटाई की यह घटना 11 जुलाई, 2016 को गिर-सोमनाथ जिले के ऊना शहर के पास मोटा समधियाला गाँव में हुई थी। उस समय चार दलित युवक अपने पुश्तैनी काम के तहत एक गाय की खाल उतार रहे थे, जिसकी मौत उससे पहले किसी दूसरे गाँव में हो गई थी। आरोपियों, जो खुद को गौ-रक्षक कहते थे, ने उन युवकों को बेरहमी से पीटा। इसके बाद उन्हें गैर-कघनूनी तरीके से हवालात में डाल दिया गया और पुलिसवालों ने भी उनके साथ मारपीट की। गांधी ने अपने हिंदी पोस्ट में कहा, लगभग 10 साल पहले, ऊना की घटना ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया था। दलित युवकों को सरे आम नंगा करके बेरहमी से पीटा गया था। उस समय, मैं उनके परिवारों के साथ एकजुटता के साथ खड़ा था। उन्होंने कहा, लेकिन यह बेहद अफसोस की बात है कि एक दशक बीत जाने के बाद भी उन्हें अब तक इंसाफ नहीं मिला हैय उनके जख्म अभी भी हरे हैं, और इसके उलट, हालात और भी ज्यादा बिगड़ गए हैं। गांधी ने कहा, जब मैंने प्रतिनिधिमंडल की बातें सुनीं, तो यह साफ हो गया कि हालात सुधरने के बजाय और भी ज्यादा चिंताजनक हो गए हैं। एक व्यक्ति को इतनी बेरहमी से पीटा गया कि उसके शरीर में 19 जगह हड्डियाँ टूट गईं। एक दूसरे व्यक्ति के भाई को तो महज एक मनमानी के चलते जिंदा जला दिया गया।

महिलाओं के खाते में पैसे, 25 लाख का कैशलेस इलाज

असम चुनाव के लिए कांग्रेस ने 6 गारंटी का किया ऐलान

लखीमपुर (एजेंसी)। असम विधानसभा चुनाव 2026 के लिए कांग्रेस ने रविवार को 6 गारंटी का ऐलान किया है। कांग्रेस की ओर से पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने लखीमपुर में आयोजित एक चुनावी जनसभा में इन पांच गारंटी का ऐलान किया। कांग्रेस के 6 गांरटी में हर महिला के बैंक खाते में बिना शर्त मासिक नकद हस्तांतरण, हर परिवार को 25 लाख रुपए की कैशलेस हेल्थ कवर सहित अन्य बड़ी घोषणाएं की गई है। मालूम हो कि असम में दो टर्म से बीजेपी की सरकार है. यहां कांग्रेस की चुनौती की बीजेपी की हैट्रिक को रोकना है। असम विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की 6 गारंटी,हर महिला के बैंक खाते में बिना शर्त मासिक नकद हस्तांतरण।,इसके अलावा, व्यवसाय शुरू करने या बढ़ाने के लिए 50,000 की राशि।,हर परिवार को 25 लाख रुपए की कैशलेस हेल्थ कवर की गारंटी होगी।,मशहूर गायक, स्वर्गीय जूबिन गर्ग के मामले में 100 दिन में न्याय

दिलाया जाएगा। 10 लाख भूमिपुत्रों का पट्टा को मियादी पट्टा, हर महीने 1250 रुपए कांग्रेस सरकार देगी, इसके साथ ही एक अलग मंत्रालय बनेगा जो बुजुर्ग लोगों के मामलों को देखेगा। आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि बीजेपी और उसके सहयोगी दलों ने असम में करप्शन का जाल फैला दिया है- हर जगह सिर्फ रिश्वत की बातें हो रही हैं। बीजेपी कहती है- असम में डबल इंजन की सरकार है, लेकिन असलियत में ये डबल लूट की सरकार है। असम सीएम पर तीखा हमला करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, हिमंता बिस्वा सरमा असम के लोगों को डराता-धमकाता है।

अगले दो साल के भीतर मप्र में हवाई अड्डों की तादाद बढ़कर 10 हो जाएगी: सीएम यादव

इंदौर (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रविवार को कहा कि अगले दो साल के भीतर उज्जैन और शिवपुरी में नये हवाई अड्डों का निर्माण कार्य पूरा होते ही राज्य में हवाई अड्डों की कुल तादाद बढ़कर 10 पर पहुंच जाएगी। यादव इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर हवाई अड्डे पर नवीनीकृत टर्मिनल भवन, उड़ान यात्री कैफे और आधारभूत ढांचे के उन्नयन से जुड़ी अन्य सुविधाओं के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने वीडियो कॉन्फ्रेंस

के जरिये इन सुविधाओं का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री यादव ने लोकार्पण समारोह में बताया कि फिलहाल प्रदेश में आठ हवाई अड्डों के साथ ही 20 हवाई पट्टियां और 220 हेलीपैड हैं। उन्होंने कहा, उज्जैन और शिवपुरी में अगले दो साल के भीतर हवाई अड्डों का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। इससे सूबे में हवाई अड्डों की कुल तादाद बढ़कर 10 हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि शहडोल, नीमच, छिंदवाड़ा और मंडला की हवाई पट्टियों को क्षेत्रीय संपर्क योजना (रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम) के तहत हवाई अड्डे के तौर पर विकसित करने की योजना बनाई गई है।

बिहार बोर्ड ने कक्षा 10 का परिणाम घोषित किया, 81.79 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण

पटना (एजेंसी)। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने रविवार को कक्षा 10 का परिणाम घोषित कर दिया, जिसमें 81.79 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। राज्य के शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने कहा कि जमुई जिले की पुष्पांजलि कुमारी और वैशाली जिले की सबरीन परवीन ने 98.4 प्रतिशत अंक हासिल कर संयुक्त रूप से परीक्षा में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। परिणाम घोषित करते हुए मंत्री ने कहा कि कक्षा 10 और 12 के परिणाम मार्च में ही घोषित करने वाला बिहार एकमात्र राज्य है। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी के उपयोग से मूल्यांकन प्रक्रिया रिकॉर्ड 12 दिन में पूरी की गई। मंत्री ने संवाददाताओं से कहा, ष्परीक्षा में कुल 15,10,928 छात्र शामिल हुए, जिनमें से 81.79 प्रतिशत उत्तीर्ण हुए हैं। इस अवसर पर बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के अध्यक्ष आनंद किशोर भी मौजूद थे।

अखिलेश यादव ने पीएम मोदी की रैली पर कसा तंज, कहा, भीड़ जुटाने के लिए सरकारी संसाधनों का लेना पड़ा सहारा

दादरी (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी ने दादरी में समाजवादी समानता भाईचारा रैली के जरिए शक्ति प्रदर्शन किया, जहां पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए पीएम मोदी की रैलियों में भीड़ जुटाने के तौर-तरीकों से लेकर विकास के दावों तक कई सवाल खड़े किए। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि पीएम मोदी की रैली में भीड़ जुटाने के लिए सरकारी कर्मचारियों और संसाधनों का सहारा लेना पड़ा है। दादरी में आयोजित सपा की रैली में बड़ी संख्या में जुटे समर्थकों को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने मंच से कहा कि पूरे पंडाल में पार्टी के झंडे का लाल रंग

छाया हुआ दिख रहा है, जो कार्यकताओं के उत्साह का प्रतीक है। आयोजन को सफल बनाने के लिए उन्होंने सपा नेता राजकुमार भाटी की सराहना भी की। अपने संबोधन में उन्होंने बिना नाम लिए भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा की इस रैली की चर्चा ने विरोधियों को असहज कर दिया। उनका आरोप था कि इसी दबाव में विपक्षी दलों ने सपा की रैली से पहले अपनी रैली आयोजित की लेकिन वहां भीड़ स्वाभाविक नहीं थी बल्कि लोगों को जुटाया गया था। उन्होंने कहा कि आज के दौर में कैमरों से कुछ भी छिपा नहीं रह सकता और सच्चाई सामने आ ही जाती है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि खुद को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बताने वाले दल को रैली के लिए सरकारी संसाधनों और कर्मचारियों का सहारा लेना पड़ा।

गोडावण के संरक्षण के प्रयासों के लिए 2010 में गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री को पत्र लिखा था: जयराम रमेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने रविवार को कहा कि जून 2010 में तत्कालीन पर्यावरण मंत्री के रूप में उन्होंने उस समय गुजरात के मुख्यमंत्री रहे नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर कच्छ के घास के मैदानों में गोडावण (ग्रेट इंडियन बस्टर्ड) की संख्या बढ़ाने के लिए संरक्षण प्रयास करने का आान किया था। रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, गुजरात में गोडावण की सुरक्षा की पहल का पूरा श्रेय हमेशा की तरह प्रधानमंत्री को दिया जा रहा है। यह प्रचारित किया जा रहा है कि उनके मन में यह विचार 2011 में आया था।

उन्होंने कहा, महज ऐतिहासिक रुचि के विषय के तौर पर बताना चाहता हूं कि नौ जून 2010 को तत्कालीन केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री ने गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर कच्छ के घास के मैदानों में गोडावण की संख्या बढ़ाने के लिए संरक्षण प्रयास किए जाने का आान किया था। इससे जुड़े पेशेवर लोग यह पृष्ठभूमि जानते हैं। मई 2009 से जुलाई 2011 के बीच रमेश पर्यावरण मंत्री थे। उन्होंने कहा कि मार्च 1961 में भारत के महानतम पक्षी विज्ञानी सलीम अली ने इच्छा जताई थी कि गोडावण को राष्ट्रीय पक्षी घोषित किया जाए क्योंकि यह विलुप्ति के कगार पर था लेकिन दिसंबर 1963 में मैसूर के जयचामराजेंद्र वाडियार की अध्यक्षता वाले भारतीय वन्यजीव बोर्ड ने ऐतिहासिक, पौराणिक, धार्मिक और सांस्कृतिक कारणों से मोर को राष्ट्रीय पक्षी चुना था। रमेश ने 2010 में मोदी को लिखे अपने पत्र में कहा था, आप जानते हैं कि गोडावण अत्यधिक संकटग्रस्त प्रजाति है और गुजरात में कच्छ के घास के मैदान इस प्रजाति के पुनरुद्धार की संभावना वाले आखिरी बचे क्षेत्रों में से एक हैं। उन्होंने कहा था कि पक्षी विज्ञानी गोडावण के संरक्षण को शेरों और बाघों के संरक्षण के बराबर ही महत्वपूर्ण मानते हैं।

पीड़िता का गर्भपात कराने को कोर्ट से लेंगे अनुमति, फोटो दिखाते ही आरोपी को पहचाना

कानपुर। सैफई आयुर्विज्ञान विवि की जांच टीम ने मानसिक रूप से कमजोर पीड़िता के स्वास्थ्य को देखते हुए गर्भपात की सलाह दी है। पीड़िता ने आरोपी सफाई कर्मी को पहचान लिया है और अब कोर्ट के आदेश पर आगे की कार्रवाई होगी। इटावा जिले में आयुर्विज्ञान विवि के मानसिक रोग विभाग में बेसहारा महिला से हुए दुष्कर्म के मामले में पीड़िता के स्वास्थ्य की स्थिति को देखते हुए उसका गर्भपात कराने पर विचार किया जा रहा है। आयुर्विज्ञान विवि की जांच टीमों की रिपोर्ट में इस बात की सलाह दी गई है। अब कोर्ट में इसके लिए आवेदन दिया जाएगा। आयुर्विज्ञान विवि में शनिवार को कार्य परिषद की बैठक में 18 मार्च को संज्ञान में आए दुष्कर्म के मामले के लिए गठित की गई तीन जांच कमेटियों की रिपोर्ट पर चर्चा हुई। मेडिकल जांच टीम की रिपोर्ट के अनुसार, महिला 18 मार्च तक चार

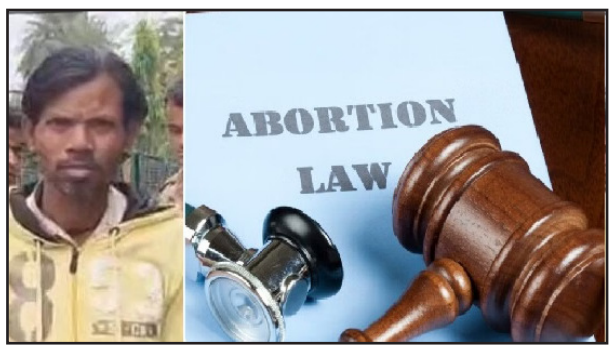

माह (16 सप्ताह) पांच दिन की गर्भवती होने की पुष्टि हुई है। वहीं उसकी उम्र लगभग 35 वर्ष बताई गई है। जांच रिपोर्ट में महिला के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का हवाला देकर उसका गर्भपात कराने की भी सलाह दी गई है। इसे लेकर कार्य परिषद की बैठक में भी चर्चा हुई है। बैठक में निर्णय लिया गया है कि इसका आवेदन कोर्ट में दिया जाए। कोर्ट के आदेशानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। पूरी वीडियो रिकॉर्डिंग करने के निर्देश दिए बैठक में अभी तक की गई कार्रवाइयों के बारे में जानकारी ली गई। बैठक में लीगल सदस्य को शामिल करने की सलाह दी गई। इस पर विवि प्रबंधन ने बताया कि हाईकोर्ट के लीगल एडवाइजर उनके साथ पहले से ही इस कमेटी हैं। आगे जांच को जारी रखने के लिए सीएमएस प्रो. डॉ. एसपी सिंह को जांच अधिकारी और प्रस्तुतकर्ता अधिकारी राजकुमार सचवानी को नियुक्त किया गया है। कमेटी ने आगे की पूरी विभागीय जांच व कार्रवाई की पूरी वीडियो रिकॉर्डिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। फोटो दिखाते ही आरोपी सफाई कर्मी को पहचानी पीड़िता सैफई पुलिस भी इस मामले की जांच कर रही है। शुक्रवार को कानपुर से बुलाई गईं 40 साल की अनुभवी अनुवादक के सहारे पीड़िता 164 के बयान कोर्ट कराए गए हैं। सुबह से शाम तक बयान दर्ज करने का सिलसिला चला। पीड़िता ने आरोपी का फोटो देखते हुए उसे पहचान लिया। इशारे से तीन अंगुलियां उठाकर रोते हुए बताया कि उसके साथ सफाई कर्मी ने तीन बार गंदा काम किया। 38 प्रतिशत निकाला आईक्यू लेवल आयुर्विज्ञान विवि की दुष्कर्म पीड़िता के आईक्यू लेवल की भी जांच कराई गई है। इसमें उसका आईक्यू लेवल 38 प्रतिशत पाया गया है। विशेषज्ञों के अनुसार, एक सामान्य व्यक्ति का आईक्यू लेवल 75 प्रतिशत होता है। ऐसे में पीड़िता का आईक्यू लेवल सामान्य से लगभग आधा निकला है। यह है मामला आयुर्विज्ञान विवि के मानसिक विभाग में भर्ती एक बेसहारा महिला के साथ दुष्कर्म की सूचना 18 मार्च को विभागाध्यक्ष एके मिश्रा ने उच्चाधिकारियों ने दी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए 19 को विभागाध्यक्ष की तहरीर पर थाना सैफई में उसकी प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। आनन-फानन में विवि प्रबंधन ने विभागाध्यक्ष समेत पूरे विभाग के लोगों को विभाग से हटा दिया गया था। 19 को पुलिस ने आरोपी रविंद्र वाल्मीकि को गिरफ्तार कर लिया था। जांच के लिए उसका डीएनए सैंपल आगरा के फॉरेंसिक लैब भेजा गया है। आयुर्विज्ञान विवि ने इस मामले की जांच के लिए नौ सदस्यीय जांच टीम, आंतरिक टीम और एक स्वास्थ्य जांच टीम गठित की थी। जांच के लिए तीन टीमें गठित की गई थीं। सभी ने अपनी रिपोर्ट दे दी है। कार्य परिषद की बैठक में इन पर चर्चा हुई थी। महिला के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उसके गर्भपात (अबॉर्शन) को लेकर भी विचार किया जा रहा है। आगे की कार्रवाई कोर्ट के आदेश पर की जाएगी।

2026 तक प्रत्येक बुधवार एवं रविवार को 29 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकाल के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त सुविधा हेतु 05101/05102 गोरखपुर-नई दिल्ली-गोरखपुर ग्रीष्मकालीन द्विसाप्ताहिक विशेष गाड़ी का संचलन गोरखपुर से 07 अप्रैल से 14 जुलाई, 2026 तक प्रत्येक मंगलवार एवं शनिवार को तथा नई दिल्ली से 08 अप्रैल से 15 जुलाई, 2026 तक प्रत्येक बुधवार एवं रविवार को 29 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05101 गोरखपुर-नई दिल्ली ग्रीष्मकालीन द्विसाप्ताहिक विशेष गाड़ी 07 अप्रैल से 14 जुलाई, 2026 तक प्रत्येक मंगलवार एवं शनिवार को गोरखपुर से 16.00 बजे प्रस्थान कर आनन्द नगर से 17.02 बजे, सिद्धार्थनगर से 17.30 बजे, बढ़नी से 18.02 बजे, तुलसीपुर से 18.50 बजे, बलरामपुर से 19.37 बजे, गोंडा से 20.30 बजे, सीतापुर से 23.55 बजे, दूसरे दिन शाहजहाँपुर से 01.27 बजे, बरेली से 02.50 बजे, मुरादाबाद से 04.30 बजे तथा गाजियाबाद से 06.50 बजे छूटकर नई दिल्ली 07.30 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 05102 नई दिल्ली-गोरखपुर ग्रीष्मकालीन द्विसाप्ताहिक विशेष गाड़ी 08 अप्रैल से 15 जुलाई, 2026 तक प्रत्येक बुधवार एवं रविवार को नई दिल्ली से 09.45 बजे प्रस्थान कर गाजियाबाद से 10.32 बजे, मुरादाबाद से 13.00 बजे, बरेली से 14.47 बजे, शाहजहाँपुर से 16.10 बजे, सीतापुर से 17.50 बजे, गोंडा से 21.10 बजे, बलरामपुर से 21.42 बजे, तुलसीपुर से 22.10 बजे, बढ़नी से 22.37 बजे, सिद्धार्थनगर से 23.17 बजे तथा आनन्द नगर से 23.57 बजे छूटकर दूसरे दिन गोरखपुर 01.00 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में जनरेटर सह लगेज यान का 01, एल.एस.एल.आर.डी. का 01, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04, शयनयान श्रेणी के 04 तथा वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी के 12 कोचों सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुये आम जनता एवं बच्चों की सुविधा हेतु इसके खुलने एवं बन्द होने के समय में परिवर्तन किया गया है

गोरखपुर, : पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन द्वारा स्थापित गोरखपुर स्थित रेल म्यूजियम सह हेरिटेज प्लाजा आम जनता का मनोरंजन करने के साथ रेल के इतिहास के सम्बन्ध में ज्ञानवर्धन करता है। ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुये आम जनता एवं बच्चों की सुविधा हेतु इसके खुलने एवं बन्द होने के समय में परिवर्तन किया गया है। गोरखपुर स्थित रेल म्यूजियम सह हेरिटेज प्लाजा परिवर्तित समयानुसार 01 अप्रैल, 2026 से अपराह्न 02.00 बजे से रात्रि 09.00 तक खुलेगा। इसमें प्रवेश हेतु टिकट बुकिंग का समय रात्रि 08.30 बजे तक रहेगा तथा गेट बन्द होने का समय रात्रि 09.00 बजे तक होगा। रेल म्यूजियम पूर्व की भाँति सोमवार के दिन बन्द रहेगा।

अज्ञात वाहन ने मोपेड को मारी टक्कर पेट्रोल भरवाने निकले वृद्ध की मौत

कानपुर। सजेती में पेट्रोल भरवाने जा रहे वृद्ध की मोपेड को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कानपुर के घाटमपुर में सजेती थाना क्षेत्र के कुआं खेड़ा गांव के पास रविवार की सुबह अज्ञात वाहन वृद्ध की मोपेड में टक्कर मार दी। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने घायल वृद्ध को सीएचसी पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने उनको मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। ग्राम कुआं खेड़ा निवासी रामकिशोर (65) कबाड़ का काम करते थे। वह अपनी मोपेड से गांवों में जाकर कबाड़ खरीदते थे। सुबह वह अपनी मोपेड में पेट्रोल डलवाने के लिए घर से निकले थे। जैसे ही वह कुआं खेड़ा गांव के पास कैथा चौराहे पर पहुंचे। तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और एम्बुलेंस की सहायता से घायल वृद्ध को तत्काल घाटमपुर सीएचसी लेकर पहुंची। यहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की छानबीन शुरू कर दी है। इस घटना के बाद से मृतक के परिवार में शोक की लहर दौड़ गई है।

वैन और बाइक की जोदरदार भिड़ंत, तीन लोगों की मौत, एक की हालत गंभीर

हरदोई। सवायजपुर में वैन और बाइक की टक्कर में तीन युवकों की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हरदोई जिले के सवायजपुर कोतवाली क्षेत्र में रविवार को तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। इसमें एक वैन और बाइक मेंआमने-सामने की भीषण टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार चार युवकों में से तीन की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि टक्कर के बाद बाइक के परखच्चे उड़ गए। एक अन्य युवक को गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

40 लोग घायल 4 गंभीर, अयोध्या से बलिया जा रहे थे सभी

मऊ। सड़क हादसे की सूचना मिलते ही हलधरपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई। स्थानीय लोगों ने बचाव कार्य शुरू कर दिया था। पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजा, जहां से चार लोगों को

अन्यत्र रेफर कर दिया गया। बस में 65 श्रद्धालु सवार थे। हलधरपुर थाना क्षेत्र के रतनपुरा के पास मुबारकपुर में बीती रात करीब 12:30 बजे अयोध्या से बलिया जा रही श्रद्धालुओं की बस के चालक को झपकी आने से पीपल के पेड़ से टकरा गई। हादसे में 40 लोग घायल हो गए। 27 घायलों को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चार की हालत गंभीर बनी है। जानकारी के मुताबिक बीते दिनों बलिया से श्रद्धालु निजी बस यूपी 70 सिटी 5763 से अयोध्या में आयोजित लक्ष्मी नारायण महायज्ञ में शामिल होने के लिए कुल 65 लोग गए थे। कार्यक्रम के समापन के बाद सभी बस से वापस बलिया आ रहे थे। अभी हलधरपुर क्षेत्र के मुबारकपुर के पास पहुंचे थे कि बीती रात चालक को झपकी आने से सड़क किनारे स्थित पीपल के पेड़ में बस की टक्कर हो गई। बस में सवार 40 लोग घायल हो गए। सभी घायलों को रतनपुरा सीएससी पर लाया गया। ये हुए घायल गंभीर रूप से घायल बलिया जनपद के अर्जुन पासवान (10) निवासी उग्रसेनपुर, शारदा (65) निवासी बेडुआ, सुजीत कुमार (40) निवासी राजेंद्र नगर, राज बिहारी वर्मा (56) निवासी हुसैनपुर, रिंकू देवी (34) निवासी बांसडीह, शिवचंद (60) निवासी ओझा कछुआ, आयुष (11) निवासी ओझा कछुआ, निर्मला देवी (38) निवासी उग्रसेनपुर, शांति पासवान (50) निवासी उग्रसेनपुर, ईशा वर्मा (17) निवासी उग्रसेनपुर, भोलू शाह 46 निवासी बेडुआ, बजरंग (40) निवासी हरपुर खरसरा, रानी (18) निवासी उग्रसेनपुर, आशा देवी (45) निवासी ओझा कछुआ, अशोक वर्मा (45) निवासी ओझा कछुआ, अंकित (5) निवासी उग्रसेनपुर, प्रदीप (9) निवासी उग्रसेनपुर, संदीप वर्मा (6) निवासी उग्रसेनपुर, मीरा (42) निवासी ओझा कछुआ, राधिका वर्मा (28) निवासी शाहपुर, अभिषेक यादव (16) निवासी पकड़ी, निर्मला (40) निवासी ओझा कछुआ, सुगंधा (34) निवासी ओझा कछुआ, किशन दयाल वर्मा (40) निवासी रायपूरा, भागीरथी (58) निवासी रायपुरा, आनंद (6) निवासी उग्रसेनपुर को एंबुलेंस की मदद से जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। चार घायलों को परिजनों ने निजी अस्पताल में भर्ती कराया। बस में कुल 65 लोग सवार थे। 27 घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कर उपचार दिया गया है। हादसा चालक को झपकी आने से हुआ है, कोई भी गंभीर नहीं है। - अंजनी कुमार पांडेय क्षेत्राधिकारी, मधुबन 7 मिनट 45 सेकंड में एंबुलेंस ने दिया रिस्पांस, नौ एंबुलेंस से घायलों को लाया गया जिला अस्पताल श्रद्धालुओं से भरी बस मुबारकपुर में पेड़ से टकराने के बाद देर रात करीब 01:01 बजे एंबुलेंस सेवा प्रदाता कंपनी को घटना की जानकारी दी गई। प्रोग्राम मैनेजर मजहर हुसैन ने बताया कि सूचना मिलने के 7 मिनट 45 सेकंड और मौके पर 102 की चार एंबुलेंस और 108 की पांच एम्बुलेंस पहुंच गई।

माफिया मुख्तार पर हमले में पूर्व एमएलसी बृजेश सहित पांच आरोपी दोषमुक्त

वाराणसी। मिजार्पुर जेल में बंद त्रिभुवन सिंह और वाराणसी जेल में बंद अजय सिंह को पुलिस सुरक्षा के बीच कोर्ट में पेश किया गया था। आरोपियों पर 22 साल पहले मुख्तार व उसके परिवार पर फायरिंग का आरोप लगा था। 22 साल पहले माफिया और मऊ सदर विधानसभा क्षेत्र से विधायक मुख्तार अंसारी पर जानलेवा हमले के मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश हरबंस नारायण ने पूर्व एमएलसी बृजेश सिंह, त्रिभुवन सिंह, आनंद राय, सुनील राय और अजय सिंह को दोषमुक्त कर दिया। कृष्णानंद राय की मौत हो चुकी है। उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। कोर्ट ने देर शाम करीब 6:30 बजे आरोपियों को बरी करते हुए कहा की अभियोजन आरोपियों के खिलाफ आरोपों को साबित नहीं कर पाया। ऐसे में आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त किया जाता है। इससे पहले बृजेश सिंह, आनंद राय और सुनील राय कोर्ट में

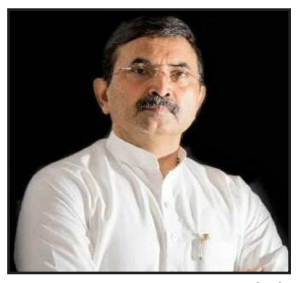

हाजिर हुए जबकि अन्य मामले में मिजार्पुर जेल में बंद त्रिभुवन सिंह और वाराणसी जेल में बंद अजय सिंह को पुलिस सुरक्षा के बीच कोर्ट में पेश किया गया। ताबड़तोड़ फायरिंग हुई थी पत्रावली के अनुसार मऊ के विधायक मुख्तार अंसारी ने कैंट थाने में 13 जनवरी 2004 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। एफआईआर के जरिये उन्होंने बताया था कि वह परिवार के साथ कार से जा रहे थे। लखनऊ के कैंटोमेंट चौराहे पर जैसे पहुंचे वहां पहले से मौजूद विधायक कृष्णानंद राय रायफल, त्रिभुवन सिंह एके 47, बृजेश सिंह एसएलआर और अजय सिंह पिस्टल लेकर अपनी कार से उतरे और उनकी गाड़ी पर ताबड़तोड़ फायरिंग करने लगे। आरोपियों के ललकारने पर उनके गिरोह के अन्य लोग भी फायरिंग करने लगे। मुख्तार ने बताया था कि घटना में डर के कारण वह और परिवार के लोग बचने के लिए गाड़ियों से कूदकर छिप गए थे जबकि दूसरी गाड़ी में बैठे मुख्तार के चचेरे भाई गौस मोहिउद्दीन, अफरोज खान, सलीम समेत अन्य लोगों ने गाड़ियों की फॉग लाइट की रोशनी में आरोपियों को पहचान लिया था। लगी थी फाइनल रिपोर्ट इस हमले में मुख्तार की दो गाड़ियों में गोली धंस गई थी। वहीं, इसी घटना को लेकर मोहम्मदाबाद के तत्कालीन विधायक कृष्णानंद राय ने भी मुख्तार अंसारी के खिलाफ कैंट थाने में उसी दिन हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने विवेचना के बाद सबसे पहले कृष्णानंद राय, आनंद राय और सुनील राय के खिलाफ 29 अप्रैल 2004 को चार्जशीट लगाई थी। बाद में एक दिसंबर 2006 को बृजेश सिंह, त्रिभुवन सिंह, आनंद राय, सुनील राय और अजय सिंह के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। वहीं, पुलिस ने कृष्णानंद राय की तरफ से दर्ज कराए गए मामले में फाइनल रिपोर्ट लगा दी थी। 22 साल बाद न्याय मिला है। न्यायपालिका पर भरोसा था। झूठे मामले में फंसाया गया था।

आगे चल रहे कंटेनर में पीछे से दूसरे कंटेनर की टक्कर दो लोगों की मौत

वाराणसी। सड़क हादसे की सूचना पाकर मौके पर ड्रमंडगंज थाने की पुलिस भी पहुंच गई। स्थानीय लोगों की सहायता से घायलों को अस्पताल भेज दिया गया। यहां चिकित्सकों ने दो लोगों को मृत घोषित कर दिया। वहीं, घायलों का इलाज शुरू कर दिया गया था। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के रीवाझमिजार्पुर हाईवे पर स्थित ड्रमंडगंज घाटी के बड़का मोड़ पर शनिवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। ब्रेक फेल होने से अनियंत्रित कंटेनर ने आगे चल रहे दूसरे कंटेनर में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में पीछे वाले कंटेनर के चालक समेत दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक सवार दो सगे भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, रामपुर जिले के निउसी, मिलक निवासी चालक अरविंद कुमार (36) अपने साथी चालक लालता यादव (50), निवासी खुंटिया, चंदौली के साथ कोल्ड ड्रिंक से लदा कंटेनर लेकर रीवाझमिजार्पुर हाईवे से गुजर रहे थे। शनिवार रात करीब दस बजे जब उनका कंटेनर ड्रमंडगंज घाटी से नीचे उतर रहा था, तभी अचानक वाहन का ब्रेक फेल हो गया। चालक ने वाहन को नियंत्रित करने की काफी कोशिश की, लेकिन

कंटेनर अनियंत्रित हो गया और आगे चल रहे दूसरे कंटेनर में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। परिजनों में मचा कोहराम टक्कर इतनी भीषण थी कि कंटेनर के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार दोनों चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर ही अरविंद कुमार और लालता यादव ने दम तोड़ दिया। वहीं, इसी दौरान उसी स्थान से गुजर रहे बाइक सवार दो सगे भाई अजय और विजय, निवासी सुभाष नगर, ऊंज, भदोही, भी हादसे की चपेट में आ गए। कंटेनर की टक्कर से उनकी बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई और दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद घाटी क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। घायलों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही ड्रमंडगंज थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने गंभीर रूप से घायल दोनों भाइयों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालगंज भेजवाया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

संक्षिप्त खबरें

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए टीकाकरण का शुभारंभ सुरक्षित होंगी बेटियां

बस्ती। बेटियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए शनिवार से टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अभियान के दौरान किशोरियों का टीकाकरण किया जाएगा। यह अभियान तीन महीने तक सभी सीएचसी व जिला महिला चिकित्सालय में चलेगा। स्वास्थ्य विभाग ने किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर) से बचाने के लिए टीकाकरण अभियान की शुरूआत की है। नगर पालिका परिषद अध्यक्ष नेहा वर्मा ने फीता काटकर कार्यक्रम की शुरूआत की। उसके बाद एएनएम वेदांती ने पठानटोला की रहने वाली 14 वर्षीय सोनाली को पहला टीका लगाया। यह टीका महिला अस्पताल के अलावा कैली अस्पताल के साथ ही जिन सीएचसी व पीएचसी पर कोल्डचेन बने हैं, वहीं लगाए जाएंगे। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. एके चौधरी ने कहा कि बेटियों में सर्वाइकल कैंसर के रोकथाम के लिए टीकाकरण बहुत ही जरूरी है। 14 साल की बेटियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए टीकाकरण किया जाना है। जिससे उन्हें सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय कैंसर) से बचाया जा सके। यह उम्र बेटियों के एक्सप्रोजर का होता है। इसलिए इस उम्र में वैक्सीनेशन करना महत्वपूर्ण होता है। इससे वह सर्वाइकल कैंसर से पूरी तरह सुरक्षित हो जाएंगी। बताया कि जिले की आबादी 30 लाख है। एक प्रतिशत बेटियों को इस टीके से अच्छादित करना है। उसके बाद यह टीका नियमित टीकाकरण के रूप में शामिल होगा, जिसमें छूटी हुई बेटियों को लगेगा। सीएमएस डॉ. अनिल कुमार, अर्बन हेल्थ कोआर्डिनेटर सचिन चौरसिया, हरेंद्र मिश्रा, सुरेंद्र शुक्ल, दिनकर पर्वत, मनीष श्रीवास्तव, यूनीसेफ की नीलम यादव, अनुराधा सिंह, शशि मिश्रा, प्रवेश, ऊषा सिंह मौजूद रहे।

भंडारगृह की निगरानी नहीं गायब हो रहे बिजली के तार और महंगे उपकरण

बस्ती। विद्युत निगम के भंडारगृह की निगरानी राम भरोसे होकर रह गई है। निगम के मुख्य भंडार गृह से लेकर परीक्षण अनुभाग के भंडारगृह की सुरक्षा रसूखदार बाबुओं के भरोसे छोड़ दी गई है। विभागीय सूत्रों के अनुसार जिम्मेदार अधिकारी भंडारगृह में सामग्रियों के सत्यापन भी नियमित नहीं करते हैं। इसी वजह से मनमाने ढंग से सामग्रियों की निकासी हो रहे हैं। ठेकेदार सेटिंग के जरिये इंडेंट बनवाकर बल्क में महंगे विद्युत उपकरणों की निकासी करवा रहे हैं। इसे साइट पर पहुंचाने के बजाय निजी अड्डों पर डंप किया जा रहा है। बाद इन सामग्रियों की कालाबाजारी कर दी जा रही है। इस तरह के कई मामले पकड़ में भी आ चुके हैं। विभागीय जानकार बताते हैं जिम्मेदारों की मिलीभगत से ही विद्युत उपकरणों की बल्क में निकासी होती है। जरूरत से दोगुने सामान का एस्टीमेट तैयार होता है। इसी आधार पर इंडेंट तैयार कर सामग्रियों की निकासी कर ली जाती है। बाद में बचे हुए सामग्रियों की खेप बेचकर बंटवारा होता है। अंदरखाने की खबर हैं कि भंडारगृह में दस साल से अधिक समय से बाबुओं की तैनाती है। जिन्हें जिम्मेदार अफसरों ने प्रभारी का जिम्मा भी सौंप दिया है। स्थानांतरण होने के बाद भी कई बाबू अपनी सेटिंग के चलते रिलीव न होकर लंबे समय से एक ही पटल पर जमे हुए हैं।

1.39 करोड़ से शिवमंदिर परिसर का होगा विकास

बस्ती। नगर पंचायत नगर के महादेव मंदिर परिसर को विकसित किया जाएगा। शासन ने वंदन योजना में इसकी स्वीकृति दी है। ईओ ने बताया कि नगर कप्तानगंज मार्ग पर स्थित पौराणिक शिव मंदिर परिसर में महाशिवरात्रि पर भव्य मेला लगता है। आस्था के महापर्व पर यहां पूरे जिले से लोग जलाभिषेक करने आते हैं। शासन ने 1.39 करोड़ लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की है। इससे पूर्व श्री दुर्गा मंदिर, दुर्गा मंदिर हरनखा, ऐतिहासिक स्थल राजकोट, अमर शहीद राजा उदय प्रताप सिंह प्रतिमा स्थल विकास किया जा चुका है।

मारपीट के मामले में चार लोगों पर एफआईआर

बस्ती। पैकोलिया पुलिस ने मारपीट के मामले में चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। थाना क्षेत्र के कुर्दा गांव के राम सिंह ने तहरीर देकर बताया कि पुरानी रंजिश को लेकर विपक्षीगण उन्हें गाली-गलौज देने के बाद मारे पीटे। इसके बाद उन्हें जानमाल की धमकी भी दी जा रही है। पुलिस ने गांव के ही रामजीत, संजीत, रवि, शिवम के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मारपीट के आरोप में पांच लोगों पर प्राथमिकी दर्ज

बस्ती। मुंडेरवा पुलिस ने घर पर धावा बोलकर मारने पीटने के मामले में तीन नामजद और दो अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। थाना क्षेत्र के गरवाह गांव के रहने वाले अंबिका प्रसाद दुबे ने तहरीर देकर बताया कि 16 मार्च को उनके गांव के विपक्षीगण एक राय व गोलबंद होकर लाठी-डंडा व रॉड लेकर उसके घर पर गालियां देते हुए पहुंच गए। घर पर मौजूद उनके भाई जगदंबिका दुबे को सभी पीटने लगे। पुलिस ने गांव के सर्वेश, बीरभद्र तिवारी, दुर्गेश दूबे एवं दो अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

हादसे में बुजुर्ग की मौत के मामलों में दर्ज हुई प्राथमिकी

बहादुरपुर। लुंबिनी-दुद्धी मार्ग पर कलवारी थाना क्षेत्र के शिव चौराहे पर दुर्घटना में घायल बुजुर्ग के मौत मामले में पुलिस ने मृतक की पत्नी के तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज किया है। पुलिस को दिए तहरीर में कपुरा देवी निवासिनी सरैया बुजुर्ग थाना कलवारी ने बताया कि मंगलवार शाम को उसके पति कुसौरा बाजार से घर जा रहे थे। शिव चौराहे के पास पहुंचे थे कि लापरवाही पूर्वक बाइक चलाते हुए एक व्यक्ति ने टक्कर मार दी थी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उसी दिन इलाज के दौरान मौत हो गई। प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर अज्ञात चालक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही है।

फर्म के खाते से जालसाज ने उड़ाया 25 लाख, प्राथमिकी

बस्ती। शहर के एक व्यवसायी के फर्म के खाते से 25 लाख रुपये उड़ाने का मामला सामने आया है। कोतवाली पुलिस ने व्यवसायी की तहरीर पर धोखाधड़ी से रुपये हड़पने की प्राथमिकी दर्ज की है। कोतवाली क्षेत्र के कृष्णा मेडिकल एजेंसी के प्रोपराइटर राधेश्याम शुक्ल ने तहरीर देकर बताया कि उनके फर्म का अकाउंट आईसीआईसीआई बैंक में है। 25 फरवरी को दिन 11:47 बजे उनके मोबाइल पर बैंक से बैलेंस का मैसेज आया। इसके कुछ देर बाद बैंक से ही दोबारा मैसेज आया कि खाता संचालक का सिग्नेचर डिफर है। इसके बाद उन्हें पता चला कि उनके फर्म अकाउंट के चेक संख्या 175 को किसी अज्ञात व्यक्ति ने चोरी करके फर्जी तरीके हस्ताक्षर बनाकर 25 लाख रुपये का भुगतान करा लिया।

गणेशगंज नाका बाजार इकाई के पदाधिकारियों का लखनऊ गौरव सम्मान

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल, गणेशगंज नाका बाजार इकाई के तत्वाधान में शनिवार देर शाम होली मिलन एवं ईद मिलन समारोह का कार्यक्रम नाका चौराहा पर स्थित ए एन आर होटल में आयोजित हुआ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता मौजूद रहे तथा इस अवसर पर बोलते हुए उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा होली का त्योहार अधर्म पर धर्म की जीत का संदेश देता है तथा ईद 30 दिन तक मुस्लिम भाइयों के रोजा रखने पर अल्लाह की तरफ से इनाम है उन्होंने कहा दोनों ही त्यौहार एकता एवं भाईचारे का संदेश देते हैं। उन्होंने कहा समाज में एकता और भाईचारा बढ़ाने से सभी वर्गों की तरक्की होगी। उन्होंने उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल की गणेश गंज ,नाका इकाई के सभी पदाधिकारियो का इस प्रकार के आयोजन करने पर बधाई दी उन्होंने कहा ये आयोजन लखनऊ की गंगा जमुनी तहजीब और संस्कृति को बढ़ावा देने वाला है तथा इस प्रकार के कार्यक्रमों से आपसी भाईचारा बढ़ता है उन्होंने सभी से एकजुट होकर संगठन को, समाज को एवं देश को प्रगति के रास्ते पर ले चलने का आवाह्न किया इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल गणेशगंज नाका बाजार इकाई के पदाधिकारियो को ष्लखनऊ गौरव सम्मानष्से सम्मानित किया

बीआईएमआर में बिना चीर-फाड़ ब्रेन एन्यूरिज्म का सफल इलाज

ग्वालियर। शहर के बीआईएमआर अस्पताल में न्यूरो उपचार के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई है। अस्पताल के इंटरवेंशन न्यूरोलॉजिस्ट एवं स्ट्रोक विशेषज्ञ डॉ. सौरभ गुप्ता और उनकी टीम ने स्टेंट असिस्टेड कॉइलिंग तकनीक के माध्यम से 45 वर्षीय महिला मरीज का सफल उपचार कर उसे नया जीवन दिया। मरीज को अचानक तेज सिरदर्द और बेहोशी की स्थिति में अस्पताल लाया गया था। जांच में मस्तिष्क रक्तस्राव की पुष्टि हुई, जिसके बाद उन्नत एंजियोग्राफी जांच में मस्तिष्क की धमनी में फटे हुए एन्यूरिज्म का पता चला। स्थिति गंभीर होने के बावजूद चिकित्सकों ने बिना बड़े ऑपरेशन के अत्याधुनिक तकनीक अपनाई। करीब तीन घंटे चली इस जटिल प्रक्रिया में स्टेंट असिस्टेड कॉइलिंग के जरिए एन्यूरिज्म को सुरक्षित रूप से बंद किया गया। यह पूरी प्रक्रिया बिना चीर-फाड़ के की गई, जिससे मरीज को कम तकलीफ हुई और शीघ्र लाभ मिला। उपचार के बाद मात्र चार दिन में मरीज को पूर्णत: स्वस्थ अवस्था में छुट्टी दे दी गई।

योग कार्यक्रम में लिया स्वस्थ जीवन का संकल्प

ग्वालियर। माधव विधि महाविद्यालय में शनिवार को विशेष योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. नीति पांडेय की अध्यक्षता में संपन्न हुआ, जबकि संचालन खेल अधिकारी हितेश नाइक ने किया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन और प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लेते हुए योग के जरिए शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाने की दिशा में जागरूकता दिखाई। प्राचार्य डॉ. नीति पांडेय ने अपने संबोधन में कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो शरीर को स्वस्थ और मन को शांत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

'मोती महल की रागमाला' पुस्तक का लोकार्पण

ग्वालियर। ग्वालियर में एक गरिमामय एवं भव्य समारोह के दौरान प्रसिद्ध लेखक डॉ. नर्मदाप्रसाद उपाध्याय की बहुप्रतीक्षित पुस्तक 'मोती महल की रागमाला' का लोकार्पण किया गया। यह पुस्तक आईसेक्ट पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित की गई है। यह पुस्तक मोती महल की अद्वितीय चित्रकला पर आधारित है, जिसमें ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को अत्यंत सुंदरता एवं शोधपरक दृष्टि के साथ प्रस्तुत किया गया है। पुस्तक में ग्वालियर के वरिष्ठ छायाकार केदार जैन तथा आयुष जैन द्वारा संकलित दुर्लभ चित्रों को विशेष स्थान दिया गया है। यह पुस्तक ग्वालियर की कला, संगीत और इतिहास की परंपरा को नए आयाम के साथ प्रस्तुत करती है और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक अमूल्य धरोहर सिद्ध होगी।

पायलट बनने पर गौरव का क्षत्रिय महासभा ने किया स्वागत

ग्वालियर। शहर के होनहार युवा गौरव भदौरिया के इंडिगो एयरलाइंस में पायलट के रूप में चयन होने पर क्षत्रिय महासभा में हर्ष का माहौल है। इस उपलब्धि पर संभागीय अध्यक्ष रणवीर सिंह सिकरवार ने टीम सहित उनके निवास पहुंचकर पुष्पहार पहनाकर भव्य स्वागत किया और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। गौरव भदौरिया, राजेंद्र सिंह भदौरिया के सुपुत्र हैं। बधाई देने वालो में भंवर सिंह जादौन, बलबीर सिंह परमार, कोतवाल सिंह भदौरिया, लाखन सिंह आदि शामिल रहे।

दृष्टिहीन बालिकाओं को भोजन का वितरण किया

ग्वालियर। आज आत्म ज्योति आश्रम में श्री खंडेलवाल वैश्य धर्मशाला निर्माण समिति द्वारा एक सराहनीय सामाजिक सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर आश्रम में निवासरत दृष्टिहीन बालिकाओं के बीच प्रेमपूर्वक बैठकर भोजन और मिठाई का वितरण किया गया। यह आयोजन केवल भोजन वितरण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सेवा, संवेदना और अपनत्व का एक सुंदर उदाहरण भी बना। कार्यक्रम में मुख्य रूप से खंडेलवाल समाज के अध्यक्ष लवी प्रकाश खंडेलवाल, चंद्र प्रकाश खंडेलवाल, सतीश खंडेलवाल, दीपक खंडेलवाल आदि उपस्थित रहे।

जिला अस्पताल में घर से चादर लाने को मजबूर मरीज

अव्यवस्थाओं से जूझ रहा अस्पताल, शिकायतों के बाद भी कार्रवाई नहीं

ग्वालियर

जिला अस्पताल मुरार इन दिनों अपनी अव्यवस्थाओं को लेकर लगातार चर्चाओं में बना हुआ है। हालात यह है कि यहां भर्ती मरीजों को इलाज के साथ-साथ बुनियादी सुविधाओं के लिए भी परेशान होना पड़ता है। अस्पताल में न तो पर्याप्त साफ-सफाई है और न ही मरीजों को गद्दों पर बिछाने के लिए चादरें उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे उन्हें मजबूरन अपने घर से चादर लानी पड़ रही है। जानकारी के अनुसार जिला अस्पताल का विस्तार करते हुए 300 पलंग कर कर दिया गया है। लेकिन वर्तमान में अस्पताल पूरी क्षमता के साथ संचालित नहीं हो रहा है। इतना ही नहीं वार्डों में भर्ती मरीजों को चादर तक उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं। मरीज व उनके परिजन जब नर्सिंग स्टाफ से चादर की मांग करते हैं, तो उन्हें मना कर दिया जाता है। ऐसे में मरीजों के परिजन घर से चादर लाकर काम चलाते हैं। इतना ही नहीं इन अव्यवस्थाओं से

जिम्मेदार अधिकारी पूरी तरह अवगत हैं। मरीज और उनके परिजन कई बार शिकायत कर चुके हैं। पिछले माह ही एडीएम द्वारा किए गए औचक निरीक्षण में भी अस्पताल की बदहाल स्थिति उजागर हुई थी। इसके अलावा सिविल सर्जन डॉ. आर.के. शर्मा को भी निरीक्षण के दौरान कई खामियां मिलीं, लेकिन इसके बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

निरीक्षण से पहले चमकता है अस्पताल

जिला अस्पताल मुरार में निरीक्षण से पहले व्यवस्थाएं अचानक दुरुस्त कर दी जाती हैं। जैसे ही किसी जनप्रतिनिधि या अधिकारी के आने की सूचना मिलती है, अस्पताल प्रबंधन सक्रिय हो जाता है। वार्डों की सफाई, फर्श की धुलाई, पलंगों पर नई चादरें और पर्दे लगाने का काम तेजी से किया जाता है। उस समय अस्पताल किसी निजी अस्पताल की तरह व्यवस्थित नजर आता है। लेकिन निरीक्षण खत्म होते ही हालात फिर पुराने ढर्रे पर लौट आते हैं। सामान्य दिनों में न तो नियमित सफाई दिखाई देती है और न ही मरीजों को बुनियादी सुविधाएं मिल पाती हैं, जिससे प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

चेकिंग अभियान में एक नशेड़ी वाहन चालक को पकड़ा

काली फिल्म, हूटर और बिना नम्बर की गाड़ियों के किए चालान

ग्वालियर

पांच लोगों की कार से कुचलकर हुई मौत के बाद पुलिस सड़कों पर उतरी और वाहन चेकिंग में काली फिल्म लगाए वाहन और बिना नम्बर के वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की। चौबीस घंटे के बाद पुलिस ने एक वाहन चालक को नशे में ही हालत में गाड़ी चलाते पकड़ा। शनिवार को यातायात पुलिस सड़कों पर उतरी और यातायात नियमों को तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। पुलिस ने एक नशे की हालत में वाहन चलाने

वाले को पकड़ा और उसका न्यायालय चालानी कार्रवाई की। तो वहीं काली पिल्म वाले तीन वाहन, बिना नम्बर के 16 वाहन और हूटर लगाकर घूमने वाले वाहनों को रोककर उनसे जुर्माना वसूला गया। यातायात पुलिस ने हूटर वाली कार से 3 हजार, काली फिल्म से 15 सौ रुपए और बिना नम्बर वाले वाहनों से 8 हजार रुपए का जुर्माना वसूला। कार्रवाई के दौरान यातातात झांसी रोड थानाप्रभारी धनंजय शर्मा गोला का मंदिर यातायात थाना प्रभारी अभिषेक रघुवंशी और कम्पू यातायात थाना प्रभारी केपी तोमर मौजूद रहे।

तरण पुष्कर में तैराकी के लिए फार्म वितरण शुरू, 3 से खुलेगा मिनी पूल

ग्वालियर। सिटी सेंटर स्थित तरण पुष्कर में तैराकी के लिए सदस्यता फार्मों का वितरण शुक्रवार से प्रारंभ कर दिया गया है। नोडल खेल अधिकारी बी.के. त्यागी ने बताया कि पहले दिन लगभग 280 फार्म वितरित किए गए। 29 मार्च को भी सुबह 10.30 से शाम 4.30 बजे तक (दोपहर 1.30 से 2 बजे तक लंच विराम) फार्म दिए जाएंगे, जबकि 30 मार्च से 1 अप्रैल तक फार्म जमा किए जाएंगे। बैच का आवंटन पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर होगा। इधर दीनदयाल नगर स्थित मिनी तरण पुष्कर के लिए भी फार्म वितरण शुरू हो गया है। नोडल अधिकारी बी.के. त्यागी एवं सहायक खेल अधिकारी नमन कौरव ने व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। यह पूल 3 अप्रैल से आम नागरिकों के लिए खोल दिया जाएगा।

9 और 11 वीं का पुनर्मूल्यांकन 7 से, आवेदन 1 से होंगे

ग्वालियर

9 वीं और 11 वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम 23 मार्च को घोषित कर दिया गया था। अब इनके पुनर्मूल्यांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। विद्यार्थी पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन 1 अप्रैल तक कर सकते हैं। पुनर्मूल्यांकन 7 से 9 अप्रैल के बीच किया जाएगा और 21 अप्रैल को संशोधित सूची ईएमएस पोर्टल पर अपलोड कर दी जाएगी। प्रति छात्र पुनर्गणना शुल्क 10 रुपए रहेगा। पुनर्मूल्यांकन की प्रक्रिया 7 से 9 अप्रैल के बीच ब्लॉक स्तरीय मूल्यांकन केंद्र अधिकारी के नेतृत्व में पुनर्गणना का कार्य शुरू होगा। 18 अप्रैल तक मूल्यांकन केंद्र से संशोधित सूची पोर्टल पर अपलोड की जाएगी, इसका सत्यापन प्राचार्यों द्वारा किया जाएगा, इसके बाद अंतिम सूची 21 अप्रैल को अपलोड होगी। द्वितीय परीक्षा की प्रक्रिया शुरू, परीक्षा शुल्क भी लगेगा : इसके साथ ही 9 वीं और 11 वीं की दूसरी परीक्षा की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। अनुपस्थित या अनुत्तीर्ण परीक्षार्थी दूसरी परीक्षा के लिए स्वत: ही पात्र होंगे। 25 अप्रैल को पोर्टल पर प्रवेश पत्र जेनरेट कर दिए जाएंगे। इसके साथ ही परीक्षा शुल्क भी तय कर दिया गया है। एक या दो विषयों का परीक्षा शुल्क 30 रुपए लगेगा, वहीं दो से अधिक विषयों का परीक्षा शुल्क 60 रुपए होगा।

पर्यावरण संरक्षण के लिए जनजागरण अभियान

ग्वालियर

विश्व प्रकृति कोष-भारत (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया) द्वारा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सहयोग से अर्थ आवर के 20 वर्ष पूर्ण होने पर शनिवार को ग्वालियर में जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। इस अवसर पर पृथ्वी के लिए एक घंटा दें के संदेश के साथ विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में मंत्रालय की संयुक्त सचिव नमिता प्रसाद एवं संयुक्त निदेशक लिपिका राय विशेष रूप से उपस्थित रहीं। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया के महासचिव एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि सिंह ने कहा कि अर्थ आवर पृथ्वी के प्रति

हमारी सामूहिक जिम्मेदारी का प्रतीक है और यह अभियान लोगों को स्थायी जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करता है। ग्वालियर में द सिंधिया स्कूल तथा भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान (आईआईटीटीएम) में जागरूकता कार्यक्रम, प्रदर्शनी और संवाद सत्र आयोजित किए गए। आईआईटीटीएम में सहायक प्राध्यापक डॉ. चंद्रशेखर बरुआ, निदेशक डॉ. आलोक शर्मा और नोडल अधिकारी डॉ. सौरभ दीक्षित ने पर्यावरण संरक्षण, सतत पर्यटन और युवाओं की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर डॉ. जी. अरिंद्रन एवं गौरव नाईक सहित अन्य विशेषज्ञ भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंतर्गत रात 8.30 बजे से 9.30 बजे तक प्रतीकात्मक रूप से बत्तियां बुझाकर ऊर्जा संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया।

सहपाठी ने नाबालिग छात्रा से किया दुष्कर्म

ग्वालियर

नाबालिग छात्रा से उसी के सहपाठी ने घर में घुसकर दुष्कर्म कर दिया। नाबालिग के शोर करने पर पीड़िता की मां व बहन आईं तो आरोपी धक्का देकर भाग निकला। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण पंजीबद्ध कर उसे गिरफ्तार कर सुधार गृह भेज दिया है।

कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित बैंड मार्केट में रहने वाली कक्षा आठ की 15 वर्षीय छात्रा घर में अकेली थी तभी उसके साथ पढ़ने वाला नाबालिग छात्र आया और उसके साथ जबरन दुष्कर्म कर दिया। आरोपी मौके से भाग पाता तभी पीड़िता की मां घर पहुंच गई। मां को देखने पर आरोपी घर से पीड़िता को धक्का देकर मौके से फरार हो गया। परिजन पीड़िता को लेकर थाने पहुंचे और पुलिस को घटना के बारे में बताया। पुलिस ने मामले का पता चलने पर आरोपी को दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में कोतवाली थाना प्रभारी मोहिनी वर्मा का कहना है कि आरोपी को पकड़कर सुधार गृह भेज दिया है। तो वही पड़ाव थाना क्षेत्र में भी एक युवती के साथ युवक ने दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। लक्ष्मीबाई कॉलोनी में रहने वाली युवती 15 फरवरी को घर पर अकेली थी तभी सौरभ गुर्जर आ धमका और जान से मारने की धमकी देकर दुष्कर्म कर दिया। पीड़िता के साथ कई बार सौरभ ने धमकी देकर दुष्कर्म किया। जब युवती ने डर के कारण खाना नहीं खाया तो मां ने पूछा तो उसने सच्चाई बता दी। पीड़िता को परिजन थाने लेकर पहुंचे और घटना के बारे में बताया। पुलिस ने फरियादिया की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर ली।

सड़क पर गंदगी फैलाने वालों पर निगम की कार्रवाई, वसूला जुर्माना

ग्वालियर। शहर को स्वच्छ बनाए रखने के लिए नगर निगम द्वारा गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में शनिवार को वार्ड क्रमांक 47 के माधवगंज क्षेत्र में बालाजी मिष्ठान भंडार, गोविंद मिष्ठान भंडार सहित अन्य दुकानदारों से गंदगी फैलाने पर 2000 रुपए जुर्माना वसूला गया। वार्ड 35 में नई सड़क स्थित कैलाश टॉकीज क्षेत्र में भी गंदगी करने पर 2000 रुपए की चालानी कार्रवाई की गई। इसी तरह वार्ड 41 में अमानक पॉलीथिन के उपयोग पर 2000 रुपए तथा चावड़ी बाजार में श्यामलाल से 500 रुपए जुर्माना वसूला गया। वार्ड 50 में रेड स्पॉट करने पर हरीश से 500 रुपए और सागर भाटिया से 1000 रुपए की वसूली की गई। कार्रवाई के दौरान सहायक स्वास्थ्य अधिकारी रामचरण धौलपुरिया, फ्लाइंग स्क्वॉड प्रभारी धर्मेंद्र धीरज धौलपुरिया सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। निगम ने नागरिकों से स्वच्छता बनाए रखने की अपील की है।

नर सेवा ही नारायण सेवा: आशीष अग्रवाल

ग्वालियर

अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन, रोटरी क्लब ग्वालियर तेजस एवं वैश्य महासम्मेलन के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को कृष्णायन गार्डन में निःशुल्क हृदय रोग जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों ने पहुंचकर अपने हृदय स्वास्थ्य की जांच कराई और विशेषज्ञ चिकित्सकों से आवश्यक परामर्श प्राप्त किया।

शिविर में वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. जमाल यूसुफ ने अपनी टीम के साथ उपस्थित नागरिकों की गहन जांच की। उन्होंने मरीजों को हृदय रोगों से बचाव, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और तनावमुक्त जीवनशैली अपनाने की सलाह दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा की भावना भारतीय संस्कृति की मूल आत्मा है और यह शिविर उसी भावना का साकार रूप है। भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष गोविंद गोयल ने कहा कि यह आयोजन केवल एक चिकित्सा शिविर नहीं, बल्कि समाज के प्रति संवेदनशीलता, सेवा भावना और जिम्मेदारी का जीवंत उदाहरण है। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन महिला इकाई की अध्यक्ष मंजरी जैन ने भी अपने विचार व्यक्त किया। वहीं भाजपा के वरिष्ठ नेता जयसिंह कुशवाह ने इस पहल को सराहनीय बताते हुए भविष्य में ऐसे और आयोजन करने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर मप्र चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण अग्रवाल, वरिष्ठ समाजसेवी प्रदीप पाराशर, राजकुमार गर्ग, संजय गोयल, चन्द्रप्रकाश खंडेलवाल, नरेश जैन, अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश जैन सहित अन्य मौजूद रहे।

15वें वित्त आयोग से 22 विकास कार्यों के लिए 1.19 करोड़ स्वीकृत

ग्वालियर

जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए 15वें वित्त आयोग के तहत 1 करोड़ 19 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। इस राशि से कुल 22 विकास कार्य कराए जाएंगे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई धनराशि के आधार पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत ने इन कार्यों को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। स्वीकृत कार्यों में नाली निर्माण, नाला गहरीकरण, आश्रय भवन, चौपाल, चेकडेम, विवाह घर सहित अन्य आवश्यक निर्माण कार्य शामिल हैं, जिनसे ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा। इन विकास कार्यों का लाभ जनपद पंचायत घाटीगांव, डबरा, भितरवार और मुरार की कई ग्राम पंचायतों को मिलेगा। घाटीगांव की लखनपुरा, निरावली, मिलावली, कुलैथ, ओड़पुरा और जिगसौली, डबरा की इकौना, सरनागत, लोहगढ़ और जनकपुर, भितरवार की अमरौल, पचौरा, मैना और ररूआ सहित अन्य ग्रामों में कार्य कराए जाएंगे। प्रशासन का कहना है कि इन विकास कार्यों से ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे को मजबूती मिलेगी और लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

लेस्बियन का ट्रांसजेंडर पर्सन्स अमेंडमेंट बिल-2026 के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में लेस्बियन (लेस्बियन, गे, बाइसेक्सुअल, ट्रांसजेंडर, क्वीर, इंटरसेक्सुअल, असेक्सुअल) समुदाय के करीब 500 लोगों ने ट्रांसजेंडर पर्सन्स अमेंडमेंट बिल-2026 के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। काला बिल वापस लो, मेरी बॉडी, मेरी मर्जी के नारे लगाए। बेगम हजरत महल पार्क से विधानसभा की ओर बढ़ने की कोशिश की। पुलिस ने उन्हें पार्क के पास ही बैरिकेडिंग कर रोक दिया। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि उनका अगला प्रदर्शन 6 अप्रैल को दिल्ली के जंतर-मंतर में होगा। यहां उन्होंने ट्रांस संशोधन बिल का विरोध करते हुए कहा डॉक्टर अगर हमारी जांच कर ट्रांस निर्धारित करेंगे तो किसकी-किसकी जांच करेंगे? सेक्स सबके पास है, फीलिंग अलग-अलग है। हम सेक्स के आधार पर नहीं बल्कि फीलिंग से ट्रांस हैं। ट्रांस बिल में संशोधन को हम नहीं मानते। इसमें कहा गया है कि जो लोग अपनी यौन अभिवृत्ति (सेक्सुअल ओरिएंटेशन) या अपनी पहचान (जेंडर आइडेंटिटी) को खुद महसूस करते हैं, उन्हें ट्रांसजेंडर नहीं माना जाएगा। इसे ऐसे भी समझ सकते हैं कि अगर कोई व्यक्ति अपनी यौन अभिवृत्ति या जेंडर आइडेंटिटी को खुद तय करता है, तो उसे ट्रांसजेंडर नहीं माना जाएगा। इसका मतलब है कि ट्रांसजेंडर की परिभाषा अब केवल उन लोगों तक सीमित कर दी गई है जो पहले से ही इस श्रेणी में हैं। प्रदर्शन कर रहे शुभम अग्रहरि उर्फ सुरभि ने कहा नए बिल के हिसाब से हमें नंगा करके देखा जाएगा कि हम मेल हैं या फीमेल। पहले साइकैटरिस्ट हमें मेंटली प्रूफ करते थे। अब नए बिल के हिसाब से हम कपड़े उतारकर अपना दिखाएंगे और बताएंगे कि मेल हैं? ये बहुत गलत है। हम एनएएलएसए के जजमेंट को नहीं मान रहे हैं। हम आगे सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। इस बिल से थर्ड जेंडर के लोग तनाव में हैं। हम लोगों को हिजड़ा कम्युनिटी में नहीं जाना है तो जबरदस्ती क्यों भेजा जा रहा है। हमें ताली बजाकर भीख नहीं मांगना है। हम अपनी बॉडी से संतुष्ट नहीं है इसलिए सर्जरी करवाते हैं। हमारे बहुत सारे लोग आत्महत्या करने पर मजबूर हैं। महिला को पुलिस प्रोटेक्श है, हमें तो पुलिस अभी प्रताड़ित करती है। प्रदर्शन कर रहीं ट्रांस वूमेन जिया ने कहा यह बिल बहुत ही गलत और हम लोगों के खिलाफ साजिश है। अब एक मेडिकल रिपोर्ट डिसाइड करेगी कि हमारी फीलिंग हमारे जज्बात क्या है? क्या यह पुलिसवाले हमको सड़क पर खड़ा करके नंगा करके देखेंगे और बताएंगे कि हम ट्रांस है या नहीं? यह सरकार के द्वारा हमें पूरी तरह से अपमानित करने की साजिश है। हम इसके विरोध में हैं और रहेंगे। मेडिकल कराने में हमें कोई दिक्कत नहीं है अगर फिर 2019 में यह फैसला क्यों आया था कि समलैंगिक अपनी फीलिंग्स और अपने लोगों के साथ जी सकता है? हमें नंगा होकर दिखाना पड़ेगा कि हमारा जेंडर क्या है? आज तक किसी भी ट्रांस को सम्मान क्यों नहीं मिला? हमें घर बुलाकर कोई दावत क्यों नहीं खिलाता? प्रदर्शन में लखनऊ के भरोसा ट्रस्ट के मैनेजर जतिन भी शामिल हुईं। यह ट्रस्ट लेस्बियन समुदाय के लिए काम करता है। जतिन ने कहा- बिना बात किए या सुझाव लिए ही ट्रांसजेंडर बिल-2019 में संशोधन कर दिया गया। इसमें हमारे प्रतिनिधियों को बुलाया भी गया तो उनसे ऐनवक्त पर मिलने से मना कर दिया गया। इनकी पर्सनल सेक्रेटरी से जब पूछा गया कि बिल में संशोधन के लिए आपको किन-किन बिंदु पर पूछने की जरूरत है तो उन्होंने कहा कि हमें इसकी जरूरत नहीं है। आखिर मैं पूछना चाहती हूं कि बिल में संशोधन करने वालों में कितने लोग हैं जो जानते हैं कि ट्रांस में कितने तरह के लोग शामिल हैं? प्रदर्शन में शामिल एक गे प्रदर्शनकारी जतिन ने कहा लेस्बियन समाज से जी को बिल्कुल अलग कर दिया है।

बच्चों में समय पर पहचान से ही संभव टीबी मुक्त भारत

चिकित्सा महाविद्यालय में सीएमई आयोजित, विशेषज्ञों ने साझा किए अनुभव

ग्वालियर

गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय में शनिवार को पीडियाट्रिक्स विभाग द्वारा बच्चों में ड्रग-रेजिस्टेंट ट्यूबरकुलोसिस (टीबी) विषय पर सीएमई का आयोजन किया गया। जिसमें 150 से अधिक फैकल्टी सदस्यों और रेजिडेंट चिकित्सकों ने भाग लेकर बच्चों में टीबी के बढ़ते खतरे और उसके आधुनिक निदान व उपचार पर विस्तार से चर्चा की।

अधिष्ठाता प्रो. आर.के.एस. धाकड़ और संयुक्त संचालक व अधीक्षक प्रो. सुधीर सक्सेना के संरक्षण में आयोजित इस सीएमई में शैक्षणिक उत्कृष्टता और बेहतर मरीज देखभाल पर विशेष जोर दिया गया। प्रो. सुधीर सक्सेना ने अपने संदेश में संस्थान को चिकित्सा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक ले जाने का आह्वान किया।

शिशु रोग विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. अजय गौर के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में तीन प्रमुख सत्र आयोजित हुए। प्रो. डॉ. अजय गौर ने बच्चों में ड्रग-रेजिस्टेंट टीबी के शुरुआती लक्षणों की पहचान और समय पर जांच की आवश्यकता पर जोर दिया। माइक्रोबायोलॉजी विभाग के प्रो. डॉ. के.पी. रंजन ने मॉलिक्यूलर डायग्नोसिस की आधुनिक तकनीकों के बारे में जानकारी दी। वहीं रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के प्रो. डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने बच्चों में इस बीमारी के प्रभावी प्रबंधन और उपचार पद्धतियों पर प्रकाश डाला।

आयोजन सचिव डॉ. अवधेश वर्मा ने कहा कि इस तरह की शैक्षणिक गतिविधियां अंतर-विभागीय समन्वय को मजबूत करती हैं और टीबी जैसी गंभीर बीमारी से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम के दौरान पैनल डिस्कशन भी हुआ, जिसमें रेजिडेंट्स और फैकल्टी ने विशेषज्ञों से प्रश्न पूछकर अपने ज्ञान का विस्तार किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. सुनीता प्रसाद ने आभार व्यक्त किया। संचालन पीडियाट्रिक्स विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अवधेश वर्मा ने किया।

सम्पादकीय

ईरान पर ट्रम्प की घोषणा को कैसे लें

ईरान से जारी युद्ध के बीच अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के ट्रुथ सोशल पर तत्काल हमले रोकने और बातचीत के पोस्ट से दुनिया में हलचल मच गई। ट्रम्प का पोस्ट सामने आने के साथ ईरान का किसी प्रकार की बातचीत से इंकार करने का बयान कई प्रश्न खड़ा करता है। इस तरह के पोस्ट से सहसा यह संदेश जाएगा ही कि अमरीका ने युद्ध रोक दिया है और बातचीत इस अवस्था में पहुंची है कि युद्धविराम हो जाएगा। किंतु पोस्ट के बावजूद अमरीका की ओर से ईरान पर हमले हो रहे हैं और दोनों लड़ रहे हैं। इस पोस्ट में युद्धविराम शब्द का उल्लेख नहीं है। ध्यान रखिए, इसमें केवल बिजली व ऊर्जा प्रतिष्ठान पर हमले न करने की बात है। दूसरे, इसमें मध्य-पूर्व में दुश्मनी खत्म करने का न्यूनतम अर्थ इसराईल राष्ट्र को औपचारिक रूप से स्वीकार करना या मान्यता देना, यरुशलम को उसकी राजधानी मानना तथा अरब देशों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। ये कितने कठिन हैं, बताने की आवश्यकता नहीं। 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से ही इसका बड़ा लक्ष्य इसराईल का राष्ट्र के रूप में अस्तित्व समाप्त करना है। क्या इस्लामिक राज्य अपने लक्ष्य को छोड़ देगा? क्या यरूशलम पर कब्जा और अल अक्सा मस्जिद को इस्लामी शासन के अंतर्गत लाने के उद्देश्य का परित्याग कर देगा? शिया इस्लामी देश को सर्व शक्तिशाली यानी हर स्तर की सैन्य शक्ति को विस्तारित करने की प्रक्रिया पर विराम लगा देगा? ट्रम्प प्रशासन की ओर से दिया गया 15 सूत्री प्रस्ताव इसी की पुष्टि करता है। इसे स्वीकार करने का मतलब होगा कि ईरान इसराईल केंद्रित अपनी सभी गतिविधियां समाप्त करेगा तथा न्यूक्लियर कार्यक्रम एवं सैन्य शक्ति के लिए अमरीका की इच्छा अनुसार ही आगे काम कर पाएगा। कुछ विश्लेषकों का मत है कि ट्रम्प पर आंतरिक दबाव है क्योंकि युद्ध के खर्चे से अर्थव्यवस्था पर उल्टा प्रभाव हो रहा है। चूंकि युद्ध संपूर्ण विश्व को दुष्प्रभावित कर रहा है, इसलिए अधिकतर देश इसका अंत चाहते हैं। अमरीका में लोगों को संदेह है कि ट्रम्प आगे टैक्स लगाएंगे और महंगाई बढ़ेगी। उन्होंने अमरीकी कांग्रेस से 200 अरब डॉलर की मांग की है। ट्रम्प प्रशासन का कहना है कि यह युद्ध के लिए नहीं, पहले से प्रस्तावित है और पूरक है। लेकिन दबाव अमरीका पर होगा, ईरान पर नहीं, यह तर्क हास्यास्पद है। डेढ़ दर्शक से ज्यादा के प्रतिबंधों के कारण ईरान की अर्थव्यवस्था खस्ताहाल है। हमलों से पूर्व ईरान की ध्वस्त अर्थव्यवस्था और बढ़ती महंगाई ने शासन के विरुद्ध असंतोष को इतना बढ़ा दिया था कि भारी संख्या में लोग सड़कों पर उतर कर सत्ता बदलने की मांग कर रहे थे। इनको अयातुल्ला के आदेश से निर्ममता से कुचला गया था। इसलिए ईरान दबाव मुक्त होकर लंबे समय तक युद्ध करता रहेगा, ऐसा निष्कर्ष उनका होगा जो यथार्थ को नहीं समझते या समझकर भी अनदेखी करते हैं। युद्ध ने ईरान द्वारा विनाशकारी हथियारों के निर्माण और मिसाइल कार्यक्रम को अनुमान से काफी अधिक विस्तार के आरोपों को सही साबित किया है। अगर वह डिएगो गाघ्सया में 4000 किलोमीटर से ज्यादा तक मिसाइल हमले कर सकता है तो इसका अर्थ है ईरान के शस्त्रास्त्रों को लेकर जो अनेक रक्षा विश्लेषक अमरीका को झूठा साबित करने की कोशिश कर रहे थे वे सही नहीं थे। इस दृष्टि से भी अमरीका के लिए उसको कमजोर करना अपरिहार्य हो गया है अन्यथा अरब देश भी रक्षा के लिए नाभिकीय हथियारों की सीमा तक जाने की कोशिश कर सकते हैं। इसराईल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू ने ट्रम्प के पोस्ट के 3 दिन पहले कहा था कि उनका युद्ध अमरीका से अलग है। इसका अर्थ है कि अमरीका कभी हमले रोकने या युद्ध न करने की घोषणा कर दे तो भी इसराईल उसका अनुपालन करने को बाध्य नहीं है। वैसे डोनाल्ड ट्रम्प ने यह भी नहीं बताया कि किस ईरानी नेता से बातचीत हो रही है। उन्होंने कहा कि वातार्कार एक शीर्ष व्यक्ति हैं, जो उस देश में सबसे सम्मानित हैं। उन्होंने पश्चिम एशिया के लिए विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर का नाम वातार्कार के रूप में लिया। ईरान बातचीत से इंकार कर रहा है लेकिन संभव है पर्दे के पीछे कुछ संपर्क हुआ हो। सूचना है कि पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ईरान के राष्ट्रपति के साथ बातचीत की है। पाकिस्तान की हैसियत किसी मामले में प्रभावकारी भूमिका निभाने की नहीं हो सकती। पाकिस्तान ईरान को मना लेगा यह सोचना ही हास्यास्पद है। मुख्य बात है कि आखिर अमरीकी हमले का लक्ष्य क्या था? पहला, अयातुल्ला खामेनेई सहित शीर्ष नेतृत्व को समाप्त करना। इसमें काफी हद तक सफलता मिली। दूसरा, सैन्य और आध्थक दृष्टि से कमर तोडना। ईरान की सैन्य शक्ति उससे ज्यादा है, जितना आकलन किया गया था। तो इस लक्ष्य की प्राप्ति अभी कठिन है किंतु आंशिक रूप से हुई है। तीसरा लक्ष्य सत्ता परिवर्तन करना था जो अभी संभव नहीं दिख रहा। इस्लाम के लिए जीने मरने की भावना इसकी शक्ति है। अमरीका तथा इसराईल अभी इस लक्ष्य की ओर शायद ही बढ़ें।

कहीं आप एआई का लिखा तो नहीं पढ़ रहे

एआई से लिखी गई सामग्री खुद से प्रकाशित ई-बुक्स के अलावा अब पारंपरिक रूप से प्रकाशित उपन्यासों में भी दिख रही है। क्या कोई उपन्यासकार एआई से कहानी में मोड़ सुझाने, कोई दूसरा अंत बताने या किसी ड्राफ्ट को बेहतर बनाने के लिए कह सकता है, और फिर भी उसे अपना मौलिक काम बता सकता है? किस मोड़ पर आकर कोई काम इन्सानी नहीं रह जाता? महीनों से, ऑनलाइन यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि एक चर्चित हॉरर उपन्यास, शाय गर्ल एआई की मदद से लिखा गया था। यह उपन्यास एक ऐसी बेबस युवती के बारे में है, जिसे ऑनलाइन मिले एक व्यक्ति ने बंधक बना लिया और उसे पालतू जानवर की तरह रहने पर मजबूर किया। इस उपन्यास को डरावनी कहानियों के शौकीनों के बीच जल्द ही लोकप्रियता मिल गई। इस साल की शुरूआत में, पैनग्राम (एक एआई डिटेक्शन प्रोग्राम) के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी मैक्स स्पेरो ने शाय गर्ल के बारे में किए जा रहे दावों के बारे में सुना, तो पूरे पाठ को जांचने का फैसला किया। पता चला कि यह उपन्यास 78 प्रतिशत एआई द्वारा तैयार किया गया था। द टाइम्स ने इसके कुछ अंशों का विश्लेषण करने के लिए कई एआई डिटेक्शन टूल्स का इस्तेमाल किया और पाया कि उनमें एआई द्वारा लिखे गए टेक्स्ट की कुछ खास विशेषताएं बार-बार देखने को मिलीं-जैसे तर्क में कमियां और नाटकीय विशेषणों का अत्यधिक इस्तेमाल। जब इस उपन्यास के पाठकों ने व्यापक रूप से इसके एआई द्वारा लिखे जाने की ऑनलाइन शिकायतें कीं, तब भी प्रकाशक चुप रहा। शाय गर्ल की लेखिका मिया बैलार्ड ने भी एआई के इस्तेमाल से इन्कार किया, पर उनका कहना था कि जिस व्यक्ति को उन्होंने उपन्यास के स्व-प्रकाशित संस्करण को संपादित करने का काम सौंपा था, उसने एआई का इस्तेमाल किया था। इन आरोपों के बारे में पूछे जाने पर प्रकाशक हैचेट की प्रवक्ता ने बताया कि एक लंबी और गहन समीक्षा के बाद इसका प्रकाशन रद्द करने का फैसला लिया गया। लगता है कि शाय गर्ल किसी बड़े प्रकाशक का पहला ऐसा व्यावसायिक उपन्यास है, जिसे एआई के इस्तेमाल से लिखने के सबूत मिलने पर वापस ले लिया गया है। इसे रद्द करना इस बात का संकेत है कि एआई से लिखी गई सामग्री न सिर्फ उन सस्ती, खुद से प्रकाशित ई-बुक्स में दिख रही है, जिनसे अमेजन भरा पड़ा है, बल्कि यह पारंपरिक रूप से प्रकाशित उपन्यासों में भी अपनी जगह बना रहा है। यह चौंकाने वाली बात है कि शाय गर्ल संपादन प्रक्रिया में इतनी आगे तक पहुंच गई और एआई के उपयोग से जुड़े दावों की जांच होने से पहले ही ब्रिटेन में रिलीज भी कर दी गई। यह संकेत है कि किताबों की दुनिया में बहुत से लोग एआई के बढ़ते प्रभाव से निपटने के लिए कितने कम तैयार हैं। यह किताबों की दुनिया के लिए एक अनिश्चित नए दौर की शुरूआत का भी संकेत देता है, क्योंकि संपादक और पाठक, दोनों ही यह सोचकर असमंजस में हैं कि वे जो गद्य पढ़ रहे हैं, वह किसी इन्सान ने लिखा है या मशीन ने। कुछ प्रकाशकों को चिंता है कि एआई के दखल को रोकने के लिए ज्यादा कुछ नहीं किया जा सकता, खासकर तब, जब यह तकनीक तेजी से और ज्यादा उन्नत होती जा रही है। ग्रोव अटलांटिक के प्रकाशक मॉर्गन एंट्रेकिन ने कहा, यह साहित्यिक चोरी जैसा ही है। आप लेखक की मर्जी पर निर्भर होते हैं। हमें अपने साझेदारों पर भरोसा रखना होगा। कुछ लोगों का मानना है कि यह तकनीक तेजी से फैल रही है और स्व-प्रकाशित किताबों को उठाकर उन्हें पारंपरिक प्रकाशकों के जरिये दोबारा जारी करने का चलन भी बढ़ रहा है। यह अंदाजा लगाना लगभग नामुमकिन है कि एआई द्वारा लिखी गई कितनी सामग्री प्रकाशित हो रही है, पर इसके सबूत हैं कि इस तकनीक की वजह से किताबों की संख्या में जबर्दस्त बढ़ोतरी हुई है। किताब उद्योग से जुड़े आंकड़े इकट्ठा करने वाली संस्था बॉकर के अनुसार, पिछले साल 35 लाख से ज्यादा किताबें स्व-प्रकाशित हुईं, जो 2024 के 25 लाख के आंकड़े से कहीं ज्यादा है। पारंपरिक प्रकाशकों ने पिछले साल 6,42,000 से ज्यादा किताबें प्रकाशित कीं। लेखकों द्वारा एआई के इस्तेमाल को विनियमित करने में एक दिक्कत यह है कि ज्यादातर कॉरपोरेट पब्लिशिंग हाउस इसे पूरी तरह से प्रतिबंधित नहीं करना चाहते। संपादक यह समझते हैं कि लेखक एआई का इस्तेमाल लिखने के अलावा भी कई अलग-अलग तरीकों से करते हैं। क्या कोई उपन्यासकार एआई से कहानी में मोड़ सुझाने, कोई दूसरा अंत बताने या किसी ड्राफ्ट को बेहतर बनाने के लिए कह सकता है, और फिर भी उसे अपना मौलिक काम बता सकता है? किस मोड़ पर आकर कोई काम इन्सानी नहीं रह जाता? आथर्स गिल्ड की मुख्य कार्यकारी मैरी रासेनबर्गर का कहना है कि यह एक असली समस्या है, और हमें कुछ सुरक्षा उपाय तो खोजने ही होंगे। लेखकों और पाठकों के बीच एआई की मदद से लेखन अब भी बेहद विवादास्पद बना हुआ है। कुछ लोगों को चिंता है कि एआई को लेकर अस्पष्टता और साहित्यिक जगत में इस एआई से जुड़े कलंक के कारण लेखकों द्वारा इसके बारे में खुलकर बात न करने की संभावना बढ़ जाती है। डिस्क्रिप्ट एआई एक आधुनिक और बेहद स्मार्ट ऑडियो-वीडियो एडिटिंग प्लेटफॉर्म है, जो पारंपरिक एडिटिंग की जटिलताओं को खत्म करके पूरी प्रक्रिया को सरल और सहज बना देता है। यह उपयोगकर्ता की ऑडियो या वीडियो फाइल को अपने आप टेक्स्ट में बदल देता है। इसके बाद उन्हें भारी-भरकम टूल्स से जूझने की जरूरत नहीं होती। अगर वे टेक्स्ट का कोई हिस्सा हटाते, जोड़ते या इधर-उधर करते हैं, तो वही बदलाव सीधे फाइल में भी दिखने लगता है। इसी कारण, डिस्क्रिप्ट एआई कंटेंट क्रिएटर्स, पॉडकास्टर्स और वीडियो एडिटर्स के लिए बेहद प्रभावी टूल बन गया है, जो उनके समय की बचत करता है।

इस उपन्यास को डरावनी कहानियों के शौकीनों के बीच जल्द ही लोकप्रियता मिल गई। इस साल की शुरूआत में, पैनग्राम (एक एआई डिटेक्शन प्रोग्राम) के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी मैक्स स्पेरो ने शाय गर्ल के बारे में किए जा रहे दावों के बारे में सुना, तो पूरे पाठ को जांचने का फैसला किया। पता चला कि यह उपन्यास 78 प्रतिशत एआई द्वारा तैयार किया गया था। द टाइम्स ने इसके कुछ अंशों का विश्लेषण करने के लिए कई एआई डिटेक्शन टूल्स का इस्तेमाल किया और पाया कि उनमें एआई द्वारा लिखे गए टेक्स्ट की कुछ खास विशेषताएं बार-बार देखने को मिलीं-जैसे तर्क में कमियां और नाटकीय विशेषणों का अत्यधिक इस्तेमाल। जब इस उपन्यास के पाठकों ने व्यापक रूप से इसके एआई द्वारा लिखे जाने की ऑनलाइन शिकायतें कीं, तब भी प्रकाशक चुप रहा। शाय गर्ल की लेखिका मिया बैलार्ड ने भी एआई के इस्तेमाल से इन्कार किया, पर उनका कहना था कि जिस व्यक्ति को उन्होंने उपन्यास के स्व-प्रकाशित संस्करण को संपादित करने का काम सौंपा था, उसने एआई का इस्तेमाल किया था। इन आरोपों के बारे में पूछे जाने पर प्रकाशक हैचेट की प्रवक्ता ने बताया कि एक लंबी और गहन समीक्षा के बाद इसका प्रकाशन रद्द करने का फैसला लिया गया है। लगता है कि शाय गर्ल किसी बड़े प्रकाशक का पहला ऐसा व्यावसायिक उपन्यास है, जिसे एआई के इस्तेमाल से लिखने के सबूत मिलने पर वापस ले लिया गया है। इसे रद्द करना इस बात का संकेत है कि एआई से लिखी गई सामग्री न सिर्फ उन सस्ती, खुद से प्रकाशित ई-बुक्स में दिख रही है, जिनसे अमेजन भरा पड़ा है, बल्कि यह पारंपरिक रूप से प्रकाशित उपन्यासों में भी अपनी जगह बना रहा है। यह चौंकाने वाली बात है कि शाय गर्ल संपादन प्रक्रिया में इतनी आगे तक पहुंच गई और एआई के उपयोग से जुड़े दावों की जांच होने से पहले ही ब्रिटेन में रिलीज भी कर दी गई। यह संकेत है कि किताबों की दुनिया में बहुत से लोग एआई के बढ़ते प्रभाव से निपटने के लिए कितने कम तैयार हैं। यह किताबों की दुनिया के लिए एक अनिश्चित नए दौर की शुरूआत का भी संकेत देता है, क्योंकि संपादक और पाठक, दोनों ही यह सोचकर असमंजस में हैं कि वे जो गद्य पढ़ रहे हैं, वह किसी इन्सान ने लिखा है या मशीन ने। कुछ प्रकाशकों को चिंता है कि एआई के दखल को रोकने के लिए ज्यादा कुछ नहीं किया जा सकता, खासकर तब, जब यह तकनीक तेजी से और ज्यादा उन्नत होती जा रही है। ग्रोव अटलांटिक के प्रकाशक मॉर्गन एंट्रेकिन ने कहा, यह साहित्यिक चोरी जैसा ही है। आप लेखक की मर्जी पर निर्भर होते हैं। हमें अपने साझेदारों पर भरोसा रखना होगा। कुछ लोगों का मानना है कि यह तकनीक तेजी से फैल रही है और स्व-प्रकाशित किताबों को उठाकर उन्हें पारंपरिक प्रकाशकों के जरिये दोबारा जारी करने का चलन भी बढ़ रहा है।

एच.पी.वी. टीकाकरण : सर्वाइकल कैंसर के उन्मूलन की दिशा में बहुत बड़ा कदम

नीरजा भटला

सर्वाइकल कैंसर भारत में महिलाओं में दूसरा सबसे आम कैंसर है। हर साल इसके लगभग 1 लाख नए मामले सामने आते हैं और इनमें से करीब आधे मामलों में मौत हो जाती है, जो दुनिया भर के कैंसर के बोझ का लगभग एक-चौथाई है। पीड़ित महिलाएं अपेक्षाकृत कम उम्र की होती हैं और परिवार व समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही होती हैं। कैंसर विशेषज्ञ के रूप में, मैंने उनकी तकलीफों को करीब से देखा है। ऐसी महिलाएं, जिनमें चौथी स्टेज में इस रोग का पता चला, उनमें यूरिनरी फिस्टुला विकसित हो चुका था और कंसल्टिंग रूम में उनके दाखिल होने से पहले ही बदबू आने लगती थी। फिर कुछ अपेक्षाकृत भाग्यशाली महिलाएं भी थीं, जिन्हें शुरूआती अवस्था में ही इस रोग से ग्रसित होने के बारे में पता चल गया और जब यह बीमारी ठीक हो सकती थी, लेकिन सिर्फ रैडिकल सर्जरी या कीमो और रेडिएशन थैरेपी से। ऐसे में गहन या एग्रेसिव सर्जरी का शरीर पर असर हुआ, लंबे समय तक चले रेडिएशन उपचार के कारण देखभाल करने वालों को पढ़ाई या काम से वंचित रहना पड़ा। इसके अलावा, हमारे हरसंभव प्रयासों के बावजूद कुछ मामलों में कैंसर दोबारा लौट आया, जिसके लिए और भी जटिल प्रक्रियाओं, जैसे एक्सैंटेरेशन सर्जरी और स्टोमा आदि की आवश्यकता पड़ी। हां, हम इलाज कर सकते थे, लेकिन इसकी शारीरिक, भावनात्मक और आर्थिक कीमत चुकानी होती। और भी दुखद बात यह थी कि इस बीमारी की रोकथाम की जा सकती थी। 1940 के दशक से ही पश्चिमी देशों में नियमित पैप स्मीयर जांच के माध्यम से द्वितीयक रोकथाम की व्यवस्था की गई थी, जिससे न केवल कैंसर का, बल्कि रोग की प्रारंभिक अवस्थाओं का भी पता लगाया जा सकता था। भारत और अन्य निम्न-मध्यम आय वाले देशों (एल.एम.आई.सी.) में हमारे पास इतनी बुनियादी सुविधाएं और प्रशिक्षित जनशक्ति नहीं थी कि 30 वर्ष से अधिक आयु की सभी महिलाओं की जीवन में एक बार भी जांच की जा सके, जबकि हर 3 साल के अंतराल पर यह जांच कराने की सलाह दी गई थी। यहां तक कि आज भी, विजुअल इंस्पैक्शन (वी.आई.) के माध्यम से राष्ट्रीय स्क्रीनिंग कार्यक्रम होने के बावजूद, स्क्रीनिंग कवरेज 5 प्रतिशत से अधिक नहीं है और जिन महिलाओं का टैस्ट पॉजिटिव पाया जाता है, उन्हें अस्पताल लाकर रोग की पुष्टि के लिए बायोप्सी और उपचार कराना भी बेहद कठिन होता है। एच.पी.वी. टीकाकरण ने 2006 में एक उम्मीद भरे सुपरहीरो की तरह इस परिदृश्य में प्रवेश किया। एक साधारण सा इंट्रामस्क्युलर इंजैक्शन इतनी बड़ी तकलीफ से बचा सकता है! यह वास्तव में बेहद उत्साहजनक संभावना थी। अब तक 500 मिलियन से अधिक खुराकें दुनिया भर में और लगभग 4 मिलियन खुराकें भारत में दी जा चुकी हैं। व्यवस्थित परीक्षणों और पोस्ट-मार्कीटिंग सर्विलांस से प्राप्त समेकित आंकड़ों से यह स्पष्ट है कि टीका लगवाने वाली महिलाओं में सामान्य आबादी की तुलना में प्रतिकूल प्रभावों में कोई वृद्धि नहीं हुई। उनमें क्षणिक हल्की प्रतिक्रियाएं देखी गई हैं, जो सभी टीकों में सामान्य होती हैं। इन टीकों का प्रजनन क्षमता, जन्म दर, जन्मजात विकृतियों या मासिक धर्म के पैटर्न पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पाया गया। डब्ल्यू.एच.ओ. की सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन पहल का लक्ष्य सर्वाइकल कैंसर को एक दुर्लभ कैंसर बनाना है, जिसके होने की दर प्रति 1 लाख में केवल 4 मामलों तक सीमित हो। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए 2030 तक 15 वर्ष की आयु से पहले 90 प्रतिशत लड़कियों का एच.पी.वी. टीकाकरण, 35 और 45 वर्ष की आयु में 70 प्रतिशत महिलाओं की एच.पी.वी. परीक्षण द्वारा स्क्रीनिंग और जिन महिलाओं में रोग के लक्षण पाए जाएं, उनमें से 90 प्रतिशत का उपचार जैसे कुछ महत्वपूर्ण उद्देश्यों को हासिल करना आवश्यक है। आखिरकार, अब उम्मीद की किरण दिखाई दे रही है-माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 28 फरवरी, 2026 को राष्ट्रीय एच.पी.वी. टीकाकरण अभियान को देशव्यापी स्तर पर लांच किया जाना, महिलाओं के स्वास्थ्य और प्रजनन अधिकारों को महत्व दिलाने की दिशा में सर्वोच्च राजनीतिक प्रतिबद्धता का संकेत है, जिसकी वे हकदार हैं।

युद्ध ने ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का ढोंग उजागर किया

पूरन चंद सरीन

सरकारी विभागों के छोटे से लेकर बड़े से बड़े अधिकारियों और नीचे से लेकर ऊपर तक के नेताओं ने इस बात को जोर-शोर से प्रचारित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी कि भारत आत्मनिर्भर

हो गया है और देश तीसरी या चौथी अर्थव्यवस्था बन गया है। इसके बावजूद प्रधानमंत्री का वक्तव्य कि वर्तमान चुनौती कोरोना काल की तरह है और सब को मिलकर इसका सामना करना है, से आशंका होती है कि वास्तविकता क्या है? प्रश्न यह है कि यदि हमारी ईंधन, बिजली आपूर्ति और गैर पारंपरिक स्रोतों से ऊर्जा उत्पन्न करने की नीतियां सही होतीं तो हम न केवल अपनी सभी आवश्यकताएं पूरी कर रहे होते, बल्कि जो देश युद्ध के दौरान इस संकट से जूझ रहे हैं, उन्हें अतिरिक्त ऊर्जा बेचकर मुनाफा कमा रहे होते?हमारे सर्वज्ञानी प्रशासक और भविष्य का अनुमान लगाने में माहिर नेतृत्व इस विषय में कुछ सोच ही नहीं सका और यह तो अब जनता को पता चल रहा है कि हम 41 देशों से प्रार्थना कर रहे हैं कि अपना तेल मुंह मांगे दाम पर हमें दे दो, वर्ना हम तो कोरोना काल की तरह असहाय हो जाएंगे। देश में तेल, गैस और अन्य वस्तुओं की कमी महसूस होने लगी है, सिलैंडर के लिए लाइनें और मारपीट शुरू हो गई है और इसका असर उन पर अधिक पड़ रहा है, जो छोटे सिलैंडर से अपनी जरूरतें पूरी करते थे, पाइपलाईन से गैस मिलना उनकी किस्मत में नहीं है और अब मिट्टी के तेल और लकड़ी से जलने वाले चूल्हे खोज रहे हैं। पैसे वालों ने बिजली से चलने वाले उपकरण खरीद लिए और मार्केट में अब उनका भी टोटा है। सन 1970 में भी तेल का संकट हुआ था। तब विश्व के दूरदर्शी नेताओं ने सोचा कि अगर तेल मिलना बंद हो गया तो क्या होगा? उस समय अनेक देशों ने इस बात की गंभीरता समझकर वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों से बिजली बनानी शुरू की और आज उन देशों में 10 प्रतिशत के लगभग पैट्रोलियम पदार्थों का उपयोग होता है और हम 90 प्रतिशत तक तेल उत्पादक देशों पर निर्भर हैं। उल्लेखनीय है कि भारत में प्राकृतिक ऊर्जा के रूप में सौर, पवन, जल और अवशिष्ट पदार्थों के अक्षय भंडार हैं। मौसम की विशेष कृपा है। ये ऐसे साधन हैं जो कितना भी इस्तेमाल करो, जरा भी कम नहीं होंगे। इसे देखते हुए 1980 में पहल की गई कि अलग से एक विभाग हो, जो इनके उपयोग के बारे में सटीक जानकारी दे और उसके आधार पर योजनाबद्ध तरीके से नवीन ऊर्जा स्रोतों से विद्युत उत्पादन किया जाए और हम तेल की खपत कम कर सकें। इस बात को 50 से अधिक वर्ष हो गए और हम इन संसाधनों को न तो पूर्ण रूप से विकसित कर पाए और न ही दूसरे देशों पर निर्भरता कम कर पाए। वजह बताई गई कि तेल आयात करना अपने यहां के कुदरती खजाने का इस्तेमाल करने से सस्ता है। कमाल की सोच थी, अद्भुत दूरदेशी और बेमिसाल नीति, जो इस कहावत को चरितार्थ करे कि बगल में छोरा और शहर में ढिंढोरा। इससे भी ज्यादा खतरनाक यह था कि इन ऊर्जा स्रोतों को इतना महंगा कर देना कि आम नागरिक नहीं, विलासिता का जीवन जीने वाले ही उनके उपयोग की क्षमता रखते हों। उदाहरण के लिए किसी ने बैटरी से चलने वाली कार या कोई अन्य वाहन खरीदा तो बैटरी चार्जिंग का दूर-दूर तक कोई इंतजाम नहीं। इनके मैकेनिक मिलना आसान नहीं और एक बार खराबी हुई तो कबाड़ में बेचना पड़ सकता है। सौर ऊर्जा का उपयोग करने की अनेक तकनीकें विकसित हुईं ताकि गांव-देहात की गलियां, सड़कें और घर कभी अंधेरे का शिकार न हों। उम्मीद थी कि पवन ऊर्जा प्राप्त करने के लिए बड़ी-बड़ी बांहों वाले पंखे रेल या हवाई यात्रा के दौरान दिखाई देंगे लेकिन आज शायद ही इन्हें देखने का सौभाग्य किसी को मिलता होगा। इसी तरह वर्षा यानी जल संरक्षण कर हाइड्रो ऊर्जा प्राप्त करने के संयंत्र हर गांव नगर में लगाए जाते तो आज तेल के दामों से परेशान नहीं होते। हरित ऊर्जा के उत्पादन से देश को आत्मनिर्भर बनाना ऐसा अवसर है कि हम अपनी जरूरतों को तो पूरा करते ही हैं, साथ में उन देशों को भी अंधेरे से बचा सकते हैं जो तेल की कमी से जूझ रहे हैं लेकिन यह हो न सका। परिवहन और यातायात तथा किसी भी साधन से यात्रा करने के लिए पैट्रोलियम पदार्थों पर निर्भरता का अर्थ है कि यदि सप्लाई रुकी तो सब कुछ ठप्प हो जाएगा।

खाड़ी देशों के युद्ध के परिणाम और भारत की स्थिति

मंगत राम पासला

खाड़ी देशों के युद्ध के भयानक परिणाम न केवल संबंधित क्षेत्र के लोगों को, बल्कि दुनिया के सभी देशों के लोगों को भुगतने होंगे। यह प्रक्रिया बड़े स्तर पर शुरू भी हो चुकी है। अमरीका-इसराईल ने बिना किसी उकसावे या उचित कारण के ईरान पर हमला बोल दिया। युद्ध छेडने का बहाना बेशक ईरान के पास मौजूद परमाणु हथियारों के भंडारों से अमरीका-इसराईल को संभावित खतरे का बनाया गया है, पर अब न केवल दुनिया भर के लोगों, बल्कि अमरीका के भीतर राष्ट्रपति के करीबी मित्रों ने भी यह बात खुलेआम स्वीकार कर ली है कि ईरान से अमरीका को कोई खतरा नहीं था। सब जानते हैं कि डोनाल्ड ट्रम्प ने यह युद्ध अपने चहेते इसराईली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की उत्तेजना भरी सलाहों से शुरू किया है। अमरीकी राष्ट्रपति की तमाम धमकियों के बावजूद नाटो के सांझेदार देशों ने अमरीका का साथ देने और इस युद्ध में शामिल होने से साफ इंकार कर दिया है। इससे भी आगे, कमाल की बात यह पता चली है कि ट्रम्प ने यह युद्ध अमरीकी संसद से आवश्यक मंजूरी लेने की बजाय, अपने दामाद, बेटी, बेटे और एक मित्र की सलाह पर छेड़ा है। जब दुनिया के सबसे शक्तिशाली समझे जाने वाले देश अमरीका की कमान ट्रम्प जैसे मूर्ख के हाथ में हो, तो दुनिया के लोग शांति से मिल-जुल कर रहने के बारे में कैसे सोच सकते हैं? इस युद्ध से दुनिया भर के देशों की बहुसंख्यक आबादी को खाद्य वस्तुओं की भारी कमी, तेल-गैस और इससे संबंधित वस्तुओं की कीमतों में भारी वृद्धि, महंगाई और बेरोजगारी जैसी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। युद्ध के कारण हजारों बेगुनाहों की मौतें (इनमें ईरान के स्कूल में पढने वाली सैंकड़ों छोटी बच्चियां भी शामिल हैं), मानवीय और प्राकृतिक संसाधनों की भारी तबाही और पर्यावरण में फैल रहा जहर पूरी मानवता के लिए जी का जंजाल बनेगा। इस युद्ध ने दुनिया के सारे कायदे-कानून ताक पर रखकर किसी भी स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र (जैसे इराक और वेनेजुएला) पर हमला करके कब्जा करने की अमरीका की लालसा को भी उजागर किया है। इस युद्ध ने भारत की मोदी सरकार द्वारा अमरीकी साम्राज्यवाद के साथ की गई रणनीतिक सांझेदारियों के परिणामस्वरूप अपनाई गई वर्तमान विदेश नीति का दुनिया भर में दीवाला निकाल दिया है। भारत ने 2 सैन्य गुटों (नाटो और वारसा) से अलग रहकर गुटनिरपेक्ष देशों का सांझा मंच खड़ा करने में बहुमूल्य योगदान दिया था। परंतु अब भारत ने डटकर ईरान के साथ खड़े होने की बजाय अमरीका-इसराईल युद्धबाज गुट का पक्ष लिया है। डोनाल्ड ट्रम्प ने पिछले समय में प्रधानमंत्री मोदी और भारत के लोगों का ऐसा मजाक उड़ाया, जिसे कोई भी स्वाभिमानी स्वतंत्र देश कतई बर्दाश्त नहीं कर सकता। इससे दुनिया भर में भारतीय राजनेताओं की नपुंसक राजनीति भी बेपर्दा हुई है। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रम्प के इन अपमानजनक बयानों के खिलाफ अपनी जुबान से एक शब्द तक नहीं बोला। भारत के निमंत्रण पर नौसेना के अभ्यास में हिस्सा लेने आए ईरान के समुद्री जहाज में सवार 97 सैनिकों को अमरीकी सेनाओं द्वारा हमला करके तब मार दिया गया, जब वे अपने देश ईरान वापस लौट रहे थे। अमरीका की इस अत्यंत निंदनीय कार्रवाई की निंदा करना तो दूर, भारत द्वारा सैनिकों की मौत पर शोक का औपचारिक प्रकटीकरण तक नहीं किया गया। अमरीका के साथ मोदी सरकार की दोस्ती का परिणाम भारत-अमरीका के बीच होने वाले मुक्त व्यापार समझौते में भारत के लिए कई प्रतिकूल शर्तें स्वीकार किए जाने के भयानक नतीजे भारत के किसानों, छोटे और मध्यम श्रेणी के उद्योगपतियों और व्यापारियों की तबाही के रूप में सामने आने वाले हैं। स्पष्ट है कि अमरीका अपने किसानों को भारी सबसिडी देकर तैयार की गई कृषि वस्तुएं जैसे मक्का, सोयाबीन का तेल, फल, सूखे मेवे आदि भारतीय बाजार में उतारकर हमारी किसानी को खेती से बाहर कर देने की तैयारियां किए बैठा है। हमारा देश साम्राज्यवादी गुलामी के नव-उपनिवेशवादी दौर में पहुंचने जा रहा है, जहां सरकार तो भारतीय लोगों की ही होगी, परंतु आर्थिक नीतियां, व्यापारिक और राजनीतिक फैसले अमरीका की मंजूरी से ही लिए जाएंगे। इसकी ताजा मिसाल खाड़ी युद्ध के दौरान ऊर्जा की कमी के मद्देनजर अमरीका द्वारा बड़े अहंकारी ढंग से भारत को सिर्फ 30 दिनों के लिए रूस से तेल खरीदने की इजाजत दिए जाने से मिलती है। ङ्क्षचता इस बात की है कि भारत को साम्राज्यवादी देश अमरीका और इसके सांझेदारों द्वारा बनाए गए आर्थिक और राजनीतिक चक्रव्यूह से बाहर निकलने के लिए हमें आजादी की एक और जंग लडनी पड़ सकती है। यह जंग 1947 में प्राप्त की गई आजादी के लिए लड़े गए लंबे राष्ट्रीय मुक्ति संग्राम की तुलना में कहीं अधिक कठिन और खतरनाक होगी।

भारत सिंह 12वीं बार अध्यक्ष, वशिष्ठ तिवारी महामंत्री बने

लखनऊ (संवाददाता)। पीडब्ल्यूडी नियमित वर्कचार्ज कर्मचारी संघ, लोनिवि, उ.प्र. का प्रान्तीय द्विवार्षिक चुनाव एवं अधिवेशन भारत सिंह प्रदेश अध्यक्ष की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। विश्वेश्वरैया प्रेक्षागृह कार्यालय प्रमुख अभियन्ता लोक निर्माण विभाग परिसर जन भवन (राजभवन) के सामने लखनऊ में चुनाव अधिकारी रामराज दुबे प्रदेश अध्यक्ष उ.प. चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ एवं चुनाव अधिकारी राम लखन सिंह प्रदेश अध्यक्ष कार्यालय प्रमुख अभियन्ताध्मुख्य अभियन्ता मिनिस्ट्रीरियल एशोसिऐसन लोनिवि उ.प्र. की देख-रेख में विधि सम्मत ढंग से सम्पन्न हुआ। चुनाव में भारत सिंह बारहवीं बार प्रदेश अध्यक्ष एवं वशिष्ठ नारायण तिवारी को प्रदेश महामंत्री चुना गया। अधिवेशन का उद्घाटन रामराज दुबे और राम लखन सिंह चुनाव अधिकारियों ने दीप प्रज्वलित करके किया। इस अवसर पर विजय कुमार कनौजिया प्रमुख अभियन्ता, परिकल्पध्नियोजन, लोनिवि उ.प्र. लखनऊ एवं सुधीर कुमार मुख्य अभियन्ता (मु.-2),, लखनऊ तथा सुभाष चन्द्रा वरिष्ठ स्टाफ आफीसर ई-3, लखनऊ प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

किताबों से संघर्ष, कैमरे से कमाल! क्या है डिस्लेक्सिया जिसका शिकार रहे हैं धुरंधर के डायरेक्टर

डिस्लेक्सिया एकन्यूरोलॉजिकल विकार है जो मुख्य रूप से पढ़ने, लिखने और शब्दों को समझने की क्षमता को प्रभावित करता है। धुरंधर फिल्मे के निर्देशक आदित्य धर इसका शिकार रह चुके हैं। आइए जान लेते हैं कि ये बीमारी क्या है? बॉलीवुड फिल्म धुरंधर-2 इन दिनों काफी सुर्खियों में है। बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्म नए रिकॉर्ड्स बना रही है, इस फिल्म का कलेक्शन अब तक 778 करोड़ रुपये से अधिक का हो चुका है। फिल्म के अभिनेता रणवीर सिंह की एक्टिंग लोगों को खूब पसंद आ रही है, पर पर्दे के पीछे का सारा खेल डायरेक्टर आदित्य धर का है। उरी और आर्टिकल 370 जैसी हिट फिल्में देने वाले आदित्य धर की सफलता की तो सभी तारीफ कर रहे हैं, पर क्या आप जानते हैं कि एक वक्त ऐसा था जब आदित्य ऐसी बीमारी से जूझ रहे थे जिसके चलते पढ़ने-लिखने और शब्दों को समझने में काफी दिक्कत होती है। कभी शब्दों की उलझनों से जूझने वाले आदित्य धर ने किस तरह से इसे अपना हथियार बनाकर बॉलीवुड में अपना नाम बनाया ये काफी प्रेरणा वाली कहानी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आदित्य धर डिस्लेक्सिया का शिकार थे। डिस्लेक्सिया क्या है? इसमें क्या दिक्कतें होती हैं और इसका जीवन पर किस तरह से असर होता है? आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं।

डिस्लेक्सिया के बारे में जान लीजिए

क्लीवलैंड क्लिनिक की रिपोर्ट के मुताबिक डिस्लेक्सिया एक न्यूरो-डेवलपमेंटल लर्निंग डिसऑर्डर है जिसके कारण लोगों को पढ़ने, शब्दों के पहचानने और भाषा से संबंधित कठिनाई हो सकती है।

यह एक 'स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर' है, जिसके कारण अक्सर पढ़ने और लिखने की गति धीमी हो जाती है।

डिस्लेक्सिया मुख्यरूप से सीखने की अक्षमता वाली समस्या है जो आपकी सही ढंग से पढ़ने, लिखने और वर्तनी की क्षमता को प्रभावित करती है।

ऐसा तब होता है जब आपके मस्तिष्क को शब्दों को समझने में कठिनाई होती है।

कई लोगों में ये समस्या जन्मजात होती है, जबकि कुछ में ये बाद में विकसित होती है।

अभी तक इस समस्या को ठीक करने का कोई तरीका पता नहीं है, हालांकि इलाज के माध्यम से लक्षणों को मैनेज जरूर किया जा सकता है।

डिस्लेक्सिया के कारण क्या दिक्कतें होती हैं?

मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि इस बीमारी का बुद्धिमत्ता से कोई संबंध नहीं है। इसमें दिमाग का वह हिस्सा प्रभावित होता है जो भाषा और अक्षरों को सीखने-समझने के लिए जरूरी होता है।

डिस्लेक्सिया वाले बच्चों का आईक्यू लेवल सामान्य होता है।

डिस्लेक्सिया में मुख्य समस्या पढ़ने और लिखने से जुड़ी होती है। ऐसे बच्चों को अक्षरों को पहचानने, उन्हें सही क्रम में रखने और शब्दों को सही ढंग से पढ़ने में दिक्कत होती है।

वे अक्सर मिलते-जुलते अक्षरों को उल्टा-पुल्टा पढ़ लेते हैं या शब्दों को तोड़कर पढ़ते हैं।

पढ़ने की गति धीमी होती है और समझने में अधिक समय लगता है।

इस तरह की समस्याओं का असर आत्मविश्वास पर पड़ सकता है, जिससे बच्चा पढ़ाई से भागने बनाने लगता है।

कहीं आपका बच्चा भी तो नहीं है शिकार?

बच्चों में डिस्लेक्सिया के लक्षणों की पहचान आमतौर पर तब हो पाती है जब वह स्कूल जाना शुरू करते हैं। अगर आपके बच्चे को भी चीजों को सीखने से संबंधित दिक्कतें हो रही हैं तो ये अलार्मिंग हो सकता है।

देर से बोलना

नए शब्द धीरे-धीरे सीखना

शब्दों को सही ढंग से बनाने में दिक्कत होना, जैसे उल्टा-सीधा बोलना या एक जैसी आवाज वाले शब्दों में भ्रमित होना

अक्षरों, संख्याओं और रंगों को याद रखने या उनके नाम बताने में दिक्कत होना

जब आपका बच्चा स्कूल जाने लगता है, तो डिस्लेक्सिया के लक्षण ज्यादा साफ दिखाई देने लगते हैं। ऐसे बच्चों में अपनी उम्र के हिसाब से पढ़ने में दिक्कत होती है, सुनी हुई बातों को समझने और उन पर विचार करने में दिक्कत होती है। सही शब्द ढूंढने या सवालों के जवाब बनाने, चीजो के क्रम को याद रखने में भी कठिनाई होती है।

डिस्लेक्सिया को ठीक कैसे किया जाता है?

डिस्लेक्सिया का मुख्य कारण आनुवंशिक और न्यूरोलॉजिकल माना जाता है। जिन परिवारों में पहले से किसी को डिस्लेक्सिया की समस्या रही है, उनमें बच्चों में इसका खतरा अधिक होता है। डिस्लेक्सिया के लक्षणों के बावजूद बच्चों की सोचने, समझने और रचनात्मकता की क्षमता सामान्य रहती है। डिस्लेक्सिया को ठीक करने का अब तक कोई ज्ञात तरीका नहीं है। हालांकि कुछ प्रकार की थेरेपी, एजुकेशनल प्लान की मदद से लक्षणों में सुधार किया जा सकता है।

बची रखी है रात की रोटी तो उससे तैयार करें पिज्जा, बच्चे भी खुश और बड़े भी

अगर आपके खाने में भी रोटी बच गई है तो उससे आप अपने बच्चों के लिए रोटी पिज्जा तैयार कर सकते हैं। यहां हम आपको इसकी रेसिपी बताने जा रहे हैं।

अगर आपके खाने में कभी-कभी रोटी बच जाती है और आप सोचते हैं कि इसे फेंक दें या फिर बच्चों को कैसे खिलाएं, तो अब चिंता करने की जरूरत नहीं है। बची हुई रोटी से आप स्वादिष्ट और हेल्दी पिज्जा तैयार कर सकते हैं, जिसे बच्चे और बड़े दोनों पसंद करेंगे। यह सिर्फ बची हुई रोटी को बचाने का तरीका नहीं है, बल्कि इसे एक मजेदार और पौष्टिक व्यंजन में बदलने का तरीका भी है। रोटी पिज्जा बनाने में ज्यादा समय नहीं लगता और यह पूरी तरह से घर पर तैयार किया जा सकता है। आप इसमें अपनी पसंद की सब्जियां, चीज और सॉस डालकर इसे टेस्टी और न्यूट्रीशियस बना सकते हैं। इससे बच्चे की फास्ट फूड की इच्छा भी पूरी होगी और पोषण भी मिलेगा। इसके अलावा यह व्यंजन बजट फ्रेंडली भी है, क्योंकि इसमें अतिरिक्त खर्च की जरूरत नहीं पड़ती।

रोटी पिज्जा बनाने की विधि

बची हुई रोटी झ 2-3 पिज्जा सॉस या कैचअप झ 2-3 चम्मच हरी सब्जियां (प्याज, शिमला मिर्च, टमाटर) झ 1 कप चीज झ 1/2 कप ओरेगेनो चिली फ्लैक्स

विधि

रोटी पिज्जा बनाने के लिए सबसे पहले बची हुई रोटियों को तैयार करें। रोटी को हल्का सा सेक लें ताकि यह तवे पर रखने पर आसानी से क्रिस्पी बन जाए और नीचे जलने न पाए। अब तवे को मध्यम आंच पर गर्म करें और रोटी को तवे पर रखें। हर रोटी के ऊपर 1-2 चम्मच पिज्जा सॉस फैलाएं। इसके ऊपर अपने पसंदीदा सब्जियां जैसे कि बारीक कटा प्याज, शिमला मिर्च, टमाटर और कॉर्न रखें। स्वाद बढ़ाने के लिए थोड़ा नमक, और ओरेगेनो छिड़कें। अब इसके ऊपर अपने बच्चों की पसंद के अनुसार चीज डालें। चीज को संतुलित रखें ताकि पिघलते समय पिज्जा बहुत भारी न हो।

सिर्फ 2 रुपये में तैयार करें ये फेस पैक, मिलेगा इतना ग्लो कि चेहरा चांद सा चमकेगा

अगर आप घर पर कम रुपये खर्च करके फेस पैक बनाना चाहती हैं तो कॉफी का फेस पैक एक अच्छा विकल्प है। आइए आपको इसके इस्तेमाल का तरीका बताते हैं। अक्सर लोग अपनी स्किन के लिए महंगे ट्रीटमेंट और प्रोडक्ट्स का सहारा लेते हैं, लेकिन सच यही है कि घर पर थोड़े से प्राकृतिक और सस्ते सामग्री से भी यही निखार पाया जा सकता है। पर, क्या आप जानते हैं कि महंगे पार्लर और ब्रांडेड फेसपैक पर पैसे खर्च किए बिना भी आप अपनी त्वचा को चमकदार, जवान और ताजा बना सकते हैं? जी हां, अब आपको महंगे पार्लर जाने या कई सौ रुपये वाले फेसपैक लेने की जरूरत नहीं है। केवल कुछ सामान्य सामग्री और 2 रुपए की लागत में आप अपनी त्वचा को वही चमक और मुलायम अनुभव दे सकते हैं। यह तरीका पूरी तरह प्राकृतिक है, कोई केमिकल्स या महंगे इंग्रेडिएंट्स की जरूरत नहीं है। आज हम आपको ऐसे फेसपैक के बारे में बताएंगे, जिसे सिर्फ दो रुपए में बनाया जा सकता है और जो आपकी त्वचा को साफ, ग्लोइंग और जवान बनाएगा।

फेस पैक बनाने का सामान

1. कॉफी पाउडर झ 1 चम्मच

2. एलोवेरा जेल झ 1-2 चम्मच

फेस पैक बनाने का तरीका

कॉफी फेसपैक बनाने के लिए सबसे पहले एक छोटे बाउल में कॉफी पाउडर डालें।

इसके बाद इसमें एलोवेरा जेल मिलाकर गाढ़ा और स्मूद पेस्ट तैयार करें।

यदि पेस्ट बहुत पतला लगे तो थोड़ा और कॉफी पाउडर डालकर इसे सेट करें।

ऐसे करें इस्तेमाल

चेहरे पर लगाने से पहले उसे हल्के गुनगुने पानी से धोकर साफ कर लें, ताकि कोई धूल या मैल पेस्ट के असर को रोक न सके।

तैयार पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर समान रूप से लगाएं और लगभग 15 से 20 मिनट तक रहने दें।

इस दौरान चेहरे को आराम दें और पेस्ट को सूखने दें, फिर गुनगुने पानी से हल्के हाथों से धोकर चेहरे को सुखाएं।

ये प्रक्रिया डेड स्किन हटाने और स्किन को ताजा करने में मदद करती है।

मिलेंगे ये फायदे

यह चेहरे की डेड स्किन हटाकर त्वचा को साफ करता है और उसे टोन तथा फर्म बनाता है, जिससे झुर्रियां कम दिखाई देती हैं।

नियमित उपयोग से त्वचा में नेचुरल ग्लो और नमी आती है, जिससे यह मुलायम और चमकदार दिखती है।

ये पिंपल्स और ब्लैकहेड्स को कम करने में भी मदद करता है।

कब करें इस्तेमाल?

इसे सप्ताह में दो से तीन बार इस्तेमाल करना सबसे अच्छा रहता है। संवेदनशील त्वचा वालों को सलाह दी जाती है कि पेस्ट लगाने से पहले हाथ या गाल पर टेस्ट करें, ताकि कोई एलर्जी न हो। यदि आप चाहें तो कॉफी और एलोवेरा जेल के अलावा थोड़ी शहद मिलाकर इसकी मॉइश्चराइजिंग क्षमता को बढ़ाया जा सकता है। इस तरह, यह फेसपैक पूरी तरह से प्राकृतिक और किफायती तरीके से त्वचा की देखभाल करता है।

हर साल लाखों लोगों की स्ट्रोक से हो जाती है मौत, क्या केले खाने से दूर होगा खतरा?

ब्रेन स्ट्रोक हर साल लाखों लोगों की मौत का कारण बन रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के मुताबिक स्ट्रोक दुनियाभर में मृत्यु और विकलांगता का तीसरा सबसे बड़ा कारण है, साल 2021 में इससे अनुमानित 9.38 करोड़ मामले सामने आए थे। युवाओं में इस समस्या का खतरा तेजी से बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। स्ट्रोक तब होता है जब मस्तिष्क तक खून पहुंचाने वाली नसें या तो ब्लॉक हो जाती हैं या फट जाती हैं। इन दोनों ही स्थितियों में दिमाग की कोशिकाएं ऑक्सीजन की कमी के कारण डेड होने लग जाती हैं। अध्ययनों में पाया गया है कि जिन लोगों को हाई ब्लड प्रेशर की दिक्कत होती है उनमें स्ट्रोक होने और इससे जान जाने का खतरा अधिक होता है। हाई ब्लड प्रेशर रक्त वाहिकाओं की दीवारों को नुकसान पहुंचाता है, जिससे उनमें ब्लॉकेज का खतरा बढ़ जाता है। लाइफस्टाइल और खान-पान में गड़बड़ी ब्लड प्रेशर और स्ट्रोक दोनों का जोखिम कारक हो सकती है। क्या आप जानते हैं कि अगर

रोजाना के आहार में केले को शामिल कर लिया जाए तो इस खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है?

केले खाने से कम होता है स्ट्रोक का खतरा

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, स्ट्रोक से बचाव के लिए खानपान में सुधार के साथ, नियमित व्यायाम की आदत मददगार हो सकती है। कई शोध बताते हैं कि पोटेशियम से भरपूर आहार जैसे केले ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने और स्ट्रोक के जोखिमों को कम करने में लाभकारी हैं।

केला पोटेशियम का अच्छा स्रोत है। पोटेशियम शरीर में सोडियम के प्रभाव को संतुलित करता है, जिससे ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है।

अध्ययनों में पाया गया है कि पर्याप्त पोटेशियम लेने वाले लोगों में स्ट्रोक का जोखिम कम देखा गया।

पोटेशियम से कम होता है स्ट्रोक का खतरा

विशेषज्ञों के अनुसार, दुनियाभर में करोड़ों लोगों में इस जरूरी मिनरल की कमी देखी जा रही है जो दिल के दौरे और स्ट्रोक के खतरे को बढ़ाने वाली हो सकती है। लंदन की टीसाइड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता प्रोफेसर जॉन यंग कहते हैं, पोटेशियम की कमी वास्तव में बहुत आम है और ये काफी खतरनाक भी हो सकती है। पोटेशियम नसों के संकेतों, मांसपेशियों के सिकुड़ने और दिल की धड़कन को नियमित बनाए रखने में भी अहम भूमिका निभाता है। जिन लोगों में पोटेशियम की गंभीर कमी होती है उनमें भ्रम, उदासी जैसे लक्षण अधिक होते हैं। इसका असर दिल पर भी पड़ सकता है, जिससे दिल की धड़कन के तेज होने, ब्लड प्रेशर बढ़ने और स्ट्रोक का खतरा रहता है। इन लक्षणों से बचने के लिए, वयस्कों को हर दिन 3,500 मिलीग्राम तक पोटेशियम का सेवन करना चाहिए। रोजाना केले खाना इसमें काफी लाभकारी हो सकता है।

अध्ययनों में क्या पता चला?

साल 2024 के एक अध्ययन में पाया गया कि भोजन के जरिए पोटेशियम का लेवल बढ़ाने से दिल की बीमारियों, स्ट्रोक या इनकी वजह से मौत का खतरा 24 प्रतिशत तक कम हो जाता है। वहीं 2016 में हुई स्टडी में पाया गया कि पोटेशियम आपमें स्ट्रोक होने का खतरा 20 प्रतिशत तक कम कर सकती है। पोटेशियम की रोजाना की जरूरी मात्रा को पूरा करने के लिए आमतौर पर 10 मध्यम आकार के केले खाने होंगे। हालांकि आप केले के साथ पोटेशियम वाली कुछ अन्य चीजों को खाकर इसकी मात्रा को पूरी कर सकते हैं। दो केले से आप लगभग 800-900 मिलीग्राम पोटेशियम प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा पालक, बीन्स, आलू, दही और मछलियों को भी आहार में शामिल किया जा सकता है।

हालांकि केवल केला ही समाधान नहीं है, संतुलित आहार पर ध्यान रखकर आप स्ट्रोक से बच सकते हैं।

स्ट्रोस से बचाव के लिए और क्या करें?

डॉक्टर कहते हैं, स्ट्रोक से बचाव के लिए सबसे जरूरी है ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखना। इसके लिए नमक का सेवन कम करें, रोज कम से कम 30 मिनट तेज चाल से चलें। धूम्रपान और शराब से बचें, वजन संतुलित रखें और नियमित हेल्थ चेकअप कराएं। डैश डाइट को ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में लाभकारी पाया गया हैं।

ठंडक देने वाला गोंद कतीरा, हर किसी के लिए नहीं होते फायदेमंद

गर्मी का मौसम आते ही शरीर को ठंडक और हाइड्रेशन की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। ऐसे में देसी सुपरफूड गोंद कतीरा न सिर्फ आपको लू और तेज गर्मी से बचाता है, बल्कि शरीर को अंदर से ठंडा रखकर कई स्वास्थ्य समस्याओं से भी राहत दिलाता है। दिखने में यह क्रिस्टल जैसा होता है, जो पानी में भिगोने पर जेली की तरह

फूल जाता है और शरीर को ठंडक पहुंचाता है।

गोंद कतीरा क्या होता है?

गोंद कतीरा एक प्राकृतिक खाद्य गोंद है, इसमें कोई खास स्वाद या गंध नहीं होती, लेकिन इसके गुण बेहद असरदार होते हैं। यह गर्मियों में शरीर को ठंडा रखने और हाइड्रेट करने में मदद करता है।

गर्मियों में गोंद कतीरा खाने के जबरदस्त फायदे

शरीर को ठंडक देता है: गोंद कतीरा में प्राकृतिक कूलिंग गुण होते हैं, जो शरीर के तापमान को संतुलित रखते हैं और लू से बचाने में मदद करते हैं।

पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है: इसमें मौजूद फाइबर और एंजाइम पाचन को बेहतर करते हैं और कब्ज, एसिडिटी व डायरिया जैसी समस्याओं से राहत दिलाते हैं।

त्वचा को बनाता है ग्लोइंग: गर्मी में त्वचा पर सनबर्न और रैशेज आम हैं। गोंद कतीरा शरीर को हाइड्रेट करके त्वचा को अंदर से पोषण देता है और जलन को शांत करता है।

इम्यूनिटी बढ़ाता है: इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाते हैं, जिससे आप कम बीमार पड़ते हैं।

गोंद कतीरा खाने के आसान तरीके

शरबत बनाकर: रातभर भिगोकर ठंडे शरबत में मिलाएं

फ्रूट सलाद में: फलों के साथ मिलाकर खाएं

लड्डू के रूप में: सर्दियों में ऊर्जा के लिए

आइसक्रीम में: ठंडक के साथ स्वाद।

गोंद कतीरा खाने के नुकसान

कुछ लोगों को इससे एलर्जी हो सकती है

ज्यादा खाने पर गैस और ब्लोटिंग हो सकती है

अधिक सेवन से उल्टी या दस्त की समस्या हो सकती है।

गोंद कतीरा एक सस्ता, प्राकृतिक और असरदार देसी उपाय है, जो गर्मियों में शरीर को ठंडा रखने के साथ-साथ पाचन, त्वचा और इम्यूनिटी के लिए भी फायदेमंद है। बस इसे सही मात्रा में और सही तरीके से सेवन करना जरूरी है।

चुपचाप महिलाओं को अपना शिकार बना रही टीबी! ये लक्षण दिखें तो तुरंत कराएं जांच

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में महिलाएं अक्सर अपनी सेहत को नजरअंदाज कर देती हैं। हल्का बुखार, थकान या कमजोरी जैसी समस्याओं को सामान्य समझकर लोग अक्सर इन्हें इग्नोर कर देते हैं और बिना डॉक्टर की सलाह के पेन किलर या बुखार की दवा लेकर काम चला लेते हैं। लेकिन सच यह है कि यही मामूली लगने वाले लक्षण कई

बार टीबी जैसी गंभीर बीमारी के संकेत हो सकते हैं। समय रहते इसकी पहचान और सही इलाज शुरू कर दिया जाए, तो मरीज पूरी तरह ठीक हो सकता है। इसलिए इन संकेतों को हल्के में लेना खतरनाक साबित हो सकता है।

क्या है टीबी और कैसे फैलती है?

टीबी एक संक्रामक बैक्टीरियल बीमारी है, जो हवा के जरिए फैलती है। जब कोई संक्रमित व्यक्ति खांसता या छींकता है, तो उसके साथ बैक्टीरिया हवा में फैल जाते हैं और दूसरे व्यक्ति को संक्रमित कर सकते हैं। अच्छी बात यह है कि समय पर इलाज मिलने पर यह बीमारी पूरी तरह ठीक हो सकती है, लेकिन लापरवाही इसे खतरनाक बना देती है।

महिलाओं में क्यों बढ़ रहा है खतरा?

कुछ स्वास्थ्य रिपोर्ट्स के अनुसार महिलाओं में टीबी तेजी से बढ़ रही है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं

पोषण की कमी (कुपोषण)

कमजोर इम्यून सिस्टम

घर और काम की दोहरी जिम्मेदारी

समय पर जांच न कराना

भीड़भाड़ वाले वातावरण में रहना।

महिलाओं में अलग तरीके से दिखते हैं लक्षण

महिलाओं में टीबी सिर्फ फेफड़ों तक सीमित नहीं रहती, बल्कि यह प्रजनन अंगों को भी प्रभावित कर सकती है, जिसे फीमेल जेनिटल टीवी कहा जाता है।

किन अंगों पर पड़ता है असर?

फेलोपियन ट्यूब: गर्भधारण में दिक्कत

गर्भाशय: पीरियड्स अनियमित

ओवरी: हार्मोनल असंतुलन

सर्विक्स: लंबे समय तक छिपा संक्रमण।

इन लक्षणों को बिल्कुल नजरअंदाज न करें

अगर लंबे समय तक ये संकेत दिखें तो तुरंत जांच कराएं

लगातार हल्का बुखार

रात में ज्यादा पसीना आना और अचानक वजन घटना होना।

भूख कम लगना और पेल्विक दर्द होना।

नगर निगम की कॉमर्शियल होर्डिंग से वसूली की तैयारी

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ नगर निगम अमौसी एयरपोर्ट के पास लगे होर्डिंग से विज्ञापन फीस नहीं वसूल रहा है। इससे उसे 3 साल में करीब 45 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। अब इन कॉमर्शियल होर्डिंग से वसूली की तैयारी है। नई विज्ञापन गाइडलाइन आने के बाद अब नगर निगम ऐसी वसूली बढ़ाने की कोशिश में है। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने भी इसके लिए निर्देश दिए हैं। एयरपोर्ट के पास ग्राउंड पर लगी होर्डिंग और बैनर से नगर निगम वसूली करेगा। इसको लेकर अधिकारियों की बैठक भी हुई। इसमें नगर आयुक्त गौरव कुमार की तरफ से अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव से कहा गया कि जो ग्राउंड पर होर्डिंग लगी हैं, उनके जिम्मेदारों से वसूली की जाए। इसपर अपर नगर आयुक्त ने हामी भरी है। नगर निगम की तरफ से एयरपोर्ट के पास फिलहाल 13 होर्डिंग लगाए गए हैं। इनसे पिछले तीन साल से वसूली नहीं हो पाई है। वहीं, छत पर और लाइट वाले होर्डिंग लगाने की परमिशन एयरपोर्ट के आसपास के क्षेत्र में नहीं है। इसके एनओसी विमानपत्तन प्राधिकरण की तरफ से दी जानी चाहिए। पिछले दिनों एयरपोर्ट प्रशासन की तरफ से लिखे गए पत्र में होर्डिंग से सुरक्षा की चिंता व्यक्त की गई थी।

आरसीबी की जीत के बाद कोहली का रोमांटिक अंदाज, स्टैंड्स में बैठीं अनुष्का को दिया फ्लाइंग किस

बंगलूरू। विराट कोहली ने शानदार अर्धशतक जड़कर आरसीबी को जीत दिलाई और मैच के बाद स्टैंड्स में बैठीं अनुष्का शर्मा को फ्लाइंग किस देकर खास अंदाज में जश्न मनाया। जीत के बाद कोहली ने अपनी फिटनेस, मानसिक ताजगी और देवदत्त पडिक्कल की शानदार पारी की जमकर तारीफ करते हुए टीम के प्रदर्शन को अहम बताया। विराट कोहली ने आईपीएल 2026 के पहले ही मुकाबले में बल्ले और अंदाज दोनों से महफिल लूट ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को शानदार जीत दिलाने के बाद कोहली ने स्टैंड्स में बैठीं पत्नी अनुष्का शर्मा को फ्लाइंग किस देकर अपनी खुशी जाहिर की। यह खास पल सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जीत के बाद क्या बोले कोहली? मैच के बाद कोहली ने अपनी पारी और फॉर्म को लेकर विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि

लंबे समय बाद टी20 क्रिकेट में वापसी के बावजूद उनकी लय बनी हुई थी। कोहली ने कहा, 'मैदान पर वापसी करना अच्छा लगा। पिछला टी20 मुकाबला मैंने पिछले साल फाइनल के रूप में खेला था, लेकिन हाल ही में खेली गई वनडे सीरीज ने मुझे लय बनाए रखने में काफी मदद की। मैं वही शॉट खेल रहा था, जो मैं सामान्य तौर पर खेलता हूं। मुझे भरोसा था कि अगर मेरी लय सही रही और मैंने फिटनेस पर जो मेहनत की है, वह साथ देगी, तो चीजें अपने आप सही होंगी।' उन्होंने आगे कहा, 'पिछले 15 वर्षों में जिस तरह का कार्यक्रम रहा है और जितना क्रिकेट मैंने खेला है, उसमें थकान का खतरा ज्यादा रहता है। ऐसे में ब्रेक मुझे मानसिक रूप से तरोताजा करते हैं। मैं जब भी लौटता हूं, तो पूरी ऊर्जा के साथ लौटता हूं। शारीरिक रूप से फिट और मानसिक रूप से उत्साहित रहना बहुत जरूरी है, तभी आप टीम के लिए योगदान दे पाते हैं। एक खिलाड़ी के तौर पर आप सिर्फ टीम में बने रहना नहीं चाहते, बल्कि लगातार प्रदर्शन करना चाहते हैं।' पडिक्कल की पारी पर कही बड़ी बात कोहली ने देवदत्त पडिक्कल की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'पडिक्कल की पारी शानदार थी। मैंने पावरप्ले में आक्रामक खेलने की योजना बनाई थी, लेकिन जिस तरह वह बल्लेबाजी कर रहे थे, उसे देखकर मैंने तय किया कि उन्हें ज्यादा से ज्यादा स्ट्राइक दूं। उन्होंने पूरी तरह मैच का रुख बदल दिया।' उन्होंने आगे बताया, 'मैंने उनसे कहा भी कि जिस तरह तुम गेंद को मार रहे हो, उसी तरह खेलते रहो और मैच को विपक्ष से दूर ले जाओ। अगर हम जल्दी मैच खत्म करते हैं, तो नेट रन रेट में भी फायदा होगा। उनकी टाइमिंग, संतुलन और तकनीक वर्ल्ड क्लास है। मैंने उन्हें करीब से देखा है और जब वह आत्मविश्वास में होते हैं, तो क्या कर सकते हैं आज उसी का उदाहरण था।' मैदान पर रोमांस, बाहर चर्चा जहां एक तरफ कोहली और पडिक्कल की बल्लेबाजी ने आरसीबी को जीत दिलाई, वहीं मैच के बाद का उनका खास जश्न भी चर्चा में है। अनुष्का शर्मा को दिया गया उनका फ्लाइंग किस इस मुकाबले का सबसे भावुक और यादगार पल बन गया। इस जीत के साथ आरसीबी ने टूर्नामेंट में शानदार शुरूआत की है, और कोहली का फॉर्म टीम के लिए बड़े संकेत दे रहा है। मैच में क्या हुआ? विराट कोहली और देवदत्त पडिक्कल की तूफानी अर्धशतकीय पारियों की मदद से गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने सनराइजर्स हैदराबाद को आईपीएल 2026 के पहले मुकाबले में छह विकेट से हरा दिया। शनिवार को बंगलूरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी हैदराबाद ने ईशान किशन (80) और अनिकेत वर्मा (43) की पारियों की मदद से 20 ओवर में नौ विकेट पर 201 रन बनाए। जवाब में आरसीबी ने 15.4 ओवर में चार विकेट पर 203 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

120% देना चाहता हूं, कोहली ने दमदार पारी पर दिया बयान पडिक्कल के खेल पर क्या बोले विराट

बंगलूरू। आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने आईपीएल 2026 की शानदार शुरूआत की है। कोहली ने अपनी पारी के बाद कहा है कि ब्रेक मिलने से उन्हें वापसी करने में आसानी हुई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने आईपीएल 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ नाबाद अर्धशतक लगाकर टीम को जीत दिलाई। कोहली ने 38 गेंदों पर पांच चौकों और पांच छक्कों की मदद से नाबाद 69 रन बनाए। कोहली ने इस पारी के बाद कहा कि वह टीम के लिए 120 प्रतिशत देना चाहते हैं और बिना तैयारी के खेलने नहीं

उतरते हैं। लय में हैं कोहली कोहली अब भारत के लिए सिर्फ वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं और टी20 में वह सिर्फ आईपीएल ही खेल रहे हैं। अपनी पारी को लेकर कोहली ने कहा, वापस यहां आकर अच्छा लग रहा है। आखिरी मैच मैंने पिछले साल आईपीएल फाइनल खेला था, लेकिन हाल ही में वनडे सीरीज में जिस तरह से बल्लेबाजी की, उससे मुझे लय हासिल करने में मदद मिली। मैं वह शॉट्स नहीं खेल रहा था जो आम तौर पर नहीं खेलता। मुझे पता है कि मैं लय में हूं और मैंने फिटनेस पर भी काफी मेहनत की है तो प्रदर्शन अच्छा ही रहेगा। हमारे पास अच्छी शुरूआत का मौका था और हमने वही किया। कोहली बोले- ब्रेक से मिला फायदा सिर्फ एक ही प्रारूप खेलने के बारे में पूछने पर कोहली ने कहा, पिछले 15 साल से जिस तरह का कार्यक्रम रहा है और हमने जितनी क्रिकेट खेली है, मेरे लिए तैयारी की कमी के बजाय जरूरत से ज्यादा खेलने की थकान का जोखिम अधिक रहा है। इसलिए इन ब्रेक से तरोताजा होकर लौटने में काफी मदद मिली। जब भी मैं खेलने आता हूं तो 120 प्रतिशत देने की कोशिश रहती है। कभी तैयारी के बिना नहीं आता। अतिरिक्त विश्राम से मुझे मानसिक रूप से तरोताजा होने में मदद मिली। अगर आप शारीरिक और मानसिक रूप से तरोताजा होकर खेलते हैं तो टीम के लिए योगदान दे सकते हैं और यही हर खिलाड़ी करना चाहता है। देवदत्त पडिक्कल की 26 गेंद में 61 रन की पारी को शानदार बताते हुए कोहली ने कहा, मैं पावरप्ले में आक्रामक खेलना चाहता था लेकिन जब मैंने पडिक्कल को इस तरह खेलते देखा तो उसे अधिक स्ट्राइक देने की कोशिश की। उसने एक बेहतरीन पारी खेलकर मैच सनराइजर्स की जद से बाहर कर दिया।

उन्हें टेस्ट में वापसी करनी चाहिए, कोहली की दमदार पारी के बाद इस पूर्व भारतीय खिलाड़ी ने दिया बयान

नई दिल्ली। विराट कोहली ने आरसीबी के लिए खेलते हुए सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ दमदार प्रदर्शन किया। इसके बाद एक बार फिर उनसे टेस्ट क्रिकेट में वापसी की मांग की जा रही है। टीम के पूर्व खिलाड़ी अंबाती रायुडू ने कहा है कि कोहली को ना सिर्फ टेस्ट से संन्यास का फैसला बदलना चाहिए, बल्कि कप्तान भी बनना चाहिए। भारत के पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायडू ने विराट कोहली की जमकर तारीफ की है। रायडू ने कोहली को टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने का सुझाव भी दिया है। विराट ने आईपीएल 2026 के पहले मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 69 रनों की नाबाद पारी खेलते हुए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को छह विकेट से जीत दिलाई। विराट ने 38 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 69 रन बनाए। अपनी इस पारी में कोहली ने पांच चौके और इतने ही छक्के लगाए। आईपीएल में चेज करते हुए पूरे किए चार हजार रन आईपीएल में विराट के बल्ले से 64वां अर्धशतक निकला। कोहली आईपीएल इतिहास में रनों का पीछा करते हुए चार हजार रन पूरे करने वाले पहले बल्लेबाज भी बने। उनकी दमदार पारी के बूते आरसीबी ने 202 रनों के लक्ष्य को 15.4 ओवर में ही हासिल कर लिया। रायडू का मानना है कि विराट जिस तरह से वनडे में बल्लेबाजी कर रहे हैं और सबसे बड़ी टी20 लीग (आईपीएल) में भी अपनी फॉर्म जारी रखे हुए हैं,

वह काफी कमाल है। रायुडू बोले- कोहली का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन आना बाकी रायुडू के मुताबिक, विराट में अभी पांच से छह साल का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट बाकी है। रायुडू ने कहा, मुझे लगता है कि आईपीएल में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन आना अभी बाकी है। हमने जो देखा है, वह तो बस एक ट्रेलर है। फिटनेस उनके लिए कभी कोई दिक्कत नहीं रही है। मुझे नहीं लगता कि वह कभी अपनी फिजिकल फिटनेस या फील्ड पर धीमा होने को लेकर किसी परेशानी में पड़ेंगे। सिर्फ एक चीज जो उन्हें पीछे धकेल सकती है, वह है उनकी मानसिक स्थिति। मुझे नहीं लगता कि वह अपने करियर के अंतिम पड़ाव पर हैं। मुझे अभी भी उनके अंदर पांच से छह साल का क्रिकेट करियर दिखाई देता है। रायडू ने आगे कहा, मुझे लगता है कि उन्हें टेस्ट क्रिकेट में वापसी करनी चाहिए, उम्मीद करता हूं एक कप्तान के तौर पर। वह कम से कम भारतीय क्रिकेट में सबसे अच्छे लाल गेंद के कप्तान रहे हैं, जिन्हें मैंने देखा है। विराट को ऐसा करना चाहिए, क्योंकि जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहे हैं, मुझे लगता है कि भारतीय क्रिकेट को उनकी बहुत जरूरत है। भारत के सबसे बेहतरीन टेस्ट खिलाड़ी में एक रहे कोहली ने पिछले साल बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में खराब प्रदर्शन के बाद क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट से संन्यास का एलान कर दिया था। उन्होंने अपने टेस्ट करियर में खेले 123 मुकाबलों में 9230 रन बनाए। वहीं, टी20 अंतरराष्ट्रीय को कोहली ने टी20 विश्व कप 2024 को जीतने के बाद ही अलविदा कह दिया था।

200+ का लक्ष्य सबसे तेजी से किया हासिल, चेज करते हुए कोहली ने बनाया नया कीर्तिमान

बंगलूरू। आरसीबी ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल 2026 के पहले मैच में एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज की। आरसीबी ने 200 रनों का लक्ष्य आसानी से हासिल किया। इस दौरान विराट कोहली ने दमदार पारी खेली। गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल 2026 सीजन की धमाके दार शुरूआत की है। आरसीबी ने पहले मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद को छह विकेट से हराकर विजयी शुरूआत की। इस मैच में जैकब डफी ने जहां गेंदबाजी से कहर बरपाया, वहीं कोहली और देवदत्त पडिक्कल ने बल्ले से दम दिखाकर टीम को एकतरफा अंदाज में जीत दिलाई। कोहली ने इस दौरान बताया कि क्यों उन्हें चेज मास्टर कहा जाता है। आरसीबी ने राजस्थान को पीछे छोड़ा। बंगलूरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी हैदराबाद ने ईशान किशन (80) और अनिकेत वर्मा (43) की पारियों की मदद से 20 ओवर में नौ विकेट पर 201 रन बनाए। जवाब में आरसीबी ने 15.4 ओवर में चार विकेट पर 203 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। आईपीएल में 200+ रनों का लक्ष्य सबसे तेजी से हासिल करने का रिकॉर्ड अब आरसीबी के नाम हो गया है। आरसीबी ने इस मामले में राजस्थान रॉयल्स को पीछे छोड़ा जिन्होंने 2025 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 200+ रन का लक्ष्य 15.5 ओवर में हासिल किया था। आरसीबी की तरफ से विराट कोहली का प्रदर्शन लाजवाब रहा। उन्होंने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 38 गेंदों पर 69 रनों की दमदार पारी खेली और वह टीम को जीत दिलाकर लौटे। कोहली ने अपनी इस पारी में 181 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 5 चौके और 5 छक्के लगाए। कोहली को दूसरे छोर से देवदत्त पडिक्कल का भी अच्छा साथ मिला। पडिक्कल ने 234 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए महज 26 गेंदों में 61 रनों की विस्फोटक पारी खेली। पडिक्कल ने अपनी इस पारी में 7 चौके और 4 छक्के लगाए। फिल साल्ट के सस्ते में आउट होने के बाद कोहली-पडिक्कल ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 101 रनों की साझेदारी निभाई। सनराइजर्स के खिलाफ दूसरा सफल रन चेज आरसीबी ने इसके साथ ही सनराइजर्स के खिलाफ दूसरा सबसे सफर रन चेज किया है। इससे पहले 2014 में किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) ने इस टीम के खिलाफ 206 रन का लक्ष्य हासिल किया था। वहीं, आईपीएल में आरसीबी का यह तीसरा सबसे सफल 200+ रनों का चेज है। कोहली ने आईपीएल 2026 की यादगार शुरूआत की है। यह लगातार दूसरा मौका है जब कोहली ने आईपीएल सीजन के पहले मैच में नाबाद अर्धशतक लगाया है। इससे पहले 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ पहले मैच में कोहली ने नाबाद 59 रन बनाए थे और अब एक बार फिर उन्होंने सीजन के पहले मैच में नाबाद अर्धशतक लगाया। वहीं, कोहली आईपीएल में लक्ष्य का पीछा करते हुए चार हजार रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। कोहली रन चेज करते हुए अब तक 4027 रन बना चुके हैं जो सर्वाधिक है।

क्या मुंबई इंडियंस तोड़ पाएगी 13 साल का तिलिस्म? सीजन के ओपनिंग मैच में खराब रहा है रिकॉर्ड

मुंबइ। मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच आज आईपीएल 2026 का मुकाबला खेला जाएगा। मुंबई की टीम भले ही कागजों में मजबूत दिख रही है, लेकिन पिछले 13 साल से ये टीम आईपीएल सीजन का पहला मैच नहीं जीत सकी है। आईपीएल 2026 के दूसरे मुकाबले में रविवार को मुंबई इंडियंस की भिड़ंत कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के साथ होगी। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला मुंबई के वानखेड़े क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। मुंबई पिछले 13 साल से टूर्नामेंट में अपना पहला मुकाबला नहीं जीत सकी है और उसकी नजरें अपने होम ग्राउंड पर इस तिलिस्म को तोड़ने की होगी। आखिरी बार 2012 में जीता था ओपनिंग मैच मुंबई इंडियंस ने आईपीएल के सीजन की शुरूआत आखिरी बार जीत के साथ साल 2012 में की थी। इसके बाद से हर बार टीम को टूर्नामेंट के पहले मैच में हार का सामना करना पड़ा है। हार्दिक पांड्या की कप्तानी में मुंबई इस खराब रिकॉर्ड से इस बार पीछा छुड़ाना चाहेगी। आईपीएल 2026 में मुंबई की टीम कागज पर काफी दमदार नजर आ रही है। टीम के पास रोहित शर्मा, क्विंटन डिकॉक और रेयान रिकेल्टन के रूप में तीन धाकड़ सलामी बल्लेबाज मौजूद हैं। मुंबई का मध्य क्रम भी काफी संतुलित नजर रहा है। मध्यक्रम में टीम के पास तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पांड्या, नमन धीर के रूप में दमदार बल्लेबाज हैं। इसके साथ ही नीलामी में टीम ने शेरफेन रदरफोर्ड को भी खरीदा है, जो अकेले दम पर किसी भी मैच का रुख पलट सकते हैं। वहीं, कॉर्बिन बॉश, विल जैक्स और शार्दुल ठाकुर बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान दे सकते हैं। जैक्स की हालिया फॉर्म भी काफी शानदार रही है, लेकिन वह केकेआर के खिलाफ मैच का हिस्सा नहीं होंगे। गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह टीम के पेस अटैक की कमान संभालते नजर आएंगे। बुमराह का साथ दीपक चाहर और ट्रेंट बोल्ट देंगे। वहीं, स्पिन विभाग में टीम के पास अल्लाह गजनफर और मिचेल सैंटनर के रूप में दो अच्छे स्पिनर्स मौजूद हैं। सैंटनर भी हालांकि, इस मैच का हिस्सा नहीं होंगे। वहीं, टीम के लिए राहत की बात यह है कि स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पहले मैच से पूर्व टीम से जुड़ गए हैं। इसके साथ ही टीम के पास मयंक मारकंडे का भी विकल्प मौजूद है। केकेआर-मुंबई का हेड टू हेड रिकॉर्ड वानखेड़े के मैदान पर केकेआर के खिलाफ मुंबई इंडियंस का रिकॉर्ड भी शानदार रहा है। वानखेड़े में दोनों टीमों के बीच खेले गए पिछले 12 मुकाबलों में से केकेआर महज दो मैच ही जीत सकी है। मुंबई और केकेआर के बीच आईपीएल में अब तक कुल 35 मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें से मुंबई ने 24 मुकाबलों में जीत दर्ज की है जबकि केकेआर ने 11 मैच जीते हैं।

केकेआर के खिलाफ बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकते हैं रोहित शर्मा, वॉर्नर को पीछे छोड़ने से 11 रन दूर

मुंबई। केकेआर के खिलाफ आज के मुकाबले में 11 रन बनाते ही रोहित शर्मा बड़ी उपलब्धि हासिल कर लेंगे। वह इस टीम के खिलाफ सर्वाधिक रन बनाने के मामले में डेविड वॉर्नर को पीछे छोड़ देंगे। आईपीएल 2026 का दूसरा मुकाबला मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच रविवार को खेला जाना है। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में केकेआर के खिलाफ मुंबई का रिकॉर्ड दमदार रहा है। इस मुकाबले में रोहित शर्मा के पास एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करने का सुनहरा मौका होगा। रोहित के पास वॉर्नर से आगे निकलने का मौका दरअसल, आईपीएल

में केकेआर के खिलाफ सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड अभी डेविड वॉर्नर के नाम है। वॉर्नर ने 28 पारियों में कोलकाता के गेंदबाजी अटैक के सामने 1093 रन बनाए हैं। वहीं, इस लिस्ट में अभी रोहित दूसरे नंबर पर हैं। मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान ने 35 पारियों में 1083 रन बनाए हैं। रोहित रविवार को अगर वानखेड़े में होने वाले मुकाबले में 11 रन बनाने में सफल रहते हैं, तो वह केकेआर के खिलाफ आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। रोहित को केकेआर के खिलाफ खेलना हमेशा से ही काफी रास आता है। वह इस टीम के खिलाफ एक शतक और 6 अर्धशतक लगा चुके हैं। केकेआर और मुंबई के हेड-टू-हेड रिकॉर्ड केकेआर के खिलाफ मुंबई इंडियंस का रिकॉर्ड वानखेड़े के मैदान पर कमाल का रहा है। इस ग्राउंड पर दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 12 मैच खेले गए हैं। इसमें से 10 मुकाबले मुंबई ने जीते हैं जबकि कोलकाता नाइटराइडर्स की टीम सिर्फ दो मैच ही जीत सकी है। ओवरऑल रिकॉर्ड में भी मुंबई का पलड़ा भारी रहा है। मुंबई ने 35 मुकाबलों में से 24 में जीत दर्ज की है तो केकेआर ने सिर्फ 11 मैच जीते हैं। साल 2025 में दोनों टीमों की भिड़ंत एक बार हुई थी, जहां मुंबई इंडियंस ने 8 विकेट से जीत हासिल की थी। कैसी हैं दोनों टीमें? मुंबई की टीम इस सीजन में काफी मजबूत दिखाई दे रही है। बल्लेबाजी में रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, क्विंटन डी कॉक, रयान रिकेल्टन, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या और रदरफोर्ड के रूप में टीम के पास दमदार बैटिंग ऑर्डर मौजूद है। वहीं, गेंदबाजी में मुंबई के पास जसप्रीत बुमराह और ट्रेंट बोल्ट जैसे दो धाकड़ गेंदबाज मौजूद हैं। दीपक चाहर और शार्दुल ठाकुर भी पावरप्ले में टीम के लिए तुरुप का इक्का साबित हो सकते हैं। दूसरी ओर, कोलकाता नाइट राइडर्स का भी बैटिंग ऑर्डर दमदार दिख रहा है। टिम सीफर्ट और फिन एलन की हालिया फॉर्म कमाल की रही है। हालांकि, टीम को इस सीजन अजिंक्य रहाणे, रिंकू सिंह और रॉवमैन पॉवेल से भी शानदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। केकेआर का तेज गेंदबाजी अटैक जरूर आईपीएल 2026 में कमजोर दिखाई दे रहा है। हर्षित राणा और आकाशदीप सिंह चोट के चलते टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं।

आरसीबी के खिलाफ मिली हार के लिए डेनियल विटोरी ने इन्हें ठहराया जिम्मेदार

बंगलूरू। सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच डेनियल विटोरी आरसीबी के खिलाफ गेंदबाजों के प्रदर्शन से संतुष्ट नहीं हैं। विटोरी ने आरसीबी के खिलाफ हार के लिए गेंदबाजों को ही जिम्मेदार ठहराया है। सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच डेनियल विटोरी ने एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मिली हार के लिए गेंदबाजों के खराब प्रदर्शन को जिम्मेदार ठहराया है। आईपीएल 2026 के पहले मुकाबले में सनराइजर्स को आरसीबी के खिलाफ छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा। मैच के बाद विटोरी ने कहा कि उनकी टीम गेंदबाजी

में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई। विटोरी बोले- गेंदबाजों ने सही लाइन-लेंथ पर नहीं की गेंदबाजी विटोरी ने माना कि गेंदबाज उतने अनुशासित नहीं थे और सही लाइन-लेंथ पर गेंदबाजी नहीं कर सके, जिससे आरसीबी के बल्लेबाजों को आसानी से रन बनाने के मौके मिले। उन्होंने कहा, टीम ने शुरूआत में फिल सॉल्ट का विकेट लेकर अच्छा मौका बनाया था, लेकिन टीम के गेंदबाज उस दबाव को कायम नहीं रख सके। विराट कोहली और देवदत्त पडिक्कल ने इसके बाद आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए जीत को सनराइजर्स हैदराबाद से दूर कर दिया। विटोरी ने कहा कि आरसीबी के बल्लेबाजों ने दमदार प्रदर्शन किया, जबकि सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाजी अटैक का यह सबसे खराब प्रदर्शन में से एक रहा। सनराइजर्स हैदराबाद को नियमित कप्तान पैट कमिंस की गेंदबाजी में कमी साफतौर पर खली। डेविड पेन पूरी तरह से बेअसर दिखाई दिए और उन्होंने तीन ओवर के स्पेल में 35 रन दिए। हालांकि, वह बाद में दो विकेट निकालने में सफल रहे। विटोरी ने पेन का बचाव किया। उन्होंने कहा कि यहां की परिस्थितियां उनके लिए मुश्किल थीं। हर्ष दुबे और अनिकेत को सराहा विटोरी ने युवा स्पिनर हर्ष दुबे की तारीफ की, जिन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया और एक अहम विकेट लिया। उन्होंने कहा कि दुबे आगे टीम के लिए अहम खिलाड़ी बन सकते हैं। विटोरी ने कहा कि एम. चिन्नास्वामी की मुश्किल पिच पर भी हर्ष ने अच्छे कंट्रोल के साथ गेंदबाजी की। हार के बावजूद विटोरी ने टीम के बल्लेबाजों की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि हमारे बल्लेबाजी क्रम में काफी गहराई है। सनराइजर्स हैदराबाद के हेड कोच ने 18 गेंदों में 43 रनों की दमदार पारी खेलने वाले अनिकेत वर्मा की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि अनिकेत ने सातवें नंबर पर आकर जिस तरह की बल्लेबाजी की वह शानदार रहा।

एकादशी पर निकली भव्य खाटू श्याम शोभा यात्रा

बाराबंकी/लखनऊ (संवाददाता)। जनपद के फतेहपुर में रविवार को एकादशी के अवसर पर खाटू श्याम की भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। रामनेवाजपुरवा से शुरू हुई इस यात्रा में क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। महिला, पुरुष, बच्चे और युवा सभी ने इस आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। यह शोभा यात्रा रामनेवाजपुरवा से शुरू होकर ब्लॉक चौराहा, तहसील चौराहा और सिहाली रोड जैसे प्रमुख मार्गों से गुजरी। यात्रा का समापन खाटू श्याम मंदिर, सधईपुरवा में हुआ। मार्ग में जगह-जगह स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों ने यात्रा का भव्य स्वागत किया। श्रद्धालुओं के लिए जलपान, शरबत और प्रसाद की भी व्यवस्था की गई थी। यात्रा में सजे-धजे रथ, आकर्षक झांकियां और ध्वज (निशान) मुख्य आकर्षण का केंद्र रहे। ढोल-नगाड़ों और डीजे की धुन पर भक्तगण भजनों पर झूमते और नृत्य करते हुए आगे बढ़ रहे थे। महिलाएँ और बच्चे भी भक्तिभाव से भजन-कीर्तन में शामिल हुए। आयोजन के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने में स्थानीय प्रशासन और स्वयंसेवकों ने सक्रिय भूमिका निभाई। सधईपुरवा स्थित खाटू श्याम मंदिर पहुँचने पर श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से बाबा को निशान अर्पित किए।

मदरहुड ने बदली कियारा आडवाणी की जिंदगी

कहा-मां बनने के बाद शेरनी की तरह महसूस करती हूं..

एक्ट्रेस कियारा आडवाणी मां बनने के बाद काम पर लौट आई हैं। मां बनने के एक्ट्रेस और भी खूबसूरत हो गई हैं। बेटी के जन्म के बाद उनके सिर्फ लुक में ही बदलाव नहीं आया, बल्कि जिंदगी को देखने का नजरिया भी बदल गया है। कियारा का मानना है कि मदरहुड के बाद उनकी जिंदगी में कई बदलाव आए हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में कियारा ने खुलकर बताया कि मदरहुड ने उनकी सोच और जिंदगी को कैसे बदला है। हाल ही में एक इंटरव्यू में कियारा आडवाणी ने बताया कि मां बनने के बाद वो पहले से ज्यादा मजबूत और प्रोटेक्टिव हो गई हैं। अब वो खुद को एक शेरनी की तरह महसूस करती हैं। उनका जिंदगी को देखने का नजरिया पूरी तरह बदल चुका है। एक तरफ लगता है कि कुछ भी इतना जरूरी नहीं और दूसरी तरफ हर छोटी चीज भी मायने रखने लगती है। उन्होंने कहा शादी से पहले और अब भी उनकी और सिद्धार्थ मल्होत्रा की बॉन्डिंग वैसी ही बनी हुई है। दोनों साथ में घूमना, फिल्में देखना और उन पर बातें करना आज भी उतना ही एंजॉय करते हैं। बता दें, मां बनने के बाद कियारा जल्द ही फिल्म टॉक्सिक के जरिए बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं, जिसमें वो नादिया का किरदार निभाएंगी। फिल्म में उनके साथ साउथ स्टार यश, नयनतारा, हुमा कुरैशी और रुक्मिणी वसंत नजर आएंगे। फिल्म जल्द ही यानी 4 जून, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मनोरंजन जगत से आई बुरी खबर, फेमस एनिमेटर और निर्देशक का 68 साल की उम्र में निधन

प्रसिद्ध एनिमेटर और निर्देशक बैरी काल्डवेल अब इस दुनिया में नहीं रहे। उनका 68 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। उन्होंने एनिमेनियाक्स और पिंकी एंड द ब्रेन जैसे लोकप्रिय शो के जरिए एनिमेशन की दुनिया में खास पहचान बनाई थी। उनके निधन की खबर उनके करीबी दोस्त और साथी एनिमेटर पॉल डिनी ने सोशल मीडिया पर शेयर की, जिसके बाद इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई। एनिमेटर डिनी ने अपने पुराने दोस्त बैरी काल्डवेल को याद करते हुए अपनी फेसबुक पोस्ट में लिखा-

बैरी काल्डवेल से करियर की शुरूआत में मिला था। एक कार्टूनिस्ट, डिजाइनर और डायरेक्टर के तौर पर वह बहुत टैलेंटेड थे। पूरी इंडस्ट्री में उनका सम्मान था। जब डैन हैस्केट ने आज मुझे बताया कि बैरी नहीं रहे, तो ऐसा लगा जैसे मेरे भीतर कुछ खत्म हो गया हो। डिनी ने आगे लिखा-बैरी की तारीफ हर कोई करता है, हर कोई उनको पसंद करता है। इस लिस्ट में मैं भी शामिल हूं। सच में तुम्हारी बहुत याद आएगी, दोस्त। बैरी काल्डवेल ने एनिमेशन की पढ़ाई स्कूल ऑफ विजुअल आर्ट्स से की थी और 1980 के दशक में फैट अल्बर्ट एंड द कॉस्बी किड्स के साथ अपने करियर की शुरूआत की। इसके बाद उन्होंने कई बड़े स्टूडियो जैसे वार्नर ब्रदर्स एनिमेशन, वॉल्ट डिज्नी टेलीविजन और ड्रीमवर्क्स के साथ काम किया। अपने करियर में उन्होंने कई यादगार प्रोजेक्ट्स में योगदान दिया बैरी काल्डवेल का नाम कई लोकप्रिय एनिमेटेड शोज से जुड़ा रहा, जिनमें द स्मर्फ्स, ही-मैन एंड द मास्टर्स ऑफ द यूनिवर्स, द टॉम एंड जेरी कॉमेडी शो और चिप एन डेल रेस्क्यू रेंजर्स शामिल हैं। इसके अलावा उन्होंने टिनी टून एडवेंचर्स, द टाइगर मूवी, ओस्मोसिस जोन्स, किम पॉसिबल और ड्रीमवर्क्स ड्रैगन्स जैसे प्रोजेक्ट्स में भी अहम भूमिका निभाई।

धुरंधर 2 को बताया प्रोपेगेंडा फिल्म

जमकर ट्रोल हुई अनीत पड्डा की बहन रीत; अब उठाया ये बड़ा कदम

फिल्म सैयारा से लाइमलाइट में आई अनीत पड्डा की एक बहन भी है जिसका नाम रीत पड्डा है। रीत ने फिल्म धुरंधर 2 को प्रोपेगेंडा फिल्म बताया था, इसके बाद उनकी जमकर ट्रोलिंग हुई। इससे परेशान होकर रीत पड्डा ने एक बड़ा कदम उठा लिया है। रणवीर सिंह स्टारर और आदित्य धर निर्देशित फिल्म धुरंधर 2 ने रिलीज के दसवें दिन 800 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। फिल्म बॉक्स

ऑफिस पर हिट है, साथ ही इसकी कई लोग आलोचना भी कर रहे हैं। हाल ही में सैयारा फेम एक्ट्रेस अनीत पड्डा की बहन रीत पड्डा ने धुरंधर 2 को प्रोपेगेंडा मूवी बताया है। इसके बाद उनकी जमकर ट्रोलिंग हुई, जिससे तंग आकर अनीत की बहन से अपना इंस्टाग्राम अकाउंट ही डिलीट कर दिया है। नहीं दिख रहा इंस्टाग्राम अकाउंट कुछ दिन पहले ही रीत पड्डा ने फिल्म धुरंधर 2 को लेकर अपने विचार सोशल मीडिया पर साझा किए थे। उन्होंने एक यूजर को जवाब देते हुए फिल्म धुरंधर 2 को एक प्रोपेगेंडा फिल्म कहा था। रीत का मानना था 'धुरंधर 2 सरकार समर्थक कहानी के रूप में काम करती है। जिसमें राजनीतिक भाषणों का इस्तेमाल किया गया है। नोटबंदी जैसी छोटी-मोटी गड़बड़ को जायज ठहराया गया है। वह कहती हैं, इसे प्रोपेगेंडा ही कहते हैं। लेकिन शायद प्रचार की आपकी परिभाषा अलग हो।' रीत ने कश्मीर फाइल्स और द केरल स्टोरी 2 जैसी फिल्मों को भी निशाने पर लिया था। इसके बाद रीत पड्डा की काफी ट्रोलिंग हुई। अब उनका इंस्टाग्राम अकाउंट सर्च करने पर नहीं दिख रहा है। क्या करती हैं रीत पड्डा? अनीत पड्डा तो बॉलीवुड में सक्रिय हैं, वहीं उनकी बहन रीत पेरिस में मार्केटिंग एक्सपर्ट के रूप में काम करती हैं। उनके लिंक्डइन प्रोफाइल के मुताबिक वह मानवाधिकार और नागरिक अधिकार कार्यकर्ता भी हैं। इस वक्त रीत पड्डा सोशल मीडिया पर खूब ट्रेंड कर रही हैं, कई नेटिजंस उनको सपोर्ट भी कर रहे हैं।

बिमल ओबेरॉय को धुरंधर 2 में ऐसे मिला था शिरानी का रोल

एक्टर ने किया खुलासा; कहा- कई महीनों तक दिए ऑडिशन'

धुरंधर 2 फिल्म रिलीज के बाद से ही सुर्खियों में है। फिल्म में बिमल ओबेरॉय ने शिरानी का किरदार निभाया है। हाल ही में उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें ये रोल कैसे मिला। धुरंधर 2 बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई कर रही है। फिल्म में एक्टर्स की कास्टिंग भी काफी सटीक हुई है। फिल्म में बिमल ओबेरॉय ने शिरानी का किरदार निभाया है। हाल ही में उन्होंने अपने किरदार और फिल्म से जुड़े काफी दिलचस्प किस्से शेयर किए हैं। रोल के

लिए कई बार दिए ऑडिशन बिमल ओबेरॉय ने फरीदून शहरयार के साथ एक इंटर्व्यू में फिल्म को लेकर खुलकर बातचीत की। उन्होंने ये भी बताया कि उन्हें ये रोल कैसे मिला। ओबेरॉय ने बताया कि फिल्म धुरंधर में अपना रोल पाने के लिए उन्हें काफी मेहनत और इंतजार करना पड़ा। उन्होंने कहा, फिल्म का काफी हिस्सा पहले ही शूट हो चुका था और वे इस किरदार के लिए किसी को ढूंढ रहे थे। मैंने कई महीनों तक कई बार ऑडिशन दिया। वे मेरा ऑडिशन देखकर फीडबैक देते, फिर मुझे दोबारा बुलाते, ये सिलसिला चलता रहा। फिर मेरी मुलाकात आदित्य धर से हुई और उन्होंने मुझसे कहा कि मैं असली दाढ़ी बढ़ाऊं और सिर मुंडवा लूं। मैंने तुरंत हां कह दी, क्योंकि ये बहुत शानदार रोल था। इसके लिए मैंने काफी तैयारी भी की। 2018 में दोबारा एक्टिंग शुरू करने के बाद ये बड़ा मौका मिला। 'धुरंधर 2' बॉक्स ऑफिस पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है। यह फिल्म हाल के दिनों की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक बनकर उभरी है। भारत में इसने खबर लिखे जाने तक नेट 715.92 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। मूवी में रणवीर सिंह, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, राकेश बेदी और सारा अर्जुन नजर आए हैं।

विजय वर्मा के जन्मदिन पर सरप्राइज

17 अप्रैल को रिलीज होगी महत्वाकांक्षा और पावर की कहानी मटका किंग

प्राइम वीडियो, जो इंडिया का सबसे पसंदीदा एंटरटेनमेंट डेस्टिनेशन है, उसने आज विजय वर्मा के बर्थडे पर उनकी आने वाली ओरिजिनल ड्रामा सीरीज मटका किंग की वर्ल्डवाइड प्रीमियर डेट 17 अप्रैल अनाउंस कर दी है। अभय कोरन्ने की लिखी और नागराज पोपटराव मंजुले की बनाई और डायरेक्ट की गई ये सीरीज 1960 के दशक के बदलते बॉम्बे पर बेस्ड है। ये कहानी एक कॉटन ट्रेडर के इर्द-गिर्द घूमती है जो मटका नाम का एक नया जुआ सिस्टम शुरू करता है और अमीरों के इस शौक को पूरे देश में फैला देता है। इसे सिद्धार्थ रॉय कपूर, नागराज पोपटराव मंजुले, गार्गी कुलकर्णी, अश्विनी सिदवानी और आशीष आर्यन ने रॉय कपूर फिल्म्स, आटपाट और एसएमआर प्रोडक्शंस के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। मटका किंग में विजय वर्मा, कृतिका कामरा, सई ताम्हणकर, सिद्धार्थ जाधव, भूपेंद्र जादावत और गुलशन ग्रोवर लीड रोल्स में हैं। इनके साथ ही विनीत कुमार सिंह, भरत जाधव, गिरीश कुलकर्णी, जेमी लीवर, किशोर कदम, साइरस साहूकार, अर्पिता सेठिया, संभाजी तांगड़े, इश्तियाक खान, संजीव जोटांगिया और सिमरन अश्विनी भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। ये सीरीज 17 अप्रैल को भारत और दुनिया के 240 से ज्यादा देशों में सिर्फ प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। मटका किंग की कहानी ब्रिज भट्टी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसका किरदार विजय वर्मा ने निभाया है। वह 1960 के दशक के बदलते बॉम्बे में अपनी पहचान और इज्जत बनाने की कोशिश में जुटा एक तेज दिमाग और मेहनती कॉटन ट्रेडर है। भीड़भाड़ वाले बाजारों, चॉलों और बदलती पावर डायनेमिक्स के बीच सेट यह कहानी एक महत्वाकांक्षी आइडिया से शुरू होती है, जो धीरे-धीरे अपनी एक अलग पहचान बना लेता है और समाज के हर तबके के लोगों को अपनी ओर खींचने लगता है। जैसे-जैसे उम्मीदें और दांव बढ़ते जाते हैं, यह सीरीज महत्वाकांक्षा, ताकत और अपनी जगह बनाने की एक रोमांचक कहानी के रूप में सामने आती है। प्राइम वीडियो इंडिया के ओरिजिनल्स हेड और डायरेक्टर निखिल मधोक ने कहा, मटका किंग एक ऐसे आदमी की दिलचस्प कहानी है जो बदलते वक्त के साथ हर मुश्किल से लड़कर कामयाब होने की कोशिश करता है, और इसे इस तरह से पेश किया गया है कि दर्शक हैरान रह जाएंगे। ब्रिज भट्टी का मटका किंग बनने का सफर जितना शानदार है, उतना ही एक सबक भी देता है। हम रॉय कपूर फिल्म्स, आटपाट और एसएमआर प्रोडक्शंस के साथ मिलकर इस बोल्ड कहानी को 17 अप्रैल को दुनियाभर के दर्शकों तक पहुँचाने के लिए बहुत एक्साइटेड हैं। मटका किंग के को-प्रोड्यूसर सिद्धार्थ रॉय कपूर ने बताया, हमें इस सीरीज की ओर जिस चीज ने सबसे ज्यादा खींचा, वो था इसका बड़े स्तर पर बनाया गया अनोखा वर्ल्ड और एक ऐसे इंसान की कहानी, जो तेजी से बदलते समाज में अपनी महत्वाकांक्षा, पहचान और सम्मान के लिए संघर्ष करता है। हालांकि यह कहानी एक खास समय और जगह की है, लेकिन इंसानी सपनों और फैसलों की जो इसमें झलक दिखती है, उससे हर कोई खुद को जोड़ पाएगा। नागराज पोपटराव मंजुले के साथ काम करना काफी सुखद रहा, जिनके काम का मैं हमेशा से कायल रहा हूँ। साथ ही, टैलेंटेड अभय कोरन्ने, जिनके साथ हमने पहले भी सफल काम किया है, उन्होंने कहानी कहने के तरीके में एक अलग क्रिएटिव विजन और सच्चाई भरी है। विजय वर्मा, कृतिका कामरा और गुलशन ग्रोवर जैसे शानदार कलाकारों ने इस सीरीज में जान फूँक दी है।

कई बातों को संभालना मुश्किल.. टटिहरी सॉन्ग के विवाद पर बादशाह ने तोड़ी चुप्पी, कहा-जिंदगी जितनी परफेक्ट दिखती, उतनी होती नहीं

फेमस रैपर और सिंगर बादशाह अपने गाने टटिहरी को लेकर खूब विवादों में आए। वहीं इन विवादों के बीच बादशाह ने गुपचुप दूसरी शादी रचाकर सबको हैरान कर दिया है। वहीं, अब शादी के बाद सिंगर ने अब हाल ही में टटिहरी विवाद पर अपनी चुप्पी तोड़ी है और बताया कि ये समय उनके लिए कितना मुश्किल रहा है। हाल ही में बादशाह ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक लंबा नोट शेयर किया और लिखा कि पिछले कुछ हफ्तों ने उन्हें ऐसे हालात में डाल दिया, जिसके लिए वो पूरी तरह तैयार नहीं थे। बाहर से उनकी जिंदगी जितनी परफेक्ट दिखती है, असल में उतनी आसान नहीं होती। कैमरों के पीछे कई ऐसी बातें होती हैं, जिन्हें संभालना मुश्किल होता है। बादशाह ने आगे कहा इस दौरान वो काफी कुछ सोचते रहे और खुद को समझने की कोशिश करते रहे। हालांकि, लंदन के o2 एरिना में परफॉर्म करते वक्त उन्हें फैंस का जबरदस्त प्यार मिला, जिसने उन्हें फिर से हिम्मत दी। स्टेज पर जाते ही फैंस की एनर्जी, उनकी आवाजें और उनका सपोर्ट उन्हें याद दिला गया कि वो कौन हैं और इस सफर का मकसद क्या है। बता दें, टटिहरी सॉन्ग को लेकर बादशाह को काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। विवाद बढ़ता देख उन्होंने सोशल मीडिया पर माफी भी मांगी थी। वहीं, इन सबके उन्होंने पंजाबी एक्ट्रेस ईशा रिखी संग दूसरी शादी कर सबको हैरान कर दिया। पहली वाइफ से तलाक के 6 साल बाद बादशाह ने गुपचुप दूसरी शादी रचाई, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुईं।

विद्युत विभाग ने चलाया चेकिंग अभियान,बड़े बकायेदारों से वसूला बकाया, कनेक्शन कटे

बाराबंकी/लखनऊ (संवाददाता)। विद्युत विभाग ने तहसील सिरौली गौसपुर क्षेत्र में बड़े बकायेदारों के खिलाफ सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान एक लाख से अधिक रुपये का बकाया बिल जमा करवाया गया और कई उपभोक्ताओं के कनेक्शन भी काट दिए गए।रविवार को सिरौली गौसपुर विद्युत उपकेंद्र के अवर अभियंता राज मौर्य और सत्यवान के नेतृत्व में दो टीमें गठित की गईं। इन टीमों ने विभिन्न गांवों में पहुंचकर विद्युत कनेक्शनों की जांच की और बकाया बिलों की वसूली की। राज मौर्य के नेतृत्व वाली टीम में टीजी2 अम्तेश, पंकज और संविदा कर्मी अशोक शामिल थे। इस टीम ने सिरौली गौसपुर के किंतूर बकाया जमा करवाया। वहीं, सत्यवान के नेतृत्व में टीजी2 अतुल सिंह, पप्पू और राजकुमार की टीम ने बदोसराय और रसूलपुर में चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान करीब 1 लाख रुपये से अधिक का बकाया बिल जमा करवाया गया और लगभग आधा दर्जन कनेक्शन भी काटे गए। विद्युत विभाग मार्च के अंतिम माह से ही वाणिज्यिक और घरेलू उपभोक्ताओं के प्रतिष्ठानों व घरों पर पहुंचकर चेकिंग अभियान चला रहा है। बड़े बकायेदारों से बकाया जमा करने को कहा जा रहा है, और भुगतान न करने वालों के कनेक्शन काटे जा रहे हैं। अवर अभियंता राज मौर्य ने बताया कि बकाया सूची में शामिल उपभोक्ताओं से संपर्क कर वसूली की जा रही है। उन्होंने सभी बकायेदारों से अपील की कि वे जल्द से जल्द अपना बकाया जमा करें, ताकि उन्हें विद्युत आपूर्ति निर्बाध रूप से मिलती रहे।

ईरान का बहरीन के एल्युमिनियम प्लांट पर हमला

दो कर्मचारी घायल; आईआरजीसी ने ली जिम्मेदारी

मनामा (एजेंसी)। बहरीन की प्रमुख एल्युमिनियम कंपनी एल्युमिनियम बहरीन (अल्बा) के औद्योगिक प्लांट पर हुए हमले ने क्षेत्र में तनाव बढ़ा दिया है। इस हमले में कंपनी के दो कर्मचारी घायल हुए हैं, जबकि ईरान की IRGC ने इसकी जिम्मेदारी लेते हुए बड़े हमले का दावा किया है। बहरीन की प्रमुख औद्योगिक कंपनी एल्युमिनियम बहरीन (अल्बा) ने रविवार को पुष्टि की कि उसके औद्योगिक संयंत्र को शनिवार को हुए हमले में निशाना बनाया गया। इस घटना में कंपनी के दो कर्मचारियों को मामूली चोटें आई हैं। बहरीन न्यूज एजेंसी (BNA) के मुताबिक, कंपनी ने अपने बयान में कहा कि कर्मचारियों की सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और घायल कर्मचारियों को तत्काल चिकित्सा सहायता दी गई है। कंपनी ने यह भी बताया कि फिलहाल प्लांट को हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। साथ ही, संचालन को सामान्य बनाए रखने और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास जारी हैं। अल्बा के बयान में कहा गया कंपनी के कर्मचारियों की सुरक्षा हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है और इस हमले में हमारे दो कर्मचारी घायल हुए हैं कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया कि जैसे-जैसे नई जानकारी सामने आएगी, उसे साझा किया जाएगा। इस बीच, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। ईरानी सरकारी मीडिया IRGC के अनुसार, आईआरजीसी ने दावा किया कि उसने बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात में स्थित प्रमुख औद्योगिक इकाइयों को निशाना बनाया। आईआरजीसी के बयान में कहा गया कि उसकी एयरोस्पेस और नौसेना बलों ने मिसाइल और ड्रोन के जरिए एक संयुक्त अभियान चलाया। इस अभियान में वअए के अमीरात ग्लोबल एल्युमिनियम (एटअछ) और बहरीन के एल्युमिनियम बहरीन (अ्) प्लांट को टारगेट किया गया। अमेरिकी सैन्य उद्योग से जुड़ाव का आरोप IRGC ने आरोप लगाया कि ये औद्योगिक इकाइयां अमेरिकी रक्षा और एयरोस्पेस उद्योग से जुड़ी हैं। संगठन के अनुसार, ये संयंत्र अमेरिकी सैन्य उत्पादन को अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन देते हैं। ईरान ने यह भी कहा कि यह कार्रवाई उसके औद्योगिक ढांचे पर हुए कथित ₹अमेरिकी-जायोनी₹ हमलों के जवाब में की गई है। IRGC ने चेतावनी दी है कि उसकी जवाबी कार्रवाई आगे और भी तेज हो सकती है। इस बयान से संकेत मिल रहे हैं कि क्षेत्र में संघर्ष और बढ़ सकता है। पश्चिम एशिया में पहले से ही तनावपूर्ण स्थिति के बीच, इस तरह के हमले क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय बनते जा रहे हैं। हाल के दिनों में कई देशों में रणनीतिक ढांचों पर हमलों की खबरें सामने आई हैं, जिससे हालात और संवेदनशील हो गए हैं।

विदेशी मेहमानों के स्वागत में रेड कार्पेट पर फिसले पाकिस्तानी विदेश मंत्री डार, वीडियो हुआ वायरल

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार रेड कार्पेट पर फिसल गए। सऊदी और मिस्र के मंत्रियों का स्वागत करते समय यह हादसा हुआ। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार के साथ एक अनएक्सपेक्टेड और हास्यास्पद पल सामने आया। विदेश मंत्री जब सऊदी अरब और मिस्र के विदेशी मेहमानों का स्वागत कर रहे थे, तभी वह रेड कार्पेट

पर फिसलकर गिर गए। घटना के दौरान उन्हें कोई गंभीर चोट नहीं आई। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और यूजर्स के बीच चर्चा का विषय बन गया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि डार जैसे ही विदेशी मेहमानों की ओर बढ़ते हैं, अचानक संतुलन खो देते हैं और जमीन पर गिर जाते हैं। घटना के तुरंत बाद डिप्टी पीएम ने संभलते हुए स्वागत समारोह जारी रखा और सभी मेहमानों का सम्मानपूर्वक अभिवादन किया। ईरान युद्ध के बीच शांति स्थापित करने की पहल हाल ही में ईरान युद्ध से उत्पन्न तनाव का असर वैश्विक स्तर पर महसूस किया जा रहा है। पेट्रोल और गैस की बढ़ती कीमतों ने आम जनता और सरकारों दोनों की चिंता बढ़ा दी है। ऐसे में कई देश इस स्थिति को स्थिर करने के प्रयास में जुटे हैं। इसी कड़ी में पाकिस्तान ने खुद को शांति स्थापित करने वाला देश साबित करने की कोशिश की। इस उद्देश्य से इस्लामाबाद में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें सऊदी अरब, तुर्की और मिस्र के विदेश मंत्री शामिल हुए।

पश्चिम एशिया युद्ध में हूती विद्रोहियों की भी एंट्री

वैश्विक शिपिंग और तेल सप्लाई पर मंडराया खतरा

दुबई (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में युद्ध अब और गंभीर होता जा रहा है। ईरान समर्थित हूती विद्रोही शामिल होने से तेल, गैस सप्लाई और वैश्विक व्यापार पर गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। क्या इस संघर्ष से अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा और बाजार स्थिरता भी प्रभावित होगी? पश्चिम एशिया में जारी युद्ध अब और जटिल होता जा रहा है। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के इस संघर्ष में शामिल होने से वैश्विक व्यापार, तेल सप्लाई और समुद्री सुरक्षा पर गंभीर खतरा पैदा हो गया है। ईरान समर्थित हूती समूह ने दावा किया है कि उन्होंने इस्राइल पर मिसाइल

हमले किए हैं। इस घटनाक्रम के साथ ही युद्ध को एक महीना पूरा हो चुका है और अब यह संघर्ष क्षेत्रीय से वैश्विक असर दिखाने लगा है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर हूती विद्रोही फिर से रेड सी और बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य में जहाजों को निशाना बनाते हैं, तो दुनिया के करीब 12% व्यापार पर असर पड़ सकता है। तेल और गैस सप्लाई पर असर इस युद्ध के कारण पहले ही तेल और प्राकृतिक गैस की सप्लाई प्रभावित हो चुकी है। उर्वरकों की कमी और हवाई यात्रा में बाधाएं भी सामने आई हैं। ईरान के होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण ने बाजारों में अस्थिरता बढ़ा दी है, जिससे कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल की सैन्य कार्रवाई जारी अमेरिका और इस्राइल लगातार ईरान के सैन्य ठिकानों पर हमले कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक 11,000 से अधिक हमले किए जा चुके हैं। वहीं, ईरान भी मिसाइल और ड्रोन के जरिए जवाबी कार्रवाई कर रहा है, जिससे खाड़ी देशों में भी सुरक्षा अलर्ट जारी है। विश्वविद्यालयों को भी निशाना बनाने की धमकी तनाव के बीच ईरान ने पहली बार क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी और इस्राइली विश्वविद्यालयों को भी निशाना बनाने की चेतावनी दी है। इससे स्थिति और गंभीर हो गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर हूती विद्रोही फिर से जहाजों पर हमले बढ़ाते हैं, तो इससे न केवल तेल कीमतें बढ़ेंगी, बल्कि वैश्विक समुद्री सुरक्षा भी अस्थिर हो जाएगी। बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य, जो स्वेज नहर के लिए अहम रास्ता है, इस समय सबसे संवेदनशील क्षेत्र बना हुआ है। इस संघर्ष में अब तक 3,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। गाजा, लेबनान और ईरान के कई हिस्सों में हमले जारी हैं।

किचन स्पंज से निकल रहा माइक्रोप्लास्टिक बना खतरा, बर्तन धोने का पानी भी बढ़ा रहा प्रदूषण

नई दिल्ली (एजेंसी)। किचन स्पंज और बर्तन धोने का पानी पर्यावरण के लिए खतरा बन रहे हैं। अध्ययन में सामने आया कि स्पंज से निकलने वाला माइक्रोप्लास्टिक भोजन तक पहुंच सकता है। रसोई में रोज इस्तेमाल होने वाला साधारण किचन स्पंज अब बड़े पर्यावरणीय खतरे के रूप में सामने आया है। प्रतिष्ठित जर्नल एनवायर्नमेंटल एडवांसेज में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार बर्तन धोते समय स्पंज के घिसने से हर साल प्रति

व्यक्ति 0.68 ग्राम से 4.21 ग्राम तक माइक्रोप्लास्टिक निकल सकता है, जो पानी के साथ बहकर नदियों, मिट्टी और खाद्य श्रृंखला तक पहुंच रहा है। अध्ययन यह भी स्पष्ट करता है कि बर्तन धोने से पर्यावरण पर पड़ने वाले कुल प्रभाव में बड़ा योगदान माइक्रोप्लास्टिक के साथ पानी की अत्यधिक खपत भी है, जो कुल प्रभाव का 85 से 97 प्रतिशत तक हिस्सा बनाती है। अध्ययन में सामने आया है कि किचन स्पंज उपयोग के दौरान धीरे-धीरे घिसता है और इसी प्रक्रिया में प्लास्टिक के अत्यंत सूक्ष्म कण निकलते हैं, जिन्हें माइक्रोप्लास्टिक कहा जाता है। ये कण इतने छोटे होते हैं कि आंखों से दिखाई नहीं देते, लेकिन पानी के साथ बहकर नालों, नदियों और मिट्टी में पहुंच जाते हैं। अंततः ये खाद्य श्रृंखला में प्रवेश कर मानव शरीर तक भी पहुंच सकते हैं। वैज्ञानिकों ने पहले ही मानव रक्त और शरीर के विभिन्न अंगों में माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी के प्रमाण पाए हैं, जिससे इस अदृश्य प्रदूषण को लेकर चिंता और बढ़ गई है। हर साल कई टन माइक्रोप्लास्टिक मिलता है पानी में जर्मनी और उत्तरी अमेरिका के कई घरों में वास्तविक परिस्थितियों में अध्ययन किया गया।

ब्रिटेन के डर्बी में अनियंत्रित कार ने पैदल जा रहे लोगों को रौंदा; कई की हालत गंभीर

डर्बी (एजेंसी)। ब्रिटेन के डर्बी में शनिवार रात एक काले रंग की कार ने कई पैदल यात्रियों को रौंद दिया, जिससे कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मामले में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के बाद इलाके को बंद कर दिया गया है और मामले की जांच जारी है। ब्रिटेन के डर्बी शहर में शनिवार की शाम एक बड़ी घटना हुआ। यहां शहर के बीचों-बीच एक कार ने कई पैदल यात्रियों को रौंदा दिया। पुलिस ने इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। इस घटना में कई लोग घायल हुए हैं। इनमें से कुछ लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों को पहले मौके पर ही प्राथमिक उपचार दिया गया और फिर उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह घटना रात करीब 9:30 बजे फ्रायर गेट इलाके में हुई। इस घटना में एक काले रंग की सुजुकी स्विफ्ट कार शामिल थी। डबीर्शायर पुलिस ने बताया कि अधिकारियों ने तुरंत उस गाड़ी को रोक लिया जिस पर शक था। पुलिस ने कार चला रहे 30 साल के एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। वह व्यक्ति अभी पुलिस की हिरासत में है। पुलिस ने लोगों को भरोसा दिलाया है कि अब जनता के लिए कोई खतरा नहीं है। हालांकि, जांच जारी रहने तक लोगों को उस इलाके से दूर रहने के लिए कहा गया है। सुरक्षा के लिहाज से फ्रायर गेट को कर्जन स्ट्रीट और चीपसाइड के जंक्शन से लेकर फोर्ड स्ट्रीट तक बंद कर दिया गया है।

ट्रंप की बढ़ी टेंशन, उत्तर कोरिया ने अमेरिका तक मार करने वाले मिसाइल इंजन का किया परीक्षण

सियोल (एजेंसी)। उत्तर कोरिया ने एक नए हाई-थ्रस्ट सॉलिड-फ्यूल मिसाइल इंजन का परीक्षण किया है। नेता किम जोंग उन ने इसे देश की सैन्य क्षमता बढ़ाने की दिशा में अहम बताया। यह परीक्षण उत्तर कोरिया की मारक क्षमता बढ़ाने की कोशिशों का हिस्सा है। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने एक नए और शक्तिशाली मिसाइल इंजन के परीक्षण का जायजा लिया। सरकारी मीडिया ने रविवार को इसकी जानकारी दी। यह इंजन एक अपग्रेडेड, हाई-थ्रस्ट, सॉलिड-फ्यूल पर आधारित है और इसकी ताकत पहले से कहीं ज्यादा है। किम जोंग उन ने इसे देश की सैन्य शक्ति बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है। इस परीक्षण का मकसद ऐसी मिसाइलें बनाना है जो अमेरिका और उसके सहयोगियों को निशाना बना सकें। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन मिसाइलों को पहचानना और रोकना बहुत मुश्किल है। रिपोर्ट्स में किया गया दावा कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के अनुसार, यह इंजन कार्बन फाइबर से बना है। इस इंजन की अधिकतम ताकत 2,500 किलोटन मापी गई है। इससे पहले सितंबर में हुए परीक्षण में यह ताकत 1,970 किलोटन थी। यह टेस्ट देश के पांच साल के हथियार विकास कार्यक्रम का हिस्सा है। इसका लक्ष्य परमाणु क्षमता वाली बैलिस्टिक मिसाइलों को और आधुनिक बनाना है। किम जोंग उन ने

कहा कि इस टेस्ट से देश की रणनीतिक ताकत सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है। हालांकि, यह टेस्ट कब और कहां हुआ, इसकी सटीक जानकारी नहीं दी गई है। क्या बोले विशेषज्ञ? कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि उत्तर कोरिया के दावे बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए गए हो सकते हैं। दक्षिण कोरिया के एक शोधकर्ता ली चुन ग्यून ने कहा कि उत्तर कोरिया इसमें कुछ बातें छिपा रहा है। उन्होंने इंजन के जलने के कुल समय जैसी जरूरी जानकारी नहीं दी है। उत्तर कोरिया ने सितंबर के परीक्षण को सॉलिड-फ्यूल इंजन का नौवां और अंतिम ग्राउंड परीक्षण बताया था, और पहले कहा था कि इस इंजन का उपयोग इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइलों (क्बइट) के लिए किया जाएगा। उस समय पर्यवेक्षकों ने अनुमान लगाया था कि उत्तर कोरिया जल्द ही उस इंजन से लैस एक क्बइट का परीक्षण-प्रक्षेपण करेगा, लेकिन उसने अभी तक ऐसा नहीं किया है। अमेरिका की रक्षा तंत्र के लिए खतरा विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया के इस कार्यक्रम में कुछ देरी हो रही है। यह भी संभव है कि वह रूस की तकनीकी मदद से बेहतर इंजन बना रहा हो। हाल के समय में रूस और उत्तर कोरिया के बीच संबंध गहरे हुए हैं। उत्तर कोरिया ने यूक्रेन युद्ध में रूस की मदद के लिए अपने सैनिक और हथियार भी भेजे हैं। ठोस ईंधन वाले इंजन से उत्तर कोरिया छोटी मिसाइलें भी बना सकता है। इन्हें पनडुब्बियों या मोबाइल ट्रकों से लॉन्च करना आसान होगा। जो कि अमेरिका के रक्षा तंत्र के लिए खतरा बढ़ाएगा। उत्तर कोरिया ने पिछले कुछ वर्षों में कई मिसाइलों का परीक्षण किया है। ये मिसाइलें अमेरिका तक पहुंचने की क्षमता रखती हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया को अभी भी कुछ तकनीकी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इसमें सबसे बड़ी चुनौती मिसाइल के वारहेड को वायुमंडल में दोबारा प्रवेश कराते समय सुरक्षित रखना है। साल 2019 में डोनाल्ड ट्रंप के साथ बातचीत विफल होने के बाद से किम जोंग उन अपना परमाणु भंडार बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं।

विदेश मंत्री ने ईंधन नाकेबंदी को लेकर यूएस पर निशाना साधा, यूएन ने भी जताई चिंता

हवाना (एजेंसी)। अमेरिका द्वारा क्यूबा की आर्थिक नाकेबंदी की क्यूबा की सरकार ने कड़ी निंदा की है। क्यूबा के विदेश मंत्री ने कहा कि ये

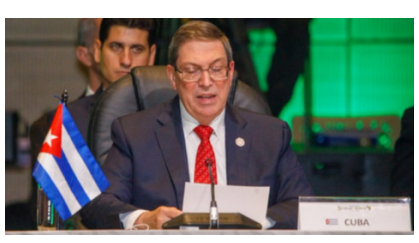

क्यूबा को आर्थिक तौर पर कमजोर करने की कोशिश है। संयुक्त राष्ट्र ने भी क्यूबा की आर्थिक नाकेबंदी पर चिंता जाहिर की है। क्यूबा और अमेरिका के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। क्यूबा ने अमेरिका पर ईंधन आपूर्ति को लेकर झूठ बोलने का गंभीर आरोप लगाया है। क्यूबा के विदेश मंत्री ब्रूनो रोड्रिगेज पैरिला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि अमेरिका के दावे उसकी अपनी नीतियों और आदेशों से मेल नहीं खाते। उन्होंने 29 जनवरी के एक कार्यकारी आदेश और उसके बाद उठाए गए कदमों का हवाला देते हुए कहा कि यह क्यूबा पर निर्मम ईंधन नाकाबंदी है। क्यूबा के विदेश मंत्री ने की अमेरिका की निंदा रोड्रिगेज के मुताबिक, अमेरिका न सिर्फ क्यूबा को तेल देने वाले देशों और कंपनियों को प्रतिबंध की धमकी दे रहा है, बल्कि तेल टैंकरों को भी निशाना बना रहा है। उन्होंने कहा कि वाशिंगटन की नीति का मकसद क्यूबा की अर्थव्यवस्था को कमजोर करना, विकास रोकना, आय के स्रोत खत्म करना और बाजार व तकनीक तक उसकी पहुंच सीमित करना है। संयुक्त राष्ट्र ने दी चेतावनी दरअसल, क्यूबा दशकों से अमेरिकी प्रतिबंधों का सामना कर रहा है, जिसके चलते देश गंभीर आर्थिक और ऊर्जा संकट से जूझ रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने भी चेतावनी दी है कि ईंधन की भारी कमी क्यूबा को मानवीय संकट की ओर धकेल रही है। इस बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यूबा को लेकर एक विवादित बयान दिया। उन्होंने कहा, 'अगला नंबर क्यूबा का है, लेकिन मीडिया से कहता हूं कि इस बात को नजरअंदाज करें।'

रजा पहलवी ने ट्रंप को कहा शुक्रिया

बोले- व्यवस्थित तरीके से होगा सत्ता का परिवर्तन

वॉशिंगटन (एजेंसी)। ईरान के निर्वासित राजकुमार रजा पहलवी ने

कहा है कि ईरान में सत्ता परिवर्तन व्यवस्थित होगा और मौजूदा शासन को पूरी तरह खत्म करना होगा। उन्होंने अमेरिकी सैन्य अभियानों की तारीफ करते हुए समर्थन जारी रखने की अपील की है। ईरान के निर्वासित राजकुमार रजा पहलवी ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि ईरान के मौजूदा शासन को पूरी तरह से खत्म करना होगा। उनके अनुसार, सत्ता का यह बदलाव बहुत ही व्यवस्थित तरीके से होगा। पहलवी ने यह बात अमेरिका के टेक्सास में आयोजित 'कंजर्वेटिव पॉलिटिकल एक्शन कॉन्फ्रेंस' के दौरान कही है। क्या बोले पहलवी? पहलवी ने ईरान के शासन को कमजोर करने के लिए अमेरिकी सैन्य अभियानों की जमकर तारीफ की। उन्होंने 'मिडनाइट हैमर' और 'एपिक फ्यूरी' जैसे अभियानों का जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि इन हमलों की वजह से ईरान की सत्ता पर काबिज लोग बहुत कमजोर हो गए हैं। पहलवी के मुताबिक, इन सैन्य कार्रवाइयों में सर्वोच्च नेता अली खामेनेई और उनके कई करीबी साथी मारे गए हैं। इसके अलावा, ईरान की 80 प्रतिशत से ज्यादा बैलिस्टिक मिसाइलों का भंडार और परमाणु ठिकाने भी नष्ट हो गए हैं। उन्होंने इन कार्रवाइयों के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिकी सेना का आभार जताया। पहलवी ने कहा कि ट्रंप के मजबूत इरादों और अमेरिकी सैनिकों की बहादुरी ने लाखों ईरानियों को एक मौका दिया है। अब वे दशकों से चले आ रहे दमन और अस्थिरता को खत्म करने के लिए लड़ सकते हैं। पहलवी ने दी चेतावनी पहलवी ने चेतावनी दी कि अगर मौजूदा शासन का थोड़ा भी हिस्सा बचा रह गया, तो खतरा कभी खत्म नहीं होगा। उन्होंने कहा कि जो लोग 47 साल से अराजकता फैला रहे हैं, उन पर शांति या सुधार के लिए भरोसा नहीं किया जा सकता। उनके अनुसार, आतंकवादी कभी शांति नहीं ला सकते। अगर उन्हें सत्ता में रहने दिया गया, तो वे केवल और ज्यादा तबाही और अस्थिरता ही लाएंगे। भविष्य की योजना के बारे में बताते हुए पहलवी ने कहा कि वह देश के भीतर और बाहर रहने वाले ईरानियों की मांग पर लोकतांत्रिक बदलाव का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।